जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBIT

Paid To Savour The Magic Of Reading

The experiment raises an amusing but important question: if people need to be paid to read, what does that say about the future of books?

Samudragupta's Horses

The Fish with Armor-Like Scales

'ज्ञानेश कुमार कहाँ मिलेगा, मोदी जी की गोदी में'

वैसे तो नारों का स्तर गिरता ही है, धरने-प्रदर्शनों में, पर, प्रियंका जी का यह नारा, अपनी गिरावट के कारण काफी समय तक याद रहेगा

- प्रियंका जी ने जब यह नारा लगाया, वे मैरीडियन होटल के ''राउन्डअबाउट'' के पास जमीन पर लेटी थीं तथा उनके हाथ में संविधान की एक कॉपी थी तथा राहुल गांधी उनक पास मंडरा रहे थे, पुलिस को प्रियंका जी को घसीट कर बस में ले जाने से रोकने के लिए।
- इससे पूर्व कांग्रेसाध्यक्ष ने रेस्टोरेन्ट, सागर रत्ना में, विपक्ष के सांसदां का लंच रखा था, धरने-प्रदर्शन की आगे की रणनीति पर चर्चा करने के लिए।

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। राहुल और प्रियंका के लिए सैंट्रल दिल्ली की सड़कों पर यह दूसरा दिन था। विपक्ष के नेताओं को विरोध प्रदर्शन करने से रोकने के लिए सरकार ने हिरासत और बड़े पैमाने पर पुलिस बल का इस्तेमाल किया।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जनपथ स्थित सागर रत्ना में विपक्षी सांसदों के लिए लंच का आयोजन किया।

लंच के बाद विपक्षी सांसद जंतर-मंतर जाना चाहते थे और वहां धरना देना चाहते थे। उनका कहना था कि सरकार ने विरोध प्रदर्शन के लिए वही जगह तय की है।

सांसद बसों में सवार हुए, लेकिन पुलिस ने उन्हें जंतर-मंतर तक जाने की अनुमति नहीं दी क्योंकि, वहां कई बैरीकेड्स लगे थे और बड़ी संख्या में पुरुष और महिला पुलिसकर्मी तैनात थे।

जंतर-मंतर पर भी बैरिकेडिंग कर दी गई थी और विपक्षी सांसदों को वहां पहुंचने की अनुमति नहीं दी गई।

इसके बाद विपक्षी सांसद मेरिडियन होटल के गोलचक्कर के पास सड़क पर ही बैठ गए। पूरा इलाका युद्ध क्षेत्र जैसा दिखाई दे रहा था।

बाद में राहुल और प्रियंका को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस का बड़ा दल वहां पहुंचा। ऐसा लग रहा था जैसे मोदी और शाह ने दोनों भाई-बहन को गिरफ्तार करने के लिए पूरी पुलिस मशीनरी लगा दी हो।

दोनों ने पूरी ताकत के साथ इसका विरोध किया।

प्रियंका सड़क पर लेटी हुई थीं, नारे लगा रही थीं और उनके हाथ में संविधान की एक प्रति थी। राहुल गांधी उन्हें सुरक्षा देने के लिए उनके आस-पास मंडरा रहे थे, ताकि पुलिस उन्हें घसीटकर बस में न ले जा सके।

राहुल और प्रियंका को बस में बैठाने की जद्दोजहद काफी देर तक चली। आखिरकार सूर्यास्त के आसपास दोनों को खींचकर पुलिस बस में बैठा दिया गया।

एक बार फिर राहुल गांधी ने साफ कर दिया कि जिन लोगों ने चुनावी प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाया और लोकतंत्र को कमज़ोर किया है, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

राहुल और प्रियंका ने सड़क पर उतरकर निष्क्रिय पड़ी कांग्रेस पार्टी में फिर से जान फूँक दी है और उसे एक मजबूत ताकत बना दिया है। इससे पहले पार्टी केवल ट्वीट के जरिए अपना विरोध दर्ज कराने तक सीमित दिखाई देती थी।

कांग्रेस ने 7 अक्टूबर को ''काला दिवस'' घोषित किया है और पूरे देश में ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर विरोध प्रदर्शन की घोषणा की गई है।

कल आकाशवाणी भवन में धरना देने के मामले में राहुल गांधी के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज की गई थी।

उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ पहले से ही 45 एफ.आई.आर. दर्ज हैं 100 एफ.आई.आर. के साथ उनका लक्ष्य ''शतक'' बनाने का है।

बिना डरे और बिना पीछे हटे उन्होंने संघर्ष को जारी रखने का संकल्प लिया है। उन्होंने साफ कहा कि है कि ज्ञानेश कुमार को इस्तीफा देना ही होगा और मोदी उनका इस्तीफा सुनिश्चित करेंगे।

बराखंभा पुलिस थाने में, जहां कांग्रेस नेताओं को ले जाया गया था, प्रियंका और अन्य नेताओं ने कहा: ''ज्ञानेश कुमार कहां मिलेगा? मोदीजी की गोद में।''

मुहाना थाने में युवक की मौत की जाँच मानवाधिकार आयोग खुद करेगा

जयपुर, 7 अक्टूबर। राज्य मानवाधिकार आयोग ने शहर के मुहाना थाने में पुलिस की कथित मारपीट के बाद युवक की मौत के मामले की स्वयं जांच करना तय किया है। आयोग अध्यक्ष जस्टिस जीआर मूलचंदानी ने

- आयोग ने अपने आईजी व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को जाँच की तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए।

आयोग के आईजी हिंगलाज दान और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संध्या यादव को कहा है कि वे स्वयं के स्तर पर घटना की जांच करें और तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश करें। आयोग ने दोनों अफसरों को कहा है कि वे घटना के गवाहों, चिकित्सकों से साक्ष्य लेकर मेडिकल रिपोर्ट की कॉपी प्राप्त कर उसकी जांच करें। इसके साथ ही, घटना के दिन से एक सप्ताह पहले तक की सीसीटीवी फुटेज भी एकत्र करें। आयोग ने कहा कि आज प्रकाशित खबर के अनुसार, अवैध कस्टडी में युवक को टॉर्चर किया गया, जिससे दिमाग में चोट से उसकी मौत हुई। वहीं पुलिस ने झूठ छिपाने के लिए उसे अस्पताल ले जाकर एंटीवेनम के दस इंजेक्शन लगवाकर 96 हजार रुपए का बिल भी भरा। खबर में यह भी बताया गया कि सांप डसने की कहानी रची गई, लेकिन जांच में एक भी निशान नहीं मिला। इसके अलावा खबर में दो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चुनाव आयुक्त ने सांसदों से नहीं मिल पाने के कारण गिनाए

चुनाव आयुक्त के अनुसार, शाम चार बजे तक किसी भी राजनीतिक पार्टी के अधिकृत प्रतिनिधि ने उनसे मुलाकात के लिए अर्जी नहीं दी थी, अतः मुलाकात कैसे जी जा सकती थी

- शाम को चार बजे चुनाव आयोग को सूचना मिली कि लोकसभा में विपक्ष के नेता, राहुल गांधी उनके मिलना चाहते हैं।
- चुनाव आयुक्त के अनुसार, दिल्ली पुलिस से उन्हें सूचना मिली कि 240 सांसदों का ग्रुप उनसे मिलने आ रहा है, इस पॉर्लियामैंट हाउस की एनेक्सी में।
- चुनाव आयुक्त ने इस पर कहा कि स्थापित परम्परा के अनुसार, चुनाव आयुक्त के परिसर में ही मुलाकात हो सकती है, अन्यत्र कहीं नहीं।
- अतः चुनाव आयुक्त ने अपना एक उच्चाधिकारी, इन सांसदों से मिलने के लिए भेजने का प्रस्ताव दिया, जिसे सांसदों ने ''रिजैक्ट'' कर दिया।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। इंडिया गठबंधन के सांसदों के चुनाव आयोग की ओर मार्च करने और पूरे दिन विरोध प्रदर्शन करने के कुछ घंटे बाद, चुनाव आयोग ने मंगलवार शाम को कहा कि शाम 4 बजे तक किसी भी राजनीतिक दल ने अपने अधिकृत प्रतिनिधियों के माध्यम से आयोग से बैठक के लिए समय नहीं मांगा था। आयोग ने कहा कि बाद में दिल्ली पुलिस ने उसे बताया कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग से मिलना चाहता है और एक ज्ञापन सौंपना चाहता है।

आयोग ने कहा कि उसे मीडिया के माध्यम से पता चला कि कुछ राजनीतिक दलों के आयोग मुख्यालय की ओर मार्च के दौरान, कुछ सांसद अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ चुनाव आयोग से मिलना चाहते थे।

आयोग ने एक बयान में कहा, "आज शाम 4 बजे तक किसी भी राजनीतिक दल ने अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से चुनाव आयोग से बैठक के लिए समय नहीं मांगा था।''

शाम करीब 4 बजे आयोग को दिल्ली पुलिस से जानकारी मिली कि राहुल गांधी के नेतृत्व में सांसदों का एक प्रतिनिधिमंडल आयोग से मिलना चाहता है और एक ज्ञापन सौंपना चाहता है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बाँग्लादेश के प्र.मंत्री बार-बार भारत यात्रा क्यों टाल रहे हैं?

प्र.मंत्री बनने के बाद वे मलेशिया, चीन, जापान, सऊदी अरब व टर्की की राजकीय यात्रा कर चुके हैं

- पर, बाँग्लादेश के प्र.मंत्री तारिक रहमान, भारत से कुछ चौंकन्ने हैं तथा ''सबसे पहले बाँग्लादेश ही रहेगा'', इस नारे के तहत, बाँग्लादेश की सार्वभौमिकता, बराबरी व गैर हस्तक्षेप की नीति का अनुसरण करते हुए, भारत द्वारा आयोजित ''ब्रिक्स सम्मेलन'' में भी नहीं आए।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। भारत-बांग्लादेश संबंधों में सुधार की प्रक्रिया लगातार रुकी हुई है, क्योंकि बांग्लादेश के नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान लंबे समय से प्रस्तावित अपनी भारत यात्रा को बार-बार टाल रहे हैं। नवंबर या दिसंबर में संभावित यात्रा की तारीख अभी भी तय नहीं हुई है।

फरवरी 2026 में बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की सरकार के सत्ता में आने के बाद दोनों देशों के संबंधों में काफी गिरावट आई है।

शेख हसीना की पिछली अवामी लीग सरकार के दौरान भारत और बांग्लादेश के संबंध काफी मजबूत थे। दोनों देशों के बीच सुरक्षा, संपर्क और व्यापार के क्षेत्र में सहयोग हुआ था। जुलाई 2024 में छात्रों के नेतृत्व में हुए आंदोलन ने शेख हसीना को सत्ता से बाहर कर दिया, उन्हें भारत भागना पड़ा और बाद में अवामी लीग पर प्रतिबंध लगा दिया गया, जिससे पूरी स्थिति ही बदल गई।

बीएनपी का रुख ऐतिहासिक रूप से भारत के प्रभाव को लेकर अधिक सतर्क रहा है। पार्टी ने ''बांग्लादेश फर्स्ट'' विदेश नीति अपनाई है, जिसमें देश की संप्रभुता, समानता और दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने पर जोर दिया गया है। तारिक रहमान ने मलेशिया, चीन, जापान, सऊदी अरब और तुर्किए की यात्राओं को प्राथमिकता दी है। उन्होंने नई दिल्ली में हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में निमंत्रण के बावजूद हिस्सा नहीं लिया। इससे संकेत मिलता है कि बांग्लादेश जानबूझ भारत-केन्द्रित नीति से अलग दिशा में आगे बढ़ रहा है।

दोनों देशों के बीच एक बड़ा मुद्दा शेख हसीना के प्रत्यर्पण को लेकर है। ढाका लगातार इस मामले में प्रगति चाहता है। बांग्लादेश ने 2013 की द्विपक्षीय प्रत्यर्पण संधि के तहत, उनकी वापसी की औपचारिक मांग की है, ताकि वे नवंबर 2025 में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण द्वारा उनकी अनुपस्थिति में सुनाई गई मौत की सजा का सामना कर सकें। यह सजा 2024 के आंदोलन के दौरान कथित मानवता-विरोधी अपराधों के लिए सुनाई गई थी।

शेख हसीना ने स्वयं भी कई बार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आरसीए प्रकरण की सुनवाई अब 12 अक्टूबर को

जयपुर, 7 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट में बुधवार को आरसीए चुनाव से जुड़े मामले में लंबित जनहित याचिका पर सुनवाई नहीं हो सकी। अदालत इस मामले में 12 अक्टूबर को सुनवाई करेगी।

राजीव प्रताप सिंह की यह जनहित याचिका बुधवार को जस्टिस इन्द्रजीत सिंह की खंडपीठ के समक्ष सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हुई थी,

- इस मामले में जनहित याचिका की सुनवाई 7 अक्टूबर को तय थी।

लेकिन किन्हीं कारणों के चलते जस्टिस इन्द्रजीत सिंह की खंडपीठ गठित नहीं हुई। इस पर प्रकरण जस्टिस महेन्द्र गोयल और भुवन गोयल की खंडपीठ के समक्ष सुनवाई के लिए लगा, जहां अदालत ने मामले की सुनवाई 12 अक्टूबर को तय की है। जनहित याचिका पर पूर्व में सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने एडहॉक कमेटी को भंग कर आईएएस भास्कर ए. सांवत को प्रशासक नियुक्त कर चुनाव कराने की जिम्मेदारी दी थी। वहीं, गत 29 सितंबर को चुनाव हुए, लेकिन उसी दिन सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव परिणाम जारी करने पर अंतरिम रोक लगा दी।

आरबीआई ने 25 बेसिस पॉइंट रैपो रेट बढ़ाई

रैपो रेट से मतलब है, वह ब्याज दर, जो आरबीआई चार्ज करती है, व्यवसायिक बैंकों से अल्पकालीन ऋणों पर

- इस रैपो रेट के बढ़ने से, बैंकों से चार्ज किए जा रहे ब्याज दर में भारी परिवर्तन होगा।
- आरबीआई का इतनी थोड़ी सी रेट बढ़ाने का मतलब है, बैंकिंग इण्डस्ट्री को मैसेज देना कि आरबीआई महंगाई (इनफ्लेशन) के बारे में संवेदनशील है और अगर महंगाई पर नियंत्रण हासिल नहीं हुआ तो आरबीआई कुछ ''ग्रोथ'' का बलिदान भी कर सकती है, महंगाई पर नियंत्रण पाने के लिए।

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। आरबीआई के रैपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट (0.25 प्रतिशत) की बढ़ोतरी के फैसले से यह दर 5.25 प्रतिशत से बढ़कर 5.50 प्रतिशत हो गई है। इससे पूरी अर्थव्यवस्था में कर्ज लेना थोड़ा महंगा हो जाएगा।

रैपो रेट वह दर है, जिस पर आरबीआई कमर्शियल बैंकों को कम अवधि के लिए पैसा उधार देता है। जब आरबीआई इसे बढ़ाता है, तो बैंकों के लिए पैसे की लागत बढ़ने लगती है। इसके बाद बैंक कर्ज की ब्याज दरें बढ़ा सकते है, जिससे होम लोन, ऑटो लोन, पर्सनल लोन और कारोबार के लिए मिलने वाला कर्ज महंगा हो सकता है।

इसका उद्देश्य मांग को इतना कम करना है कि महंगाई लंबे समय तक बनी न रहे। ऊंची ब्याज दरें नए कर्ज और निवेश को कम कर सकती हैं, बचत को बढ़ावा दे सकती हैं और आखिरकार कीमतों पर दबाव कम कर सकती हैं।

यह कदम इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे संकेत मिलता है कि आरबीआई महंगाई के हालात को लेकर पहले की तुलना में कम आश्वस्त है। अगर आर्थिक विकास की दर अच्छी बनी हुई है और महंगाई बढ़ रही है, तो केन्द्रीय बैंक के पास बहुत उदार मॉनिटरी पॉलिसी बनाए रखने की वजह कम हो जाती है।

आरबीआई के लिए समस्या केवल मौजूदा महंगाई की दर नहीं है, बल्कि इस बात की आशंका भी है कि ऊंची कीमतें लंबे समय तक बनी रह सकती हैं। खाद्य पदार्थों की कीमतें, कच्चा तेल, कमोडिटी की कीमतें, मजदूरी और ग्लोबल सप्लाई में रुकावटें, ये सभी महंगाई को और बड़ा सकते हैं।

इसमें एक मनोवैज्ञानिक पहलू भी है। अगर परिवारों और बिज़नैस को लगने लगे कि कीमतें लगातार बढ़ती रहेंगी, तो वे अपनी खरीदारी जल्दी कर सकते हैं, ज्यादा वेतन की मांग कर सकते हैं या खुद अपनी कीमतें बढ़ा सकते हैं। इससे महंगाई को नियंत्रित करना और मुश्किल हो सकता है।

इसलिए ब्याज दर बढ़ाने का एक उद्देश्य महंगाई को लेकर लोगों की उम्मीदों को स्थिर करना भी है।

इसका सबसे सीधा असर उन कर्ज लेने वालों पर सबसे ज्यादा दिखेगा, जिनके लोन फ्लोटिंग या एक्स्टर्नल बैंचमार्क दरों से जुड़े हैं।

उदाहरण के लिए, अगर किसी व्यक्ति ने 50 लाख रुपये का फ्लोटिंग रेट होम लोन लिया है और बैंक पूरी 25 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी का बोझ ग्राहक पर डाल देता है, तो उसके ब्याज का खर्च बढ़ सकता है। हालांकि वास्तविक असर इस बात पर निर्भर करेगा कि लोन किस बेंचमार्क से जुड़ा है, ब्याज दर कब और कैसे बदली जाती है, लोन की कितनी अवधि बाकी है और बैंक क्या फैसला करता है।

मौजूदा फिक्स्ड रेट वाले कर्ज लेने वालों पर आमतौर पर इसका तुरंत असर नहीं पड़ेगा।

जमाकर्ताओं को इस बढ़ोतरी का फायदा हो सकता है। बैंकों के बीच जमा राशि के लिए प्रतिस्पर्धा बढ़ने पर, बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट और अन्य ब्याज देने वाले उत्पादों पर ब्याज दरें बढ़ा सकते हैं। आरबीआई के सामने एक मुश्किल संतुलन बनाए रखने की चुनौती

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी आडवाणी से मिलने उनके घर गये

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी से उनके

- उन्होने कहा कि आडवाणी के दशकों लंबे सार्वजनिक जीवन ने स्थायी छाप छोड़ी है।

आवास पर मुलाकात कर उनका आशीर्वाद लिया।

मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए कहा कि उन्होंने आडवाणी जी से उनके आवास पर मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आडवाणी के दशकों लंबे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंचायती राज चुनाव में कांग्रेस प्रचंड बहुमत का रिकॉर्ड बनाएगी- पायलट

सचिन पायलट ने कहा कि सांसदों को निर्वाचन आयोग से मिलाने के स्थान पर थाने ले जाया गया

- कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव पायलट ने कहा कि कांग्रेस पार्टी एकजुट होकर पंचायत चुनाव लड़ेगी तथा अच्छे, साफ छवि वाले व युवाओं को टिकट दिया जाएगा।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 7 अक्टूबर। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट ने राजस्थान के पंचायतीराज चुनावों में कांग्रेस की प्रचंड बहुमत से जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में कांग्रेस का पलड़ा हमेशा भारी रहा है, इस बार पार्टी प्रचंड बहुमत के साथ जीत का रिकॉर्ड बनाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एकजुट होकर चुनाव लड़ेगी तथा अच्छे और साफ छवि वाले उम्मीदवारों को टिकट दिया जाएगा। युवाओं को भी चुनाव में मौका देने पर जोर रहेगा। पायलट ने ये बातें बुधवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय के वॉर रूम में मीडिया से रूबरू होकर कहीं।

इससे पहले पायलट ने एआईसीसी राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर रंधावा व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की अगुवाई में आयोजित कैंपेन कमेटी की बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक में पंचायतीराज चुनावों के प्रचार, प्रत्याशी चयन, संगठन को राजस्थान में सक्रिय करने समेत कई मुद्दों पर रणनीति तैयार की गई।

सचिन पायलट ने कहा कि आगामी पंचायतीराज चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपनी चुनावी रणनीति तेज कर दी है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में वर्ष 2028 के विधानसभा चुनावों से पहले अंतिम बड़ा चुनाव पंचायतों का है। पार्टी ने जिलों की स्थिति पर चर्चा कर, चुनाव की तैयारियों को लेकर रणनीति तय की है।

निकाय चुनावों का उल्लेख करते हुए पायलट ने कहा कि भाजपा जीतकर भी हार गई और कांग्रेस हारकर भी जीती है, क्योंकि कांग्रेस का वोट ज्यादा है। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान कई जिलों से शिकायतें मिलीं और पुलिस-प्रशासन के माध्यम से पार्षदों पर दबाव बनाने के प्रयास किए गए। आज कांग्रेस की बैठक में एक-एक जिले की स्थिति पर चर्चा की गई है।

निर्वाचन आयोग को लेकर सचिन पायलट ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और विपक्षी सांसदों के साथ हुए व्यवहार पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि करीब 250-300 सांसद निर्वाचन आयोग प्रमुख से मिलना चाहते थे, लेकिन उन्हें बसों में भरकर थाने भेजा गया और उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। पायलट ने कहा कि लोकतंत्र में शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखना और सवाल पूछना सांसदों का अधिकार है। उन्होंने मतदाता सूची में नाम हटाए जाने के मुद्दे पर कहा कि कांग्रेस अगले 2 माह तक गांव-गांव जाकर लोगों को जागरूक करेगी और कथित अनियमितताओं को जनता के सामने रखेगी। पायलट ने कहा कि संविधान ने नागरिकों को मताधिकार दिया है और लोकतंत्र में इस अधिकार की रक्षा जरूरी है।

सीजेपी का आंदोलन 10 अक्टूबर से जंतर-मंतर पर होगा

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और अखिल भारतीय छात्र संघ (एआईएसए) ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता

- सीजेपी ने घोषणा की कि चुनाव व्यवस्था में सुधार के बाद ही आंदोलन समाप्त होगा।

सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जैसी मांगों को लेकर 10 अक्टूबर को यहां के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन का ऐलान किया है। सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास और एआईएसए की

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

सज्जन पुरुष की वास्तविक परिभाषा यही है कि वह कभी किसी पुरुष को पीड़ित नहीं करता।
–सी. न्यूमैन

किसानों से धोखा आखिर कब तक?

राजस्थान कृषि प्रधान प्रदेश है। यहां लाखों किसानों की आजीविका खेती पर निर्भर है। किसान के लिए बीज केवल कृषि सामग्री नहीं, बल्कि उसकी पूरी फसल, परिवार की आय और आर्थिक सुरक्षा का आधार है। ऐसे में यदि उसे उन्नत बीज के नाम पर घटिया या अमानक बीज उपलब्ध करा दिया जाए तो नुकसान केवल एक फसल का नहीं, बल्कि किसान के पूरे आर्थिक चक्र का होता है। राजस्थान में मक्का के बीज को लेकर सामने आया हालिया मामला इसी गंभीर चिंता को जन्म देता है।

समाचार रिपोर्ट के अनुसार, खरीफ मौसम में प्रदेश के लगभग 8 लाख किसानों को उन्नत बीज के नाम पर मक्का का घटिया बीज वितरित किया गया। इसके नमूने राष्ट्रीय पादप आनुवंशिक संसाधन ब्यूरो को जांच के लिए भेजे गए और वे निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरे। इससे मक्का की पैदावार में 25 से 30 प्रतिशत तक कमीआने की आशंका जताई गई है।

सवाल सीधा है–जब बीज की गुणवत्ता ठीक नहीं थी तो वह किसानों तक पहुंचा कैसे? गुणवत्ता परीक्षण किस स्तर पर हुआ? जिम्मेदारी किसकी थी? और सबसे महत्वपूर्ण, जिन किसानों की फसल प्रभावित होगी, उनके नुकसान की भरपाई कौन करेगा?

किसान पहले ही मौसम की अनिश्चितता, महंगे कृषि आदान, सिंचाई संकट और फसल के उचित मूल्य की समस्या से जूझ रहा है। यदि सरकार की निगरानी में वितरित बीज पर भी किसान भरोसा नहीं कर सकता तो कृषि व्यवस्था में विश्वास कैसे कायम रहेगा?

यह समस्या केवल बीज तक सीमित नहीं है। उर्वरकों की गुणवत्ता और उनकी बिक्री को लेकर भी किसानों की शिकायतें गंभीर हैं। नैनो यूरिया इसका एक प्रमुख उदाहरण है। इफको ने नैनो यूरिया लिक्विड को विकसित करने के बाद यह दावा किया कि इसकी एक बोतल 45 किलो की यूरिया की एक बोरी के बराबर उत्पादन क्षमता प्रदान कर सकती है। इसका व्यापक प्रचार हुआ। लेकिन प्रस्तुत विवरण के अनुसार, कृषि विश्वविद्यालयों में हुए प्रयोगों और किसानों के अनुभवों में उत्पादन बढ़ने के बजाय कई मामलों में कमी की शिकायत सामने आई।

यहां वैज्ञानिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है। 500 मिलीलीटर नैनो यूरिया में लगभग 20 ग्राम नाइट्रोजन होने की बात कही जाती है, जबकि 45 किलो यूरिया की बोरी में लगभग 20 किलो नाइट्रोजन होता है। ऐसे में दोनों को उत्पादन की दृष्टि से बराबर बताने के दावे की वैज्ञानिक पुष्टि आवश्यक है। यदि किसी कृषि उत्पाद का प्रचार वैज्ञानिक परीक्षणों से पुष्ट नहीं है तो उसका व्यापक उपयोग किसानों के लिए जोखिमपूर्ण हो सकता है। स्थिति तब और गंभीर हो जाती है जब किसान संगठनों ने यह शिकायत की कि पारंपरिक अथवा यूरिया के साथ नैनो यूरिया या अन्य उत्पाद खरीदना अनिवार्य किया जा रहा है। अर्थात किसान को कहा जाता है कि यूरिया लेना है तो नैनो भी लेना पड़ेगा। दस्तावेज के अनुसार, ऐसी जबरन टैगिंग की शिकायतों के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 13 जुलाई 2025 को सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखकर पारंपरिक उर्वरकों के साथ नैनो उर्वरकों की जबरन टैगिंग रोकने के निर्देश दिए।

किसान के साथ धोखा केवल आर्थिक नुकसान नहीं है। यह देश की खाद्य सुरक्षा और कृषि व्यवस्था के विश्वास पर चोट है। इसलिए सरकार को अब यह जवाब देना ही होगा-8 लाख किसानों तक अमानक मक्का बीज कैसे पहुंचा, इसके लिए कौन जिम्मेदार है और किसानों के नुकसान की भरपाई कब होगी?

इस निर्देश में यह भी कहा गया कि पारंपरिक उर्वरकों के साथ नैनो यूरिया, नैनो और बायो–स्टिमुलेंट की जबरन बिक्री नहीं होनी चाहिए। इसे उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 और आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के प्रावधानों के संदर्भ में गंभीर विषय माना गया।

राजस्थान में नकली और घटिया उर्वरकों के मामले भी चिंता बढ़ाते हैं। दस्तावेज के अनुसार, 28 सितंबर 2025 की रात कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कोलायत क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान 24,000 बैग तथा सांखला फांटे के पास 40,000 बैग बरामद किए, जिनमें मिट्टी मिलाकर खाद तैयार किए जाने की बात सामने आई। शाहपुरा में नमक, बाजरी और लाल रंग मिलाकर नकली पोटाश तैयार करने का मामला भी सामने आया। वहां 50 किलो के 4,120 कट्टे तैयार किए गए थे और कथित रूप से महज लगभग 70 हजार रुपये की सामग्री को 61.80 लाख रुपये में किसानों को बेचने की तैयारी थी।

इसी प्रकार 7 जून 2025 को जयपुर–सीकर रोड स्थित ट्रांसपोर्ट नगर में बिना लाइसेंस चल रही एक फैक्ट्री पर कार्रवाई में औद्योगिक नमक, सोडियम सल्फेट के कट्टे और प्रतिबंधित फोरेट के पैकेट जब्त किए जाने की जानकारी भी सामने आई है।

ये घटनाएं एक बड़े संकट की ओर संकेत करती हैं। किसान को बीज और खाद के नाम पर क्या दिया जा रहा है, इसकी स्वतंत्र और वैज्ञानिक जांच क्यों नहीं हो रही? कृषि विभाग की निगरानी व्यवस्था केवल कागजों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए।

सरकार को अब तत्काल एक किसान–केंद्रित गुणवत्ता निगरानी प्रणाली बनानी चाहिए। बीज और उर्वरक के प्रत्येक बैच के नमूने स्वतंत्र प्रयोगशालाओं में जांचे जाएं। जांच रिपोर्ट सार्वजनिक पोर्टल पर उपलब्ध हो। अमानक बीज मिलने पर संबंधित कंपनी, वितरक और लापरवाही करने वाले अधिकारियों की जिम्मेदारी तय हो। प्रभावित किसानों की फसल का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कर उचित मुआवजा दिया जाए।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसान को किसी भी कृषि उत्पाद की जबरन खरीद के लिए बाध्य नहीं किया जाना चाहिए। कृषि तकनीक और नए उत्पाद तभी स्वीकार किए जाने चाहिए जब उनके लाभ स्वतंत्र वैज्ञानिक परीक्षणों से प्रमाणित हों।

किसान के साथ धोखा केवल आर्थिक नुकसान नहीं है। यह देश की खाद्य सुरक्षा और कृषि व्यवस्था के विश्वास पर चोट है। इसलिए सरकार को अब यह जवाब देना ही होगा–8 लाख किसानों तक अमानक मक्का बीज कैसे पहुंचा, इसके लिए कौन जिम्मेदार है और किसानों के नुकसान की भरपाई कब होगी?

उन्नत बीज के नाम पर घटिया बीज और खाद के नाम पर नकली सामग्री बेचने वालों पर कठोर कार्रवाई के बिना किसान कल्याण का दावा अधूरा ही रहेगा।

–अतिथि सम्पादक,
प्रोफेसर (डा.) पी.सी. कंठालिया,
पूर्व विभागाध्यक्ष (मृदा विज्ञान) एवं मुख्य वैज्ञानिक,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर

राशिफल गुरूवार 8 अक्टूबर, 2026

पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, कृष्ण पक्ष, त्रयोदशी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत–2083, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 9:20 तक, शुक्ल योग रात्रि 12:48 तक, गर करण दिन 10:46 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 3:18 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–सिंह, मंगल–कर्क, बुध–कन्या, गुरू–कर्क, शुक्र–तुला, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह आज भद्रा रात्रि 10:16 से आरम्भ होगी। आज त्रयोदशी का श्राद्ध, प्रदोष व्रत, मास शिवरात्रि, कलियुगादि तिथि, युगाब्द 5:28 आरम्भ है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– शुभ सूर्योदय से 7:53 तक, चर 10:47 से 12:14 तक, लाभ अमृत 12:14 से 3:09 तक, शुभ 4:16 से सूर्यास्त तक।

राहुकाल– 1:30 से 3:00 तक, सूर्योदय 6:26, सूर्यास्त 6:03

मेष
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है और परेशानी हो सकती है। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

वृष
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति एवं आय में वृद्धि होगी।

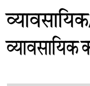

मिथुन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान एवं व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

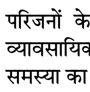

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर–परिवार में सुख–सुविधाओं में वृद्धि होगी।

सिंह
मानसिक तनाव दूर होगा। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आज आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ बनी रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा।

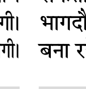

तुला
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति एवं व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

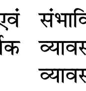

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

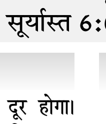

धनु
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक सफलता से आत्मविश्वास बढ़ेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा, उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

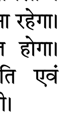

मीन
अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक योजना बनेगी।

मुंशी प्रेमचंद जी : जनजीवन के कथाकार, समाज के सच्चे चित्रकार

8 अक्टूबर, 2026, प्रेमचन्द जी की 90वीं पुण्यतिथि पर विशेष....

प्रो. राजीव सक्सेना

मुंशी प्रेमचंद जी : प्रेमचन्द जी का जन्म 31 जुलाई, 1880 को लमही गांव (वाराणसी–उत्तर प्रदेश) में एक कायस्थ परिवार में हुआ था। उनके पिता का नाम अजायबराय तथा माता का आनन्दी देवी था। प्रेमचंद जी का वास्तविक नाम धनपतराय श्रीवास्तव था। उनकी मृत्यु 8 अक्टूबर, 1936 को 56 वर्ष की अल्पायु में 'जलोदर' रोग द्वारा हुई ।

कहानियों के मील का पत्थर भीष्म पितामह, पुरोधा, महा झूमर, सुमेरू पर्वत, जामवन्त, कायस्थ–कुल गौरव रत्न, हिन्दी व उर्दु भाषा के शेक्सपीयर व जन्मजात प्रतिभा युक्त मुंशी प्रेमचन्द जी, जो कि महानतम कहानीकार व उपन्यास सम्राट तथा एक महाकवि थे। सीधी सादी गंभीर बेलोस बेमुरव्वत व बेमोहब्बत, प्रभावी शक्ल के मालिक जिनका नाम धनपत राय भी था जो कि बिल्कुल गंवई, कस्बाई, भुच्च शक्ल व सांवले रंग के मालिक जो सामान्यत बंद गाढ़े का कुर्ता पजामा तथा चमरौधीं जूता पहनते थे जो चर्र–चर्र की आवाज करते थे, एक अलग ही शख्सियत, व्यक्तित्व था जो कि लोगों पर आसानी से हावी हो जाता था। मुंशी जी की लेखनी हिन्दी व उर्दु दोनों भाषाओं में लाजवाब थी, त्वरित व समान चलती थी व आज भी एक वैश्विक व अन्तराष्ट्रीय पहचान बनी हुई है। प्रेमचन्द जी ने समकालिन व सम–सामयिक व यथार्थ परख जमीनी दुनिया से जुड़े हुए विषयों पर लगभग 300 से ज्यादा कहानियाँ लिखी व 15 के आसपास उपन्यास, 10 अनुवाद, 7 बाल पुस्तकें व तीन नाटक लिखे तथा सैंकडो–हजारों पन्नों के लेख संपादकीय, पत्रकारिता लेखन, भूमिका व भाषण लेखन साथ ही साथ काफी सारी रचनाएं व पत्र आदि लिखे, जो कि अपने आप में बेमिसाल तथा बेजोड़ थे। उनकी मुख्य कहानियों में ठाकुर का कुआ, पूस की रात, दो बैलों की कथा, पंच परमेश्वर, कफ़न, बड़े भाई साहब, नशा, बूढी काकी, शतरंज के खिलाड़ी, नमक का दरोगा, ईदगाह तथा मंत्र आदि आदि व उपन्यास, रंग भूमि, गोदान, गबन, सेवासदन, प्रेमाश्रम, कर्मभूमि आदि व आखरी अधूरा लिखित उपन्यास 'मंगलसूत्र' था।

प्रेमचन्द जी की रचनाएं आज भी कालजयी व प्रासंगिक है। उन्हें हिन्दी का शेक्सपीयर यूही नही कहा जाता है। उनकी प्रत्येक रचना, कहानी व उपन्यास हमेशा एक परम्परा व काली सच्चाई के इर्द–गिर्द घूमते हैं। उन्होंने 1901 में उपन्यास लिखना शुरू किया तथा कहानियां लगभग 1907 से लिखना शुरू की। उनकी कहानियों व उपन्यासों में जमकर व तबीयत से लोकोक्तियों, कहावतों, मुहावरों तथा गंवई शब्दों व भाषा का उपयोग होता था।

1910 में स्वतंत्रता संग्राम आंदोलन के दौरान उनकी कहानी 'सोजे वतन' जब्त कर ली गई तथा उसकी अनेकों प्रतियां फाड़ दी व जला दी गई। उस समय अंग्रेजों के शासन काल में जब लोग कानपुर से प्रसारित होने वाले अखबार में 'रफ्तार–ऐ–जमाना' जैसे कॉलम में वो लिखा करते थे व लोग उसे पढ़कर उनकी सराहना करते थे। अत: वो एक अच्छे पत्रकार व कवि भी थे। उर्दू भाषा में वो नवाबराय के नाम से लिखते थे। उन्होंने हिन्दी कहानियों, उपन्यास, रचनाओं व हिन्दी साहित्य को नये विविधा विविध बहु आयाम दिये।

1923 में उन्होंने सरस्वती प्रेस की स्थापना की व 1930 में 'हंस पत्रिका' का प्रकाशन शुरू किया। लगभग 300 से ज्यादा लिखी कहानियों में आम आदमी की दुर–2 करती, लिज लिजी जिन्दगी, गरीबी–अमीरी व उनकी चुभन, घुटन, प्रतिशोध, कसक, अंधविश्वास, दंभ व घमंड तथा रूढिवादी परंपराओं पर भरपूर प्रहार किया व हरेक जन व पाठकों को सोचने पर मजबूर किया। साथ ही साथ मानवीय मूल्यों को भी सहेज कर रखा जो उनकी कहानियों में स्पष्ट परिलक्षित व प्रभावी होते दिखते है। 1910 की घटना के बाद उनके परम मित्र दया नारायण निगम जो कि 'जमाना' अखबार के संपादक थे, उन्होंने, उन्हें प्रेमचन्द नाम से लिखने की सलाह दी, तब उन्होंने नवाबराय नाम के बजाय प्रेमचन्द नाम से लिखना शुरू किया। 20वीं सदी के भारत में 1935 तक, उस दौरान जातिवाद, छुआछुत, संकीर्णता की भावना, साम्प्रादायिक संकीर्णता, ऊँच–नीच का भेदभाव, गरीबों मजदूरों व श्रमिको का शोषण तो चलता ही था तथा इन सबसे अलग व विशेषकर महिलाओं को हेय व हीनदृष्टि से देखना अपने सर्वोच्चतम शिखर पर था। उस समय अंग्रेजों व फिरंगियों के राज मे अंग्रेज लोग यही सोचते थे कि साहित्य लिखना, समझना व पढ़ना सिर्फ अंग्रेजों को ही आता है या उन्हीं का ये सर्वसिद्ध अधिकार है व सिर्फ अंग्रेज लोग ही पढ़–लिख सकते है व लेखन कार्य कर सकते हैं। इस विषम काल में एक आवाज व लेखनी प्रेमचन्द जी के रूप में ऐसी निकली, जिसकी गूंज की गूंज आज–तक देश–विदेशों में गूंज रही है।

'सेवा सदन' (बाजार–ए–हुस्न), गबन, निर्मला, प्रेमाश्रम, कर्मभूमि, रंगभूमि जैसे अनेकों उपन्यास लिखे, जिनकी आज भी कोई काट नहीं है। 'गोदान' उपन्यास तो पूरे ग्रामीण जीवन व परिवेश तथा रूढिवादी प्राचीन परंपराओं को दर्शाता, दिखाता है। उन्होंने सामाजिक कुरूतियों, अंधविश्वास व ग्रामीण समस्याओं से निकलकर लोगों को अपनी लेखनी के माध्यम से बताया, समझाया व लोहा मनवाया। प्रेमचन्द जी संभवत: सदी के प्रथम ऐसे रचनाकार व साहित्यकार थे, जिन्होंने उपन्यास, कहानी व कथा लेखन को कपोल–कल्पित कल्पनाओं तथा कल्पनालोक के प्रभाव से निकलकर व लोगों को निकालकर आमजनों को वास्तविकता व जमीनी हकीकतों व विशुद्ध यथार्थ से अवगत करवाया।

उन्होंने सरल, सहज व सामान्य, जन साधारण वेशभूषा का उपयोग किया व उन्हें अपने प्रयोग में लाये। उपन्यास के क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान को देखते हुए, बंगाल के योग्य, प्रख्यात व लब्ध प्रतिष्ठित उपन्यासकार शरदचन्द्र चट्टोपाध्याय ने उन्हें 'उपन्यास–सम्राट' कहकर संबोधित किया। 1930 के आस पास उनका गांधीवाद से मोहभंग हो गया। 'गोदान' इसका सशक्त उदाहरण है इसमें किसान के शोषण, गरीबी तथा उसकी दुर्दशा का ऐसा भयावह चित्रण किया है कि अंत में किसान पात्र 'होरी' की मृत्यु

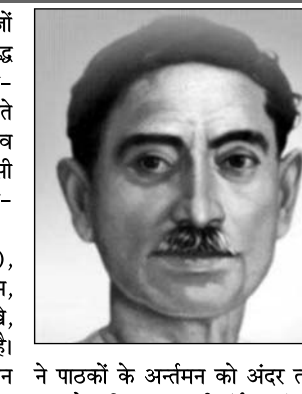

ने पाठकों के अर्न्तमन को अंदर तक झकझोर दिया। कहानी 'ईदगाह' के माध्यम से प्रेमचन्द जी ने यह संदेश दिया कि गरीबी बच्चों को उम्र से पूर्व ही बड़ा बना देती है।

असल में व अंत में यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगा कि प्रेमचन्द जी कहानी, कविता, पत्रकारिता, संपादन व लेखन क्षेत्र तथा उपन्यास लिखने के संबंध में वे साहित्य का हिमालय व सुमेरू पर्वत थे जिनकी समस्त रचनाएं कालजयी है वे आज भी बेजोड़ है, चंद पन्नों व पंक्तियों में उन्हें व उनके साहित्य को पूर्णरूपेण समेटना मुश्किल ही नही नामुमकिन है। उनकी मृत्यु 8 अक्टुबर, 1936 को 56 वर्ष की अल्प आयु में 'जलोदर' रोग के द्वारा हुई। वे हमेशा आडम्बर व दिखावे से दूर रहते थे तथा अपना काम खुद करना पसन्द करते थे, अगर वे 35–40 वर्ष और जीते तो ऐसे महाकाव्य, उपन्यास व कहानियां, लेखन आदि लिख जाते जिनकी कल्पना करना, काफी अतीत से परे व कठिन है। उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें सहस्त्र कोटि नमन व शत्–2 प्रणाम।

–प्रो.डॉ. राजीव सक्सेना,
वरिष्ठ हौम्योपैथ आचार्य व
वरिष्ठ चिकित्सक, जयपुर।

सेवा संकल्प अभियान : 25 वर्षों की सेवा, संकल्प और परिवर्तन की जनयात्रा

डॉ. मनीषा सिंह

कभी–कभी किसी यात्रा को समझने के लिए केवल रास्ते नहीं, बल्कि उन रास्तों पर चलने वाले लोगों की आँखों में आए बदलाव को देखना पड़ता है। 'सेवा संकल्प अभियान' भी ऐसी ही एक यात्रा की कहानी है जहाँ 25 वर्षों का सफर केवल वर्षों की गिनती नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन में आए बदलाव, उम्मीद और आत्मविश्वास की कहानी है।

जन सेवा से देश सेवा यह केवल एक पंक्ति नहीं, बल्कि उस विचार की अभिव्यक्ति है जिसमें शासन को जनता से जोड़ने और विकास को जनभागीदारी से आगे बढ़ाने का प्रयास दिखाई देता है। वर्ष 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई नरेंद्र मोदी की शासन–यात्रा 2026 में 25 वर्षों के पड़ाव तक पहुंची है। स्वयं प्रधानमंत्री ने भी इस अवसर पर कहा कि इन वर्षों में उनका निरंतर प्रयास लोगों के जीवन को बेहतर बनाने और राष्ट्र की प्रगति में योगदान देने का रहा है।

इन 25 वर्षों को केवल राजनीतिक या प्रशासनिक उपलब्धियों से नहीं मापा जा सकता। इसकी असली तस्वीर उस माँ के चेहरे पर दिखाई देती है, जिसे अपनी बेटी की शिक्षा का भरोसा मिला; उस किसान में दिखाई देती है जिसे पानी और बिजली की बेहतर सुविधा मिली; उस गरीब परिवार में दिखाई देती है, जिसके लिए बैंक खाता, स्वास्थ्य सुरक्षा या आवास जैसी सुविधाएँ पहली बार वास्तविकता बनीं।

25 वर्ष, 25 परिवर्तनकारी उपलब्धियाँ :-

कन्या केलवणी एवं शाला प्रवेशोत्सव ने बालिका शिक्षा और स्कूल नामांकन को सामाजिक अभियान बनाया। स्वागत ने नागरिकों की शिकायतों को सीधे प्रशासन के शीर्ष स्तर तक पहुँचाने का माध्यम बनाया और लाखों शिकायतों के समाधान की व्यवस्था विकसित की।

वहीं ज्योतिग्राम योजना ने गुजरात के हजारों गांवों में बिजली आपूर्ति को अधिक विश्वसनीय बनाया। गरीब कल्याण मेला के माध्यम से सरकारी योजनाओं के लाभ सीधे जरूरतमंदों तक पहुँचाने का प्रयास हुआ। वनबंधु कल्याण योजना ने आदिवासी समाज के शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और आधारभूत सुविधाओं पर ध्यान केंद्रित किया। वहीं सागरखेड़ू सर्वांगीण विकास ने तटीय क्षेत्रों के लाखों लोगों के जीवन और आजीविका को विकास से जोड़ा।

जन–धन योजना ने बैंकिंग और सरकारी लाभों को सीधे नागरिकों तक पहुँचाने में बड़ी भूमिका निभाई।मेक इन इंडिया ने विनिर्माण और आत्मनिर्भरता को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया। स्वच्छ भारत मिशन ने स्वच्छता को सरकारी कार्यक्रम से आगे बढ़ाकर जनआंदोलन का रूप दिया। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं ने करोड़ों लोगों को बीमा और पेंशन जैसी सुरक्षा से जोड़ा।

इसी प्रकार सागरमाला ने बंदरगाहों, सड़क, रेल और तटीय अर्थव्यवस्था को जोड़ने की दिशा में काम किया। प्रधानमंत्री मुद्रा योजना ने छोटे उद्यमियों को बिना जमानत ऋण उपलब्ध कराकर स्वरोजगार को प्रोत्साहित किया। स्टार्टअप इंडिया ने युवाओं में उद्यमिता की नई आकांक्षा पैदा की और 2.5 लाख से अधिक मान्यता प्राप्त स्टार्टअप का एक बड़ा पारिस्थितिकी तंत्र विकसित हुआ। उज्ज्वला योजना ने करोड़ों महिलाओं को धुएँ से मुक्ति और स्वच्छ ईंधन की सुविधा दी। यूपीआई ने डिजिटल भुगतान को आम भारतीय के दैनिक जीवन का हिस्सा बना दिया। जीएसटी ने 'एक देश, एक कर, एक बाजार' की दिशा में कर व्यवस्था को एकीकृत किया। आयुष्मान भारत ने गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा का व्यापक आधार तैयार किया।

जल जीवन मिशन ने ग्रामीण घरों तक नल से जल पहुंचाने की दिशा में अभूतपूर्व विस्तार किया। पीएम – किसान योजना के माध्यम से किसानों को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता पहुंचाई गई। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ व लखपति दीदी अभियान ने बच्चियों और महिलाओं को शिक्षा से आगे बढ़ाकर स्थायी आय और उद्यमिता से जोड़ने का प्रयास किया। भारत की सौर क्रांति ने स्वच्छ ऊर्जा और नवीकरणीय ऊर्जा को नई गति दी।

पीएम स्वनिधि ने रेहड़ी–पटरी वालों को औपचारिक वित्तीय व्यवस्था से जोड़कर आत्मनिर्भर बनने का अवसर दिया। पीएम गति शक्ति ने सड़क, रेल, बंदरगाह और हवाई अड्डों जैसी बुनियादी परियोजनाओं को एकीकृत दृष्टि से आगे बढ़ाया। स्वामित्व योजना ने ड्रोन और तकनीक के माध्यम से ग्रामीण संपत्तियों के स्वामित्व को अधिक व्यवस्थित बनाने की दिशा में काम किया। खेल और खेलो इंडिया ने गांवों और स्कूलों से प्रतिभाओं को आगे लाने तथा भारत को खेल शक्ति बनाने की दिशा में नई ऊर्जा दी।

लेकिन इन उपलब्धियों की सबसे बड़ी विशेषता केवल आंकड़े नहीं हैं। असली उपलब्धि है लोगों का बदलता विश्वास कि सरकार की योजनाएँ उनके जीवन को छू सकती हैं और वे स्वयं भी देश की विकास यात्रा के सहभागी बन सकते हैं। आज सेवा का अर्थ केवल किसी जरूरतमंद की मदद करना नहीं रह गया है। सेवा का अर्थ है किसी बच्चे को शिक्षा के लिए प्रेरित करना, किसी किसान को नई तकनीक की जानकारी देना, किसी महिला को आत्मनिर्भर बनने का अवसर देना, स्वच्छता को अपनी आदत बनाना और अपने आसपास के समाज को बेहतर बनाने में योगदान देना।

यही कारण है कि सेवा संकल्प अभियान को केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि एक जनभावना के रूप में देखना चाहिए। 25 वर्षों की यात्रा हमें बताती है कि जब शासन की नीयत, जनभागीदारी और सेवा का संकल्प एक साथ आते हैं, तो परिवर्तन केवल कागजों पर नहीं होता वह घर, गाँव, खेत, स्कूल और समाज के जीवन में दिखाई देता है। आज जब भारत विकसित भारत 2047 के संकल्प की ओर बढ़ रहा है, तब इन 25 वर्षों की यात्रा से सबसे बड़ा संदेश यही निकलता है कि सेवा केवल एक दिन का संकल्प नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली जिम्मेदारी है। और जब हर नागरिक अपने हिस्से की सेवा का संकल्प लेता है, तभी जन सेवा वास्तव में देश सेवा बनती है।

–डॉ. मनीषा सिंह,
प्रदेश प्रवक्ता, भाजपा,
राजस्थान

नरेन्द्र भाई दामोदरदास मोदी - पं. दीनदयाल उपाध्याय के विरासत के सच्चे उत्तराधिकारी

बाचाराम बघेल

एकात्म मानववाद और अंत्योदय के प्रतिपादक पं. दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयन्ती पर गत 25 सितम्बर को देशभर में आम और खास ने उनको सादर श्रद्धांजलि दी और उनके जीवन और आदर्शों से प्रेरित होने का संकल्प लिया। उनकी विचारधारा को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने जीवन में पूर्णतया अंगीकृत किया और करोड़ों लोगों के जीवन में क्रांतिकारी परिवर्तन लाए। उपाध्याय जी के दर्शन का केन्द्र व्यक्ति, समाज और राष्ट्र के हितों का संतुलन है। व्यक्ति राष्ट्र और समाज के लिए समर्पित रहे और उसकी आवश्यकताओं का ध्यान समाज और राष्ट्र रखे विशेषकर कमजोर वर्ग के व्यक्ति का समग्र विकास पूरे समाज और राष्ट्र का ध्येय है। उन्होंने समाज के अंतिम व्यक्ति की जरूरतों को पूरा करने के महत्व पर जोर दिया, जो अंत्योदय की अवधारणा में समाहित है, जिसका उद्देश्य सबसे अधिक हाशिए पर पड़े व्यक्तियों का उत्थान करना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शासन मॉडल मुख्य रूप से पंडित दीनदयाल उपाध्याय के दर्शन पर आधारित है, विशेषकर उनके अंत्योदय और एकात्म मानव दर्शन के सिद्धांतों पर। पीएम मोदी ने उपाध्याय जी के विचारों को एक आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था (स्वदेशी) और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों से जुड़े एक समावेशी, विकेंद्रीकृत शासन के निर्माण के रूप में देखा है और उसी के हिसाब से नीतियां बनाई, शासन पद्धति को दिशा दी। आज के वैश्विक दौर में जब पूरी दुनिया आर्थिक क्षेत्र में संरक्षणवादी नीतियां अपना रही है, एआई के कारण विकसित देशों में बड़ी संख्या में कामगारों पर छंटनी का खतरा मंडरा रहा है, प्रधानमंत्री मोदी का मेक इन इन्डिया, वोकल फॉर लोकल, आत्मनिर्भर भारत जैसे कदम इसी अन्तिम व्यक्ति के आर्थिक और सामाजिक हितों की रक्षा के लिए घरेलू और छोटे उद्यमों को आत्मनिर्भर बनाने की गारंटी है। मोदी सरकार ने अपने प्रमुख कल्याणकारी कार्यक्रमों को इसी दृष्टिकोण के साथ लागू किया है, जिससे पिरामिड के सबसे निचले स्तर की सेवा के वैचारिक ढांचे को वास्तविक सरकारी योजनाओं में बदला जा सके।

प्रधानमंत्री मोदी इस बात पर जोर देते हैं कि सबसे वंचित और गरीब व्यक्तियों का विकास ही राष्ट्र–निर्माण की वास्तविक नींव है।

उन्होंने निरंतर सेवा को मूल मानते हुए "चरैवेति, चरैवेति, चरैवेति" (आगे बढ़ते रहो) का आव्हान कर देश के विकास को निरंतर प्रयास, नवाचार और समर्पित लोक सेवा से जोड़ा है। प्रधानमंत्री ने श्रमेव जयते के दर्शन के तहत लक्षित सामाजिक–आर्थिक सहायता के माध्यम से श्रम योगी (मजदूर) को राष्ट्र योगी (राष्ट्र–निर्माता) में बदला है। घरेलू विनिर्माण और रक्षा क्षमताओं को मजबूत करके आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दी जिससे भारत पश्चिमी मानदंडों के बजाय स्थानीय मानकों की ओर बढ़ रहा है। इस दृष्टिकोण के तहत मोदी सरकार ने कई ऐसी योजनाएं शुरू की हैं जो सीधे तौर पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर हैं या मौलिक रूप से उनके अंत्योदय सिद्धांतों से प्रेरित हैं। इनमें दीनदयाल अंत्योदय योजना सतत आजीविका के अवसरों के माध्यम से गरीबी उन्मूलन पर केंद्रित हैं। दीनदयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना ग्रामीण भारत में कृषि और गैर–कृषि फीडरों को अलग करके निरंतर बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बनाई गई जिससे करोड़ो किसानों, छोटे व्यापारियों, विद्यार्थियों और आम ग्रामीणों के जीवन में बड़ा परिवर्तन आया है। दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्या योजना ग्रामीण युवाओं के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया एक प्लेसमेंट–लिंक्ड कौशल विकास कार्यक्रम है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय श्रमेव जयते कार्यक्रम में श्रमिक कल्याण और स्व–प्रमाणन सुधारों को सुनिश्चित करते हुए औद्योगिक विकास के लिए एक पारदर्शी और डिजिटल इकोसिस्टम बनाया गया है। इसके अतिरिक्त मोदी सरकार ने डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर का उपयोग यह सुनिश्चित करने के लिए किया है कि योजना का लाभ बिना किसी बिचौलिए के सीधे समाज के सबसे निचले स्तर तक पहुंचे।

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना अन्तोदय से सीधी जुड़ी हुई है। इसके अन्तर्गत बुनियादी पोषण सुरक्षा को पूरा करते हुए 80 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को मुफ्त खाद्यान्न प्रदान किया जा रहा है। प्रधानमंत्री जन–धन योजना के माध्यम से बिना बैंक खाते वाले गरीब नागरिकों को औपचारिक बैंकिंग प्रणाली से जोड़कर वित्तीय समावेशन सुनिश्चित किया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना में सभी के लिए आवास पर ध्यान केंद्रित कर सुनिश्चित किया गया कि बेघर लोगों को पक्के और सुरक्षित घर मिलें।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में गरीबी रेखा से नीचे जीवन जी रहे परिवारों की महिलाओं को स्वास्थ्य और स्वच्छ ऊर्जा को प्राथमिकता देते हुए मुफ्त एलपीजी कनेक्शन दिया जा रहा है। आयुष्मान भारत दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है जो गरीब परिवारों को मुफ्त माध्यमिक और तृतीयक अस्पताल देखभाल प्रदान करती है। पीएम किसान सम्मान निधि छोटे और सीमांत किसानों के बैंक खातों में सीधे हस्तांतरित की जाने वाली नकद आय सहायता योजना है जिससे अन्नदाता की आर्थिक स्थिति सुधरी है, खेती लाभ का सौदा बन गई है।

–बाचाराम बघेल,
पूर्व जिला परिषद सदस्य
भाजपा धौलपुर

प्रदेशभर में 7744 अपराधी पुलिस के हत्थे चढ़े

गिरफ्तार बदमाशों में हिस्ट्रीशीटर, मादक पदार्थ तस्कर, हत्या-लूट व डकैती जैसे अपराधी शामिल

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। वांछित अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ राजस्थान पुलिस ने प्रदेशभर में एक दिन का विशेष एरिया डोमिनेशन अभियान चलाया। महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा के निर्देश पर चलाए गए अभियान में 2961 पुलिस टीमों के 12151 अधिकारियों और जवानों ने 17,049 चिह्नित ठिकानों पर दबिश दी। कार्रवाई में कुल 7744 अपराधियों और असामाजिक तत्वों को गिरफ्तार किया गया।

महानिदेशक पुलिस राजीव कुमार शर्मा ने बताया कि इस अभियान में 55 इनामी अपराधी तथा 354 हार्डकोर अपराधी, सक्रिय हिस्ट्रीशीटर और मादक

■ राजस्थान पुलिस ने 17 हजार ठिकानों पर दबिश दी

पदार्थ तस्कर पकड़े गए। हत्या, हत्या के प्रयास, लूट और डकैती जैसे गंभीर मामलों में वांछित 95 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आर्म्स एक्ट व एनडीपीएस एक्ट के मामलों में 141 और आबकारी अधिनियम के तहत 173 आरोपियों को पकड़ा गया।

पुलिस ने 922 स्थायी वारंटी, उद्घोषित अपराधी और बीएनएसएस की धारा 335 के तहत वांछित आरोपियों को भी गिरफ्तार किया। फायरिंग और हथियार संबंधी मामलों में चालान किए गए 164 सक्रिय अपराधियों को भी दबोचा गया। अभियान में 787 नए प्रकरण दर्ज किए गए। सामान्य मामलों में 677 वांछितों को पकड़ा गया, जबकि बीएनएसएस के तहत निरोधात्मक कार्रवाई में 3,283 और अन्य मामलों में 1,756 व्यक्तियों के खिलाफ कार्रवाई हुई।

वांछित अपराधियों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ राजस्थान पुलिस ने प्रदेशभर में एक दिन का विशेष एरिया डोमिनेशन अभियान चलाया।

टोंक में सबसे अधिक गिरफ्तारियां

जिलेवार कार्रवाई में टोंक में 97 टीमों ने 363 स्थानों पर दबिश देकर सर्वाधिक 407 अपराधियों को गिरफ्तार किया। उदयपुर में 115 टीमों ने 932 ठिकानों पर कार्रवाई कर 354, भीलवाड़ा में 133 टीमों ने 305 स्थानों पर दबिश देकर 330 और अजमेर में 122 टीमों ने 598 ठिकानों पर कार्रवाई कर 280 आरोपियों को पकड़ा। डीग में 291, धौलपुर में 246, हनुमानगढ़ में 241, चूरू में 233, पाली में 226, अलवर में 207, बीकानेर में 204 तथा झालावाड़ में 194 गिरफ्तारियां हुईं। झालावाड़ में 70 हार्डकोर व हिस्ट्रीशीटर पकड़े गए।

जयपुर-जोधपुर में भी व्यापक कार्रवाई

जयपुर पुलिस आयुक्तालय और ग्रामीण क्षेत्र में भी बड़े स्तर पर कार्रवाई हुई। जयपुर पश्चिम की 51 टीमों ने 332 ठिकानों पर दबिश देकर 27 हार्डकोर और 30 स्थायी वारंटियों सहित 215 आरोपियों को गिरफ्तार किया। जयपुर उत्तर की 41 टीमों ने 196 स्थानों पर कार्रवाई कर 178, जयपुर पूर्व की 60 टीमों ने 354 स्थानों पर दबिश देकर 173 तथा जयपुर दक्षिण की 48 टीमों ने 299 ठिकानों पर कार्रवाई कर 142 अपराधियों को पकड़ा। जयपुर ग्रामीण की 61 टीमों ने 430 स्थानों पर दबिश देकर 101 आरोपियों को गिरफ्तार किया।जोधपुर पूर्व की 48 टीमों ने 426 ठिकानों पर कार्रवाई कर 10 हार्डकोर और 58 स्थायी वारंटियों सहित 178 आरोपियों को गिरफ्तार किया। जोधपुर पश्चिम में 40 और जोधपुर ग्रामीण में 67 आरोपी पकड़े गए। ग्रामीण पुलिस ने 216 स्थानों पर दबिश देकर 11 इनामी और 23 स्थायी वारंटियों को गिरफ्तार किया। जीआरपी अजमेर ने 18 और जीआरपी जोधपुर ने 40 असामाजिक तत्वों को पकड़ा।

डीसीपी करण शर्मा ने सुनीं शिकायतें

जयपुर। आमजन की शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए पुलिस प्रशासन ने जनसुनवाई की व्यवस्था को और प्रभावी बनाने की पहल की है। इसी क्रम में बुधवार को पुलिस उपायुक्त उत्तर करण शर्मा की अध्यक्षता में कोतवाली थाने में जनसुनवाई आयोजित की गई।

जनसुनवाई में डीसीपी करण शर्मा ने परिवादियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने संबंधित मामलों की जानकारी लेते हुए कई शिकायतों का मौके पर ही त्वरित निस्तारण कराया। अधिकारियों को परिवादियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए नियमानुसार और समयबद्ध कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर द्वितीय, सहायक पुलिस आयुक्त कोतवाली और कोतवाली थानाधिकारी सहित संबंधित पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।डीसीपी उत्तर करण शर्मा ने बताया कि आमजन को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उच्च अधिकारियों तक पहुंचने में परेशानी नहीं हो और स्थानीय स्तर पर पुलिस अधिकारियों से सीधे संवाद हो सके, इसके लिए यह पहल शुरू की गई है। जयपुर उत्तर जिले के सभी अधीनस्थ थानों में प्रत्येक बुधवार को जनसुनवाई आयोजित की जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के तहत होने वाली इन जनसुनवाइयों में आमजन की शिकायतें सीधे सुनी जाएंगी और उनका प्राथमिकता के आधार पर त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा।

युवक से डेढ़ रु. लाख की साइबर ठगी, मामला दर्ज

शेयर बाजार में मुनाफे का स्क्रीनशॉट दिखाकर झांसे में लिया

जयपुर। खोह नागोरियान इलाके में शेयर बाजार में निवेश कर मोटा मुनाफा कमाने का झांसा देकर युवक से 1 लाख 47 हजार 498 रुपए की साइबर ठगी का मामला सामने आया है।

आरोपियों ने इंस्टाग्राम के जरिए पीड़ित से संपर्क किया और पहले 10 हजार रुपए निवेश करवाए। इसके बाद 99 हजार 328 रुपए के कथित मुनाफे का स्क्रीनशॉट भेजकर उसे भरोसे में लिया। रकम निकालने के नाम पर अलग-अलग शुल्क बताकर ठग लगातार रुपए ट्रांसफर करवाते रहे।

पुलिस के अनुसार करोल घाटी, इंदिरा गांधी नगर सेक्टर-3, खातीपुरा निवासी रामजी लाल महावर (43) ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि उसकी इंस्टाग्राम के जरिए आरोपियों से बातचीत हुई थी।

आरोपियों ने शेयर बाजार में निवेश करने पर अच्छा मुनाफा मिलने का झांसा दिया। उनके कहने पर पीड़ित ने बताए गए यूपीआई आईडी पर 10 हजार रुपए ट्रांसफर कर दिए।

कुछ समय बाद आरोपियों ने पीड़ित को 99,328 रुपए मुनाफे का स्क्रीनशॉट भेजा। जब पीड़ित ने मुनाफे की रकम निकालने का प्रयास किया तो आरोपियों ने निकासी शुल्क, बैंक टैक्स, डिस्काउंट, जीएसटी सहित अलग-अलग चार्ज के नाम पर रकम मांगनी शुरू कर दी।

मुनाफे की रकम मिलने की उम्मीद में पीड़ित आरोपियों के बताए खातों और यूपीआई पर लगातार रुपए ट्रांसफर करता रहा। इस तरह आरोपियों ने उससे कुल 1,47,498 रुपए ऐंठ लिए। इसके बाद पीड़ित को ठगी का अहसास हुआ और उसने खोह नागोरियान थाने में मामला दर्ज कराया।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आरोपियों द्वारा इस्तेमाल किए गए इंस्टाग्राम अकाउंट, मोबाइल नंबर और यूपीआई लेन-देन की जानकारी जुटा रही है।

घुमन्तु छात्रावास का वार्षिकोत्सव 11 को

जयपुर। घुमन्तु जाति उत्थान न्यास द्वारा संचालित श्री बाबा रामदेव घुमन्तु छात्रावास का तृतीय वार्षिकोत्सव 11 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे से सी-स्कीम स्थित श्री महावीर दिगंबर जैन स्कूल सभागार में होगा। अखिल भारतीय घुमन्तु कार्य प्रमुख दुर्गादास मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित करेंगे। आयोजन से जुड़े आलोक बालाहेड़ी ने बताया कि समारोह की अध्यक्षता श्री अग्रवाल समाज समिति, जयपुर के अध्यक्ष ओ.पी. अग्रवाल करेंगे। मुख्य अतिथि जयपुर शहर लोकसभा सांसद मंजू शर्मा रहेंगी। विशिष्ट अतिथियों में नगर निगम जयपुर के महापौर सुनील कोठारी तथा प्रमुख उद्योगपति एवं समाजसेवी राजेन्द्र कूलवाल होंगे। समारोह के संरक्षक कुंजबिहारी कोयले वाले, अध्यक्ष सतीश खुराना और महामंत्री राकेश खण्डेलवाल आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं।

ऋतुराज लोहार की मौत के दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग उठाई

खाचरियावास ने चेतावनी दी है कि "मृतक के परिवार को न्याय नहीं मिला तो सड़कों पर उतरेंगे"

जयपुर। पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने मुहाना थाने में 19 वर्षीय ऋतुराज लोहार की कथित अवैध हिरासत, मारपीट और इसके बाद हुई मौत के मामले को गंभीर बताते हुए राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच कराने तथा दोषी पुलिसकर्मियों और अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

खाचरियावास ने आरोप लगाया कि 22 सितंबर को ऋतुराज के साथ मुहाना थाने में गंभीर मारपीट की गई, जिससे उसके सिर में चोट आई। हालत बिगड़ने पर उसे पहले दो निजी अस्पतालों में ले जाया गया और बाद में एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले को छिपाने के लिए सांप के डसने की कहानी भी सामने लाई गई। उनके अनुसार ऋतुराज को 10 एंटीवेनम इंजेक्शन लगाए गए और करीब 96 हजार रुपए का बिल भी भरा गया।

खाचरियावास ने कहा कि 22 सितंबर की घटना के बाद 5 अक्टूबर को ऋतुराज की मौत हो गई। उन्होंने सवाल उठाया कि घटना के बाद इतने दिनों तक मामले की वास्तविकता सामने क्यों नहीं आई और पुलिस प्रशासन ने कथित तौर पर सच्चाई छिपाने का प्रयास क्यों किया।

पूर्व मंत्री ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा पर भी निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय सरकार पुलिस और थाने का बचाव कर रही है। उन्होंने कहा कि यदि मामले में दोषी पुलिसकर्मियों या अधिकारियों की भूमिका सामने आती है तो उनके खिलाफ तत्काल कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

खाचरियावास ने मुख्यमंत्री से मामले की पूरी सच्चाई जनता के सामने लाने और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच होने तक कांग्रेस इस मुद्दे को उठाती रहेगी।उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऋतुराज लोहार और उसके परिवार को न्याय नहीं मिला तो कांग्रेस कार्यकर्ता सड़क पर उतरकर आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि परिवार को न्याय मिलने तक कांग्रेस हर स्तर पर संघर्ष करेगी और दोषियों को बचाने का कोई भी प्रयास स्वीकार नहीं किया जाएगा।

श्री महावीर जी पदयात्रा 14 अक्टूबर को होगी रवाना

जयपुर। तपस्वी सम्राट राष्ट्र संत आचार्य सुंदर सागर महाराज की शिष्या आर्यिका विष्णुमति माताजी के सानिध्य में कमला नेहरू नगर स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ जयपुर की आगामी जयपुर से श्री महावीरजी पदयात्रा 2026 के पोस्टर का विमोचन किया गया।पदयात्रा के संयोजक महेश चंद जैन, सह-संयोजक सौभाग मल जैन, नरेंद्र शाह और सुरेंद्र हल्दनिया ने माताजी से आशीर्वाद प्राप्त कर पोस्टर का विमोचन करवाया। इस अवसर पर कमला नेहरू नगर चातुर्मास कमेटी द्वारा पदयात्रा संघ के पदाधिकारियों का साफा, तिलक व माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया तथा अधिक से अधिक पदयात्रियों को जोड़ने का आश्वासन दिया।

गौशालाओं की समस्याओं को लेकर जयपुर में हुंकार रैली 9 अक्टूबर को

जयपुर। राजस्थान गौ सेवा समिति के बैनर तले प्रदेश की गौशालाओं की आर्थिक-प्रशासनिक समस्याओं और गोवंश संरक्षण को लेकर 9 अक्टूबर को राजधानी जयपुर में टोंक रोड स्थित श्री पिंजरापोल गौशाला में विशाल गौ अधिकार हुंकार रैली का आयोजन किया जाएगा। आयोजन की तैयारियां जोरों पर हैं और बुधवार को रैली स्थल पर विधिवत भूमि पूजन संपन्न हुआ।

राजस्थान गौ सेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष महंत गोविंदराम शास्त्री और प्रदेश महामंत्री सी.ए. बी.पी. क्याल ने बताया कि संत समाज के मार्गदर्शन में आयोजित इस रैली में प्रदेशभर की प्रमुख गौशालाओं के करीब 50 हजार प्रतिनिधि, गोपालक, संत-महात्मा और गोभक्त जुटेंगे।

बी.पी. क्याल और महंत गोविन्दराम शास्त्री ने बताया कि समिति की प्रमुख मांग गौशालाओं को मिलने वाली सहायता राशि को वर्तमान नौ माह से बढ़ाकर पूरे 12 माह करने की है। चारे की बढ़ती कीमतों के कारण गौशालाओं पर आर्थिक भार बढ़ गया है। साथ ही सहायता राशि के समय पर भुगतान की मांग भी रखी गई है, ताकि गौशालाएं समय पर स्थानीय स्तर पर चारा खरीद सकें। उन्होंने कहा कि 46 गौशालाओं से संबंधित अंकेक्षण में जारी रिकवरी आदेशों को समाप्त करने, अकाल प्रभावित क्षेत्रों में पशु शिविर और चारा डिपो शुरू करने तथा पात्र गौशालाओं को भूमि आवंटित करने की मांग भी रैली में उठाई जाएगी।

प्रदेश की गोचर भूमि का सीमांकन कर अतिक्रमण मुक्त कराने, संरक्षण के लिए तारबंदी और ट्रेंच खुदाई कराने तथा घास-चारा उत्पादन, वृक्षारोपण और जल संरक्षण की दीर्घकालीन योजना को भी सरकार के समक्ष रखा जाएगा। रैली को प्रदेशभर की गौशालाओं की सामूहिक आवाज के रूप में आयोजित करने का प्रयास किया जा रहा है। समिति के पदाधिकारियों की अलग-अलग टोलियों ने बुधवार को विभिन्न जिलों में गौशालाओं में बैठक की।गौशालाओं की समस्याओं को लेकर समिति की ओर से पहले गोपालन विभाग के अधिकारियों और गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत से भेंट कर ज्ञापन जा चुके हैं। मुख्यमंत्री से भी समस्याओं के समाधान का आग्रह किया गया था। इसके बाद 15 सितंबर को अतिरिक्त मुख्य सचिव अखिल अरोड़ा को भी ज्ञापन सौंपा गया। इसके बावजूद समस्याओं के समाधान की दिशा में अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने के कारण अब 'गौ अधिकार हुंकार रैली' आयोजित करने का निर्णय लिया गया है।

श्री जगदीश महाराज की पदयात्रा 26 को

जयपुर। श्री जगदीश महाराज की 13वीं पदयात्रा 26 अक्टूबर को ग्राम तीतरिया स्थित लक्ष्मण जी का बाग तेजाजी मंदिर से गोनेर धाम के लिए रवाना होगी। जगदीश महाराज पदयात्रा समिति, ग्राम तीतरिया के तत्वावधान में आयोजित पदयात्रा सुबह 7.15 बजे ध्वज पूजन के बाद रवाना होगी। मीडिया प्रभारी रामू लाल बागड़ा ने बताया कि पदयात्रा तीतरिया से शिवदासपुरा रिंग रोड होते हुए शाम को गोनेर धाम पहुंचेगी। पदयात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। गोनेर पहुंचने के बाद 26 अक्टूबर की रात च्यवन ऋषि गार्डन, सांख रोड, गोनेर में रात्रि विश्राम और सत्संग-जागरण का होगा। अगले दिन 27 अक्टूबर को सुबह 9.15 बजे ध्वज पूजन के बाद ध्वज चढ़ाया जाएगा।

विहिप प्रतिनिधिमंडल ने डीजीपी को ज्ञापन सौंपा

जयपुर (कासं)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के प्रांत प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस महानिदेशक (कानून-व्यवस्था) संजय अग्रवाल से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के जरिए आगामी त्योहारों पर शांति व सौहार्द बनाए रखने और व्यापारियों के हितों की रक्षा को लेकर प्रमुख मांगें रखी गईं।

विहिप ने मांग की है कि हिंदुओं के प्रमुख त्योहारों के दौरान पुलिस प्रशासन यह सुनिश्चित करे कि असामाजिक तत्व और इन पर्वों में आस्था न रखने वाले समूह किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति पैदा न करें। विशेष रूप से गरबा पांडालों में सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता की जाए और ऐसे तत्वों को पांडालों से पर्याप्त दूरी पर रखा जाए।

विहिप के प्रांत अध्यक्ष सुभद्र पापडीवाल ने बताया कि स्थानीय जिला एवं पुलिस प्रशासन का सहयोग करने के लिए सभी जिला इकाइयों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस महानिदेशक के समक्ष एक और

■ गरबा पांडालों की सुरक्षा और दिवाली पर देर रात तक व्यापार की मांग

प्रमुख मांग रखते हुए कहा कि दीपावली जैसे बड़े त्योहारों से कम से कम एक सप्ताह पहले छोटे फुटकर विक्रेताओं और व्यापारियों को देर रात तक दुकान व व्यापार संचालित करने की अनुमति दी जाए।

विहिप नेताओं ने तर्क दिया कि छोटे व्यापारी अपने जीवन-यापन के लिए साल भर ऐसे त्योहारों का इंतजार करते हैं। इस विषय पर पुलिस महानिदेशक ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए आश्वासन दिया कि जल्द ही सभी थानों को इस संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए जाएंगे। इस प्रतिनिधिमंडल में विहिप के प्रांत उपाध्यक्ष अनिल गोठवाल, मंत्री राधेश्याम गौतम, बजरंग दल के प्रांत संयोजक परमवीर सिंह चौहान, सह संयोजक सुमित खंडेलवाल और प्रांत प्रचार-प्रसार संयोजक गजेंद्र सिंह उपस्थित रहे।

पंचायत चुनावों में कांग्रेस के शीर्ष नेता करेंगे प्रचार और जनसभाएं

प्रत्याशी चयन व संगठन को मजबूत करने पर प्रदेश मुख्यालय में मंथन

जयपुर (कासं)। राजस्थान में आगामी पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव को लेकर कांग्रेस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के वार रूम में प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और एआईसीसी राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा की अगुवाई में कैंपेन कमेटी की बैठक हुई। इसमें चुनाव प्रचार, प्रत्याशी चयन और संगठन को सक्रिय करने सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर रणनीति तैयार की गई।

बैठक में कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट, एआईसीसी सहप्रभारी चिरंजीव राव, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, ऋत्विक मकवाना, पूनम पासवान और नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली सहित कैंपेन कमेटी के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बताया कि बैठक में पार्टी प्रत्याशियों की जीत के लिए प्रचार अभियान को व्यापक स्तर पर संचालित करने पर जोर दिया गया। तय किया गया कि कांग्रेस के शीर्ष नेता अपने प्रभार वाले जिलों में प्रचार करने के साथ जिला कांग्रेस कमेटियों के आग्रह पर अन्य जिलों में भी जनसभाएं करेंगे। नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच बेहतर समन्वय के जरिए पंचायत चुनाव में पार्टी को मजबूत करने की रणनीति बनाई गई।

■ कैंपेन कमेटी की बैठक में बनी पंचायत चुनाव की वृहद रणनीति

जिला स्तर पर बनेगी पॉलिटिकल अफेयर कमेटी

कैंपेन कमेटी की बैठक के बाद पीसीसी मुख्यालय में प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा की अध्यक्षता में जिला प्रभारियों, सह-प्रभारियों और जिलाध्यक्षों की संयुक्त बैठक हुई। डोटासरा ने सभी जिलों में जिला पॉलिटिकल अफेयर कमेटी गठित करने के निर्देश दिए।

कमेटी में जिले के वर्तमान और पूर्व विधायक, सांसद, विधानसभा चुनाव के प्रत्याशी, पंचायत राज के जनप्रतिनिधि, अग्रिम संगठनों और विभागों के पदाधिकारी शामिल किए जाएंगे। इन कमेटियों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर संभावित प्रत्याशियों के बारे में राय लेकर पारदर्शिता के साथ चयन प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाएगी। बैठक में नेताओं ने पंचायत समितियों और जिला परिषदों में जीत के लिए संगठन को एकजुट होकर चुनाव मैदान में उतरने की जरूरत बताई। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने हाल के निकाय चुनावों में पुलिस प्रशासन का दुरुपयोग किया और लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ काम किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इसका राजनीतिक और लोकतांत्रिक तरीके से मुकाबला करेगी।

ग्रामीण विकास के मुद्दे उठाएगी कांग्रेस

एआईसीसी राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि भाजपा सरकार के पास अपनी उपलब्धियों के नाम पर जनता को बताने के लिए बहुत कुछ नहीं है। इसके विपरीत पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार की ओर से ग्रामीण क्षेत्रों के विकास तथा दलितों, पिछड़ों, महिलाओं और युवाओं के लिए लागू की गई योजनाओं और कार्यों को लेकर पार्टी जनता के बीच जाएगी।

बैठक में यह भी कहा गया कि राहुल गांधी की ओर से लोकतंत्र और मताधिकार के मुद्दे पर चलाए जा रहे अभियान को आगे बढ़ाते हुए कांग्रेस पंचायत राज संस्थाओं के चुनाव में पूरी ताकत के साथ मैदान में उतरेगी।

तकनीक के जमाने में चिट्ठियों की दुनिया पीछे छूट गई....

"आज मैं अकेला और खाली हूं...। कभी मेरे भीतर चिट्ठियों का अंबार लगा रहता था। मुझे देखने और मेरे पास आने वालों की भीड़ रहती थी। किसी के लिए मैं अपनों का संदेश लेकर आता था तो किसी के लिए इंतजार, उम्मीद और भावनाओं का जरिया था। परंतु मोबाइल की दुनिया ने सब बदल दिया। संदेश अब पलों में पहुंच जाते हैं और चिट्ठियों का इंतजार खत्म हो गया है।" अगर "लेटर बॉक्स" अपनी बात कह पाता तो शायद यही उसके शब्द होते। ज्ञात रहे कि विश्व डाक दिवस 9 अक्टूबर को और भारत में राष्ट्रीय डाक दिवस 10 अक्टूबर को मनाया जाता है। कभी लोगों के संदेशों से भरा रहने वाला यह लेटर बॉक्स आज अंदर ही नहीं, बाहर से भी खाली है...। समय बदला, तकनीक बदली और चिट्ठियों की दुनिया जैसे कहीं पीछे छूट गई।

सायला में तस्करों ने पुलिस पर फायरिंग की, कार से 319 किलो डोडा-पोस्त बरामद

रात के अंधेरे का फायदा उठाकर तस्कर मौके से फरार हो गए, छह फर्जी नंबर प्लेटें जब्त की

- पुलिस को एक गली में एक सफेद रंग की क्रेटा कार संदिग्ध अवस्था में खड़ी मिली तथा पास में खड़े युवक गाड़ी को निकालने का प्रयास कर रहे थे, उसी समय पुलिस जाब्ते को देखते ही उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी
- मौके से फरार हुए बदमाशों की पहचान के प्रयासों के दौरान एक युवक की पहचान भूराराम पुत्र भोमाराम जाट निवासी वीर तेजा गैराज, सायला के रूप में हुई है

सायला, (निसं)। आगामी पंचायतीराज संस्थाओं के आम चुनाव-2026 के मद्देनजर जिले में मादक पदार्थों की तस्करी और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सायला पुलिस बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने रात्रि गश्त व नाकाबंदी के दौरान एक क्रेटा कार से 319.850 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद कर वाहन और छह फर्जी नंबर प्लेटें जब्त की हैं। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने पुलिस जाब्ते को देखते ही पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी और रात के अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए।

पुलिस के अनुसार बुधवार प्रातः मिली सूचना के आधार पर सायला कस्बा स्थित सनसाईन होटल के पास वाली गली में एक सफेद रंग की क्रेटा कार संदिग्ध अवस्था में खड़ी मिली तथा पास में खड़े युवक गाड़ी को निकालने का प्रयास कर रहे थे। उसी समय पुलिस जाब्ते को देखते ही उन्होंने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी और रात के अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। पुलिस टीम द्वारा कार की तलाशी लेने पर उसमें 18 प्लास्टिक के कट्टे बरामद हुए। कट्टों को खोलकर जांच करने पर उनमें कुल 319.850 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त पाया गया। इसके अलावा गाड़ी से 6 फर्जी नंबर प्लेटें भी बरामद की गईं। पुलिस ने अवैध डोडा-पोस्त, क्रेटा कार और फर्जी नंबर प्लेटों को जब्त किया।

मौके से फरार हुए बदमाशों की पहचान के प्रयासों के दौरान एक युवक की पहचान भूराराम पुत्र भोमाराम जाट निवासी वीर तेजा गैराज, सायला के रूप में हुई है। पुलिस ने फरार अभियुक्तों के खिलाफ दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की अग्रिम जांच थानाधिकारी सुरेंद्र सिंह द्वारा की जा रही है।

सुरेन्द्रसिंह, सीआई थाना सायला का कहना है कि सायला में गश्त के दौरान तस्कर पुलिस पर फायरिंग कर फरार हो गए। लेकिन एक संदिग्ध क्रेटा कार से 18 प्लास्टिक कट्टो में 319.850 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद कर तस्करी मे प्रयुक्त कार एवं 6 फर्जी नम्बर प्लेटें जब्त की है। एक तस्कर की पहचान की गई है।

45 किलो डोडा-चूरा बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। मंडाना पुलिस एवं डीएसटी टीम ने नाकाबंदी के दौरान संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए एक कार में तलाशी के दौरान अवैध मादक पदार्थ 45.110 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद किया। टीम ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि मंडाना थानाधिकारी सुमेर सिंह एवं डीएसटी टीम के थानाधिकारी सुरेन्द्र राणा ने मय जाप्ता एन एच-52 गोपालपुरा टोल प्लाजा के पास संयुक्त रूप से नाकबांदी कर वाहनों की चैकिंग की। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस नाकाबंदी के दौरान एक कार आती हुई दिखाई दी, मौके पर मौजूद पुलिस टीम ने कार चालक को रूकने का इशारा किया, जिस पर कार चालक नाकाबंदी तोड़ कर कार को भगाकर ले जाने लगा और उस कार के पीछे एक ओर कार चालक कार को तेज गति से ले गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि मौके पर मौजूद पुलिस टीम ने दोनों कारों का पीछा किया और फाटाखेड़ा पुलिया के नीचे दोनों कारों को रूकवाया गया। टीम ने मौके पर दोनों कारों के चालकों से पूछताछ की कोई संतोषप्रद जबाव नहीं मिलने पर दोनों चालकों को डिटेन कर दोनों कारों की तलाशी ली गई, तलाशी के दौरान एक कार से अवैध मादक पदार्थ 45.110 किलोग्राम डोडा-चूरा बरामद किया एवं दूसरी कार आगे चल रही कार को एस्कोर्ट करना पाया गया। पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए रेवन्त सिंह व राजाराम पाटीदार को गिरफ्तार किया, पकड़े गये दोनों आरोपियो से अनुसंधान जारी है।

सड़क हादसे में पटवारी की मौत, गाड़ी छोड़कर ड्राइवर फरार हुआ

- गिरदावरी और आगजनी की रिपोर्ट लेने जाते समय हादसा हुआ
- पीछे से आई स्कॉर्पियो ने पटवारी की बाइक को टक्कर मार दी थी

गंगापुर सिटी, (निसं)। मंगलवार शाम एक सड़क हादसे में बाइक सवार पटवारी सत्यनारायण गुप्ता (50) की मौत हो गई। चौकी पेट्रोल पंप के पास पीछे से आई स्कॉर्पियो ने पटवारी की बाइक को टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल सत्यनारायण ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद स्कॉर्पियो ड्राइवर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया।

सत्यनारायण गुप्ता मिर्जापुर के रहने वाले थे और अमरगढ़ पंचायत क्षेत्र में हल्का पटवारी थे। वे ड्यूटी पर गिरदावरी का काम कर रहे थे और अमरगढ़ में आगजनी की रिपोर्ट लेने जा रहे थे।

भाई दीपक ने बताया कि शाम 4 बजे उन्होंने आगजनी की रिपोर्ट लेने अमरगढ़ जाने की बात कही थी। सूचना पर एम्बुलेंस से उन्हें गंगापुर सिटी सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सदर थाना प्रभारी सुशीला मीणा अस्पताल पहुंचीं और शव मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने स्कॉर्पियो जब्त कर ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है। बुधवार सुबह परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम किया गया। सत्यनारायण ने 1998 में पटवारी के रूप में सेवा शुरू की थी। उनके परिवार में 15 साल की बेटी और 10 साल का बेटा है।

पत्नी से विवाद के बाद रात में पति ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

- मृतक के भाई की तरफ से उसकी पत्नी, सास आदि के खिलाफ मामला दर्ज कराया गया है

जोधपुर, (कासं)। शहर के सूरसागर स्थित माता का कुण्ड, चांदपोल क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी से विवाद के बाद आधी रात को फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। सुबह घर में जाग होने पर घटना का पता लगा। उसे फंदे से उतार कर अस्पताल ले जाया गया, मगर डॉक्टर ने उसे मृत बता दिया। घटना को लेकर मृतक के भाई की तरफ से उसकी पत्नी, सास आदि के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज कराया है।

सूरसागर थानाधिकारी हरीशचंद्र सोलंकी ने बताया कि माता का कुण्ड चांदपोल में किराए पर रहने वाले 40 साल के रमेश सैन पुत्र मोहनलाल सैन ने अपने किराए के कमरे में 5-6 अक्टूबर की रात में रस्सी से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। उसका अपनी पत्नी से विवाद हुआ था। वह आधी रात को नींद से उठा और दूसरे कमरे में जाकर फंदा लगा लिया। छह की सुबह जब घर में जाग हुई तब इसका पता लगा। थानाधिकारी सोलंकी ने बताया कि मृतक के भाई विष्णु की तरफ से उसके ससुराल वालों के खिलाफ केस दर्ज कराया गया है।

बाइक सवार तीन युवकों से एमडी ड्रग व शराब बरामद

जोधपुर, (कासं)। कमिश्नरेट पुलिस की तरफ से मादक पदार्थ तस्करी की रोकथाम के लिए कार्रवाई जारी है। इसी कड़ी में कमिश्नरेट के मथानिया, बासनी और बोरानाडा थाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए बाइक सवार तीन युवकों को पकड़ा गया। इनके पास में एमडी ड्रग के साथ अवैध देशी अंग्रेजी शराब और बीयर बरामद की गई। वहीं एक होटल में अवैध रूप से डोडा-पोस्त भी पकड़ा गया। चार लोगों के खिलाफ मादक पदार्थ के केस दर्ज किए गए।

मथानिया थानाधिकारी तुलसी चौधरी ने राम कुटिया मथानिया क्षेत्र में होटल मां भवानी भोजनालय में दबिश देकर वहां से 484 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद किया। आरोपी शेरगढ़ के देवराजगढ़ स्थित हिम्मत नगर हाल गुरों का तालाब कन्हैया कॉलोनी प्रतापनगर निवासी रमेश सिंह पुत्र हुकमीचंद को एनडीपीएस एक्ट में गिरफ्तार किया। वहीं बोरानाडा थाने के हैड कांस्टेबल शैतानराम ने राधा रानी गौशाला भांडूकलां रोड पर एक बाइक सवार को रूकवा कर तलाशी ली।

गाड़ी पर भारी मात्रा में देशी, अंग्रेजी शराब के साथ बीयर केन मिले। इस पर पुलिस ने आरोपी बाइक सवार बड़लिया झंवर निवासी जितेंद्र पुत्र भाकरराम को आबकारी अधिनियम में गिरफ्तार कर केस दर्ज किया। इधर बासनी थानाधिकारी नितिन दवे ने गश्त में विवेक विहार रेलवे क्रॉसिंग- छीपों की प्याउ के मध्य में बाइक सवार दो संदिग्ध युवकों को रूकवा कर तलाशी ली। उनके पास में 11.70 ग्राम एमडी ड्रग मिली। इस पर पुलिस ने आरोपी विश्नोयों का बास खुडाला झंवर निवासी रामजीवन पुत्र हड़मानराम एवं अखिलेश्वर नगर कुड़ी सेक्टर दो निवासी सूरजसिंह पुत्र भगत सिंह को गिरफ्तार किया। सूरज सिंह बाइक के पीछे बैठा था। दोनों से अब अग्रिम पूछताछ की जा रही है।

उदयपुर में मेडिकल शॉप में आग लगी

उदयपुर, (कास)। उदयपुर शहर में मंगलवार रात गोवर्धन विलास थाना इलाके में राजस्थान हॉस्पिटल के पास स्थित मेडिकल शॉप में आग लग गई। कुछ मिनटों में ही आग की लपटें पूरी दुकान में फैल गई। करीब 20 मिनट तक आग धधकती रही, जिसमें करीब 8 लाख रुपए की दवाइयां जल गई। आग की लपटों को देखकर आस-पास रहने वाले लोग भी डर गए और घरों से बाहर आ गए। आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

जानकारी के अनुसार सेक्टर 14 में लक्ष्मीलाल गुर्जर पुत्र नारायण लाल गुर्जर की श्सोनल केमिस्ट एंड ड्रगिस्टश् नाम की शॉप है जिसमें आग लगी। लक्ष्मीलाल ने बताया कि देर रात करीब एक बजे दुकान के पास स्थित घरों के लोग बाहर घूम रहे थे। उन्होंने आग देखकर सूचना दी थी।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बुधवार को चित्तौड़गढ़ के आक्या गांव पहुंचे तथा विधायक चन्द्रभान सिंह के पिता रामसिंह चौहान के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने स्व. रामसिंह चौहान के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने विधायक एवं समस्त परिजनों से मुलाकात कर ढाढ़स बंधाया। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिजनों को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। इस दौरान सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक सहित विधायक एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

ऑनलाइन धमकी देकर ठगी की

जोधपुर, (कासं)। शहर के रातानाडा स्थित महावीर कॉलोनी निवासी जुगल किशोर ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी का शिकार हो गया। पीड़ित ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि अज्ञात व्यक्ति ने उसे ऑनलाइन डराने-धमकाने तथा नुकसान पहुंचाने की धमकी देकर 1 लाख 11 हजार रुपए की ठगी कर ली। घटना में अब शास्त्रीनगर पुलिस जांच कर रही है। रातानाडा स्थित महावीर कॉलोनी निवासी जुगल किशोर ने मामला दर्ज कराया। इसमें बताया कि वह सेक्टर 7 की तरफ आया हुआ था। तब उसके साथ ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी हुई है। परिवादी के अनुसार आरोपी ने ऑनलाइन माध्यम से उसे डर और भय का माहौल बनाकर पैसे देने के लिए मजबूर किया। इसके बाद उससे 1.11 लाख रुपए की ठगी की गई। मामले में जांच अब एएसआई शकील की तरफ से की जा रही है।

जोधपुर में कचरा संग्रहण कंपनी के कर्मचारियों से मारपीट का आरोप

- कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि ने सूरसागर थाने में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की

जोधपुर, (कासं)। सूरसागर थाना क्षेत्र में घर-घर कचरा संग्रहण का कार्य कर रही निजी कंपनी के कर्मचारियों के साथ मारपीट और धमकी देने का मामला सामने आया है। कंपनी के अधिकृत प्रतिनिधि तनिष्क उपाध्याय ने सूरसागर थाने में लोकेश हंस और मुकेश हंस के खिलाफ शिकायत देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत के अनुसार कंपनी को नगर निगम जोधपुर की ओर से 19 जून 2026 को जारी कार्यादेश के तहत शहर में घर-घर कचरा संग्रहण का कार्य दिया गया है। कंपनी द्वारा नियमित रूप से कचरा संग्रहण वाहन भेजकर सेवाएं दी जा रही हैं। शिकायत में बताया गया कि पहले लोकेश हंस की ओर से कंपनी को चालक और सहायक उपलब्ध करवाए जाते थे, जिसका भुगतान कंपनी द्वारा किया जाता था। आरोप है कि गत 11 अगस्त को लोकेश हंस ने बिना पूर्व सूचना फलोदी जिले में संचालित कंपनी के कचरा संग्रहण वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया था। इस संबंध में फलोदी थाने में चोरी का मामला दर्ज करवाया गया था। बाद में पुलिस ने उक्त वाहनों को तिंवरी क्षेत्र से बरामद किया था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इस घटना के बाद से लोकेश हंस कंपनी से रंजिश रखने लगा और कर्मचारियों को लगातार धमकाने लगा।

शिकायत के अनुसार 3 अक्टूबर की सुबह करीब पौने आठ बजे सूरसागर थाने के पीछे बड़ा रामद्वारा के सामने स्थित कंपनी के कार्यस्थल पर लोकेश हंस कथित रूप से बिना अनुमति प्रवेश कर गया। आरोप है कि उसने कंपनी के कर्मचारी अनिल कुमार के साथ लोहे के सरिये से मारपीट की। हमले में अनिल के सिर, बाएं कान और हाथ में गंभीर चोटें आई। घायल कर्मचारी को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि करीब 8 बजकर 20 मिनट पर लोकेश हंस के पिता मुकेश हंस कंपनी के परिसर में पहुंचे और अपने पद का प्रभाव दिखाते हुए कर्मचारी पवन कुमार के साथ लात-घूंसों और थप्पड़ों से मारपीट की। साथ ही पुलिस में शिकायत करने पर कार्रवाई की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है।

कंपनी प्रतिनिधि ने पुलिस को दी शिकायत के साथ घटना के सीसीटीवी फुटेज, चोटों के फोटो, फोन पर हुई बातचीत की रिकॉर्डिंग, फलोदी थाने में दर्ज मामले की प्रति तथा नगर निगम आयुक्त को दिए गए प्रतिवेदन भी उपलब्ध करवाए हैं। शिकायतकर्ता ने दोनों आरोपियों के खिलाफ कार्यस्थल में अनधिकृत प्रवेश, मारपीट, गंभीर चोट पहुंचाने और कर्मचारियों को धमकाने के आरोप में मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

हत्या के पांच दोषियों को आजीवन कारावास

- कोर्ट ने प्रत्येक को 35 हजार के अर्थदंड से दंडित किया

कोटा, (निसं)। युवक की हत्या के 7 साल से अधिक पुराने मामले में महिला उत्पीडन क्रम-1 न्यायालय ने पकड़े गये पांच आरोपी बहादुर मीणा, आशीष गुप्ता, दिलीप मेरोठ, पंकज शर्मा एवं मनीष कुमार को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई। साथ ही प्रत्येक को 35 हजार के अर्थ दंड से दंडित किया।

सहायक निदेशक अभियोजन बलराम मीणा ने बताया कि 13 अप्रैल 2019 को फरियादी नईम मोहम्मद ने गुमानपुरा थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि 12 अप्रैल 2019 की रात्रि 10 बजे करीब दोस्त इमरान के साथ एरोड्रम से चाय पीकर बाईक से घर की ओर जाते समय रास्ते में डीसीएम रोड स्थित पेट्रोल पम्प पर बाईक मे पेट्रोल भरवा रहे थे, तभी दो मोटरसाइकिल पर 5-6 जने आये और उनको मोटरसाइकिल हटाने को कहा, जिस पर उन लोगों से कहासुनी हो गई। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि कहासुनी होने पर बाईक सवार युवकों में से एक युवक ने लोहे के पाइप से उसके दोस्त इमरान पर हमला कर दिया एवं अन्य ने भी दोनों से मारपीट की। हमले में उसका दोस्त इमरान गंभीर रूप से घायल हो गया जिसकी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर मामले में अनुसंधान किया। पुलिस टीम ने इमरान की हत्या के मामले में केशवपुरा निवासी बहादुर मीणा, महावीर नगर तृतीय निवासी आशीष गुप्ता, बोरखेड़ा के देवाशिष सिटी निवासी दिलीप मेरोठा, लाजपत नगर निवासी मनीष कुमार, जयहिन्द नगर निवासी पंकज शर्मा एवं बोरखेड़ा निवासी दीपक दुबे के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई की। मामले में चली सुनवाई के दौरान एक आरोपी दीपक दुबे फरार है। पुलिस ने मामले मे अनुसंधान के बाद आरोपियों के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया, मामले में 25 गवाहों के बयान दर्ज कराये गये।

पुष्कर में बंदरों ने बच्ची को घायल किया

पुष्कर, (निसं)। पुष्कर के गणपति नगर क्षेत्र में लाल मुंह वाले बंदरों द्वारा एक छोटी बच्ची को घायल करने का मामला सामने आया है। स्थानीय निवासी हार्दिक पाराशर के अनुसार बंदरों ने बच्ची को शरीर पर कई जगह नोच लिया, जिससे वह घायल हो गई। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में लाल मुंह वाले बंदरों की संख्या अधिक होने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लोगों के अनुसार आईडीएसएमटी कॉलोनी में भी एक बच्ची को लाल मुंह वाले बंदर द्वारा काटकर घायल किए जाने की जानकारी सामने आई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुष्कर क्षेत्र में बड़ी संख्या में लाल मुंह वाले बंदर मौजूद हैं।

कार्यालय जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

क्रमांक :- जो.वि.प्रा./पश्चिम बी/2026-27/राजकाज 24852865 दिनांक :- 05/10/2026

ई-बिड सूचना संख्या:- जोन पश्चिम बी/04/2026-27

जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर की ओर से प्राधिकरण एंव राजकीय विभाग मे नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी मे पंजीकृत ठेकेदारो से सिविल कार्यो हेतु मुहरबंद बिड आमंत्रित की जाती है। इन कार्यों की अनुमानित लागत, बिड बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, बिड शर्ते आदि का सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.joda.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : JOD2627WSOB00372, JOD2627WSOB00373

NIB Code : JOD2627A0200

अधिशाषी अभियंता (पश्चिम बी) जोधपुर विकास प्राधिकरण, जोधपुर

राज.संवाद/सी/26/11425

कार्यालय सदस्य सचिव, जिला स्वास्थ्य समिति, बीकानेर

क्रमांकः- एनआरएचएम/बिड/लेखा/2026/12-02 दिनांक :- 29/9/26

ई-निविदा सूचना संख्या / 02/2026-27

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय बीकानेर में लेब रीएजेंट्स एवं मेडिसिन हेतु एक वर्ष एवं कॉटन गॉज बैंडेज की व्यवस्था करने हेतु दो वर्ष के लिए दर संविदा हेतु ई-निविदा प्रक्रिया से दिनांक 15.10.26 समय सांय 4.00 बजे तक प्रदायकर्ता से निविदा आंमत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत, टेण्डर शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण राजकीय वेबसाईट http:sppp.raj.nic.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

4. Cotton & Bandages E Tender NIB No :- MHS2627A2972
UBN No:- MHS2627GLRC04033
5. Essential Drugs E Tender NIB No: MHS2627A2972
UBN No:- MHS2627GLRC04032
6. Lab reagents E Tender NIB No: MHS2627A2972
UBN No:- MHS2627GLRC04030

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं सदस्य सचिव, जिला स्वास्थ्य समिति, बीकानेर

DIPR/C/17103/2026

कार्यालय नगरपरिषद, करौली (राज0)

फोन न0 07464-294024 ई-मेल आईडी np.karauli@yahoo.com

क्रमांक : 3691 दिनांक : 01.10.2026

ई-निविदा सूचना

सर्वसाधारण एवं उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों को सूचित किया जाता हैं कि नगरपरिषद करौली मय डिफेक्ट लाईबिलिटी पीरियड (कार्य दोष निवारण अवधि)के शहर करौली निम्न विकाय कार्य कराना चाहती हैं, जिस हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई टैण्डरिंग के माध्यमसे ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विवरण व शर्ते www.eproc.rajasthan.gov.in & www.sppp.raj.gov.in पर देखा जा सकता हैं।

कुल निविदा कार्य 02	Installation of Closed Combustion Cremation Furnace In Mokshdham of Nagar Parishad Area.	SITC of Street Light and Brecket in Nagar Parishad Karauli.
निविदा की लागत	8.54 लाख	49.78 लाख
धरोहर राशि	प्रत्येक कार्य हेतु लागत का 2 प्रतिशत	
निविदा शुल्क	1000/- रूपये	1000/- रूपये
निविदा प्रोसेसिंग शुल्क	500/-रूपये	500/-रूपये
ऑनलाईन निविदा फॉर्म मिलने /डाउनलोड की तारीख	दिनांक 05.10.2026 5:00 पीएम से 15.10.2026 समय 6:00पीएम0 तक	
ऑनलाईन निविदा फॉर्म व निविदा/धरोहर/प्रोसेसिंग शुल्क जमा कराने की अन्तिम तिथि	15.10.2026 समय 6:00 पीएम0 तक	
ऑनलाईन बिड खोलने की तारीख	16.10.2026 समय 03.00 पीएम0 पर	
निविदा प्रपत्र व शर्ते डाउनलोडिंग बेबसाईट	www.eproc.rajasthan.gov.in	
कार्य दोष निवारण (डिफेक्ट लाईबिलीटी पीरियड)	01 वर्ष	03 वर्ष
कार्य की समयावधि	01 माह	03 माह
UBN. -	DLB2627WSRC21098	DLB2627WSRC21099

सभापति नगरपरिषद, करौली

आयुक्त नगरपरिषद, करौली

राज.संवाद/सी/26/11453

भींडर : स्कूल हादसे के बाद नारदा गांव के बीच स्थित पेड़ के नीचे पढ़ रहे हैं बच्चे

- भीण्डर के नारदा गांव में स्कूल में छत का प्लास्टर गिरने से तीन बच्चे घायल हो गये थे
- शिक्षा विभाग के संयुक्त निर्देशक ने गांव में पहुंचकर स्कूल भवन का निरीक्षण किया

भीण्डर के नारदा गांव में स्कूल भवन सील होने के बाद मन्दिर के चबुतरे पर संचालित होता स्कूल।

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर उपखण्ड क्षेत्र के वाणियातलाई पंचायत के नारदा गांव के राजकीय प्राथमिक विद्यालय भवन के एक कमरे की छत का प्लास्टर गिरने से तीन बच्चे घायल हो गये थे। अब इन बच्चों के लिए स्कूल की कक्षा चारदीवारी वाले भवन में नहीं, बल्कि गांव के बीच स्थित बरगद के पेड़ के नीचे बने माताजी के देवालय में लग रही है। घटना के बाद ग्रामीणों ने बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए जर्जर स्कूल भवन को कांटे डालकर बंद कर दिया, ताकि कोई बच्चा गलती से भी उस भवन के भीतर नहीं जा सके। वहीं स्कूल का निरीक्षण करने के लिए उदयपुर संभाग संयुक्त निदेशक शिक्षा विभाग विरेन्द्र सिंह यादव, भीण्डर उपखण्ड अधिकारी अभिलाषा चौधरी, तहसीलदार सतीश पाटीदार सहित विभिन्न विभागों के जिम्मेदार अधिकारी मौके पर पहुंचे।

घटना के अगले दिन जब स्कूल की तस्वीर सामने आई तो बच्चों की मजबूरी साफ दिखाई दी। गांव के बीच बरगद के पेड़ के नीचे माताजी के देवालय में बच्चे एक साथ बैठकर पढ़ रहे हैं। ग्रामीणों ने बच्चों के बैठने के लिए तिरपाल की व्यवस्था की है। बच्चे पढ़ाई तो कर रहे हैं, लेकिन कल की घटना का डर उनके चेहरों से साफ दिखाई देता है। जैसे ही कोई उनसे हादसे के बारे में बात करता है, वे सहम जाते हैं। उनके मन में अब भी वही डर है कि जिस छत के नीचे वे रोज बैठते थे, वह अचानक गिर गई थी।

हादसे में घायल हुए बच्चों में से एक ओमप्रकाश उपचार के बाद उसके सिर पर पट्टी बंधी हुई है। इसके बावजूद वह आज अपने साथियों के साथ स्कूल पहुंच गया और उनके बीच बैठकर पढ़ाई करने लगा। परिजनों के मुताबिक, हादसे के बाद वह पूरी रात ठीक से सो नहीं पाया। जैसे ही आंखें बंद करता, उसे छत का प्लास्टर गिरने का दृश्य याद आने लगता और वह सहमकर उठ जाता है। एक मासूम बच्चे के मन में बैठा यह डर बताता है कि स्कूल भवन की जर्जर हालत ने केवल उसके शरीर को ही चोट नहीं पहुंचाई, बल्कि उसके मन पर भी गहरी चोट छोड़ी है।

अब बच्चों की पढ़ाई खुले में हो रही है। पीने के पानी के लिए उन्हें पास स्थित हैंडपंप तक जाना पड़ रहा है। बाथरूम की सुविधा नहीं होने से बच्चों को इधर-उधर खेतों का सहारा लेना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने तत्काल व्यवस्था करते हुए तिरपाल तक उपलब्ध करवाया है।

शिक्षा विभाग के संयुक्त निर्देशक विरेन्द्र सिंह यादव गांव में पहुंच करके स्कूल भवन का निरीक्षण किया। इसके बाद जिस जगह विद्यालय संचालित हो रहा था वहां पर बच्चों से मुलाकात की। वहीं घटना में घायल हुए बच्चों के घर पर जाकर बच्चों व उनके परिजनों से मिलकर घटना की जानकारी ली और किसी भी प्रकार की सहायता के लिए आश्वस्त किया। वहीं विद्यालय सुरक्षित स्थान में संचालित करने के लिए चर्चा की गई।

असामाजिक तत्वों ने युवक पर हमला किया

गंगापुर सिटी, (निसं)। शहर में असामाजिक तत्वों ने युवक पर हमला कर घयल कर दिया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां सर्जरी के दौरान 26 टांके हाथ में आए।

समाजसेवी राहुल गोयल ने बताया कि कल रात 9.30 बजे पैदल अपने घर जा रहे स्थानीय निवासी चीनू पटवा पर बाइक सवार दो अज्ञात असामाजिक तत्वों ने धारदार हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में चीनू पटवा के हाथ में गहरी चोट आई है, जिन्हें तुरंत सी पी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां सर्जरी के दौरान 26 टांके हाथ में आए। सूचना पर वे मौके पर पहुंचे ओर घायल चीनू पटवा एवं उनके परिजनों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना और शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। उन्होंने परिवार को न्याय का पूर्ण भरोसा दिलाया। राहुल गोयल ने इस घटना पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए कहा कि शहर के बीचों-बीच इस प्रकार की वारदात होना कानून व्यवस्था पर बड़ा सवाल है। इस घटना को लेकर बुधवार को पटवा बाजार के सभी दुकानदार कोतवाली थाने पहुंचे ओर थानाधिकारी करण सिंह को ज्ञापन सौंपकर उन्होंने गंगापुर सिटी पुलिस प्रशासन से मांग की है कि अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जाए।

अक्षयपात्र मंदिर के पास बैंक डकैती की साजिश रचने वाला गिरफ्तार

आरोपी के कब्जे से चार लाख रु. और देसी पिस्तौल बरामद की पुलिस ने

जयपुर (कासं)। रामनगरिया थाना क्षेत्र में 14 सितंबर को अक्षय पात्र मंदिर के पास बैंक ऑफ इंडिया के एटीएम कर्मियों से हुई 42 लाख रुपए की लूट के मामले में पुलिस ने मुख्य सूत्रधार मस्तराम मीणा उर्फ मस्ती (28) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से लूट की रकम में से 4 लाख रुपए, वारदात में इस्तेमाल देसी पिस्तौल, दो मैगजीन और छह जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार मामले में अब तक आरोपियों से कुल 38 लाख रुपए बरामद किए जा चुके हैं।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि 14 सितंबर को दो मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने हथियार की नोक पर एटीएम में कैश डालने के लिए ले जाए जा रहे करीब 42 लाख रुपए से भरा बैग लूट लिया था। इस मामले की जांच के लिए थानाधिकारी अनिल कुमार टेलर के नेतृत्व में विशेष टीमें गठित की गईं।

जांच में सामने आया कि एटीएम में नकदी डालने का समय निश्चित नहीं था। बदमाशों ने कई दिनों तक रेकी की और तीन दिन की छुट्टियों के बाद एटीएम में अधिक नकदी आने की संभावना का फायदा उठाकर वारदात को अंजाम दिया।

आरोपी मस्तराम मीणा

इस वारदात के बाद मास्टरमाइंड मस्तराम मीणा उर्फ मस्ती गिरफ्तारी से बचने के लिए कोटा और कोयंबटूर में फरारी काट रहा था। तकनीकी जांच और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने उसे जयपुर के इंदिरा गांधी नगर से पकड़ा। पूछताछ में पुलिस अवैध हथियार के स्त्रोत और लूट की शेष रकम के संबंध में जानकारी जुटा रही है। इस मामले में पुलिस अब तक चार आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है।

- **इस बदमाश ने गत 14 सितंबर को एटीएमकर्मियों से 42 लाख रुपए लूटे थे, हालांकि पुलिस अब तक 38 लाख रु. की रिकवरी कर चुकी है।**

इनमें अंशु कुमार जाटव (22), निवासी लालपुर, नदबई, भरतपुर, को 16 सितंबर को; सुमित जंगम (26) और पुर्ष्पेंद्र (28), दोनों निवासी चैनपुर, मासलपुर, करौली और हाल निवासी प्रताप नगर जयपुर को 23 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। चौथे आरोपी मस्तराम मीणा उर्फ मस्ती बुधवार को गिरफ्तार किया गया।

13 पैक्ड खाद्य उत्पादों की बिक्री पर 2 माह का प्रतिबंध

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में चल रहे 'शुद्ध आहार-मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण विभाग ने मिलावटी एवं असुरक्षित खाद्य पदार्थों के विरुद्ध कार्रवाई की है। प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़, आयुक्त खाद्य सुरक्षा अविचल चतुर्वेदी के निर्देशन तथा अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह के पर्यवेक्षण में लिए गए नमूनों की जांच में 13 पैक्ड खाद्य उत्पाद असुरक्षित पाए गए। इनके प्रदेश में वितरण, बिक्री एवं प्रदर्शन पर दो माह का प्रतिबंध लगाया गया है।

प्रतिबंधित उत्पादों में मनुबन, सर्वशुभ, दृष्टि, श्री पार्श्व, भोग विनायक, श्री पार्वती अमोल और यशवी सरस ब्रांड के घी, नंदी ब्रांड हल्दी पाउडर, चना दाल, काजू, सनफीस्ट आटा नूडल्स, हनुमान मल्टी सोर्स एडिबल ऑयल तथा डायरेक्टर पान मसाला शामिल हैं। इनमें राजस्थान के अलावा हरियाणा, पंजाब और अन्य राज्यों के निर्माताओं के उत्पाद भी शामिल हैं। लूज खाद्य पदार्थों के नमूने असुरक्षित मिलने पर दौसा, धौलपुर, भरतपुर, अलवर, जयपुर, टोंक और अजमेर के कुल 19 खाद्य प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित किए गए। इनमें मिल्क केक, पनीर, कलाकंद, मावा मिठाई, बर्फ़ी, इस्तेमाल किया हुआ रिफाइंड तेल, लाल मिर्च पाउडर, टोमेटो ग्रेवी, ग्रेवी, नमकीन, काली मिर्च और घी के नमूने शामिल हैं।

- **खाद्य सुरक्षा विभाग ने 19 खाद्य प्रतिष्ठानों के लाइसेंस भी निलंबित किए**

जयपुर में मैसर्स जीवा फूड्स, 8 महावीर मार्ग, बी स्कीम; मैसर्स महेश्वरी ब्लेंड इंडस्ट्रीज़, जयपुर इंडस्ट्रियल एरिया; मैसर्स प्रतीक पेट प्राइवेट लिमिटेड, भवानी निकेतन के सामने, सीकर रोड; मैसर्स श्री नाथ सब्जी वाला, महारानी फार्महाउस तथा मैसर्स पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, सीतापुरा के नमूने असुरक्षित पाए गए।

विभाग ने बताया कि संबंधित कारोबारियों को पुनः जांच के लिए अपील का अवसर दिया गया है। रेफरल प्रयोगशाला की रिपोर्ट भी असुरक्षित आने या निर्धारित अवधि में अपील नहीं करने पर संबंधित खाद्य पदार्थों को वापस लेने की कार्रवाई की जाएगी।

सार-समाचार

मंडी सचिव नरेश यादव का अभिनंदन किया

जयपुर । महात्मा ज्योतिबा फुले टर्मिनल मार्केट फल-सब्जी मुहाना मंडी के नवनियुक्त मंडी सचिव नरेश यादव के कार्यभार संभालने पर फल, सब्जी, आलू-प्याज महासंघ के व्यापारियों ने मंडी समिति कार्यालय में उनका स्वागत-अभिनंदन किया। जयपुर फल थोक विक्रेता संघ के अध्यक्ष कैलाश फाटक ने साफा पहनाकर अभिनंदन किया और मंडी के विकास को आगे बढ़ाने में सहयोग का भरोसा दिलाया। मुहाना आलू आढ़तिया संघ के अध्यक्ष मदन शर्मा ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। जयपुर फल व सब्जी थोक विक्रेता संघ के अध्यक्ष योगेश तंवर ने प्रतीक चिह्न भेंट कर अभिनंदन किया और कहा कि नए मंडी सचिव के कार्यकाल में मंडी का चहुंमुखी विकास होगा तथा यह एशिया की सबसे बड़ी मंडी बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगी। समारोह में सतनारायण सैनी, बद्री शर्मा, राजेश नारंग, गोविन्द चेलानी, दयानंद नेभनानी, सतीश रावत, पप्पू कुरैशी, फईमुद्दीन कुरैशी, कान्हा केटीसी, सतीश भीलवाड़ा, इमरान कुरैशी, इन्दर सैनी, संजय तारानगर, सुरेन्द्र कन्हैया कन्हैयालाल सहित कई व्यापारी मौजूद रहे। मंडी सचिव नरेश यादव ने व्यापारियों का आभार जताते हुए प्रत्येक माह एक दिन मंडी परिसर में सामूहिक स्वच्छता अभियान चलाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि वे स्वयं अपनी टीम के साथ अभियान में शामिल होंगे। उन्होंने व्यापारियों से समस्याएं लिखित में देने को कहा और उनके स्तर पर संभव समस्याओं का समाधान कराने का भरोसा दिलाया। योगेश तंवर ने कहा कि पूर्व मंडी सचिव मोहनलाल जाट का कार्यकाल सभी वर्गों के लिए संतोषजनक रहा। उम्मीद है कि नरेश यादव भी सभी वर्गों को साथ लेकर मंडी के विकास को गति देंगे।

ठेकेदारों ने मुख्य अभियंता को सौंपा ज्ञापन

जयपुर । सार्वजनिक निर्माण विभाग के नगर खंड प्रथम में कार्यरत अधिशासी अभियंता जय प्रकाश यादव के व्यवहार को लेकर बुधवार को विभाग में दिनभर चर्चा रही। कर्मचारियों, ठेकेदारों और विभाग से जुड़े लोगों ने मुख्य अभियंता मुकेश भाटी से मुलाकात कर अधिकारी के व्यवहार को लेकर आपत्ति दर्ज कराई। ठेकेदारों की ओर से मुख्य अभियंता को ज्ञापन भी दिया गया। अजय पाल, राजमोहन राजेश, रमेश, बी ओ चावला, शहाबुद्दीन सहित दो दर्जन से अधिक ठेकेदारों ने बुधवार को मुख्य अभियंता से मिल कर अपना पक्ष रखा। मुख्य अभियंता ने फोन पर यादव से बातचीत की और आगे से शिकायत नहीं आने के लिए पाबंद किया। ज्ञापन में यादव पर अभद्र भाषा के इस्तेमाल, कर्मचारियों और ठेकेदारों के साथ अनुचित व्यवहार तथा विभागीय सहयोगियों के साथ विवाद की शिकायतें की गई हैं। चालक संघ और कुछ सहायक अभियंताओं से जुड़े विवादों का भी उल्लेख किया गया है। बताया जा रहा है कि पिछले दिनों यादव के साथ अभद्र भाषा के इस्तेमाल के बाद मारपीट की घटना भी सामने आई थी। कुछ ठेकेदारों का आरोप है कि बातचीत के दौरान उनके साथ असम्मानजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया। वहीं, कुछ शिकायतकर्ताओं ने दावा किया कि अधिकारी ने उच्च अधिकारियों, अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता और उपमुख्यमंत्री से निकटता का हवाला देते हुए कार्रवाई की चिंता नहीं होने जैसी बातें कहीं। शिकायतकर्ताओं ने विभागीय अधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और आरोप सही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की है।

फोटोजर्नलिज्म पर चर्चा 8 अक्टूबर को

जयपुर । देश -दुनिया में फोटोजर्नलिज्म में हो रहे तकनीकी बदलावों, नवाचारों और नए आयामों समेत विभिन्न पहलुओं पर गहन चर्चा के लिए 13वें जयपुर फोटोजर्नलिज्म सेमिनार में कई नामी विषय विशेषज्ञ शामिल होंगे। यह कार्यक्रम ईमैजिन फोटो जर्नलिस्ट सोसायटी की ओर से 8 अक्टूबर को प्रातः 9:30 बजे यहां राजस्थान इंटरेनशनल सेन्टर में होगा। सोसायटी की डायरेक्टर लीला दिवाकर ने बताया कि एक दिवसीय 13वें जयपुर फोटोजर्नलिज्म सेमिनार में राजस्थान समेत विभिन्न राज्यों के विषय विशेषज्ञ विचार साझा करेंगे। नामी स्पीकर्स में टाइम्स नेटवर्क की सीनियर जर्नलिस्ट रामा सोलंकी, दैनिक भास्कर के स्टेट एडिटर मुकेश माथुर, पदमाज गुरप के सीईओ धरम कुलरिया, सेंटर फोर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के डायरेक्टर अंशुमान शास्त्री, इंडिया टुडे के उपसंपादक रोहित परिहार, लंबियाहिर विलेज की सरपंच नीरू यादव, थिएटर आर्टिस्ट व ऑथर अयोध्या प्रसाद गौड़, वीणा म्यूजिक के डायरेक्टर हेमजीत मालू, इंटरनेशनल फोटो जर्नलिस्ट पुरुषोत्तम दिवाकर शामिल होंगे।

मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया

जयपुर। मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के तहत गौतम हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, सिविल लाइंस, शिल्प सृजन संस्थान एवं मेंटल हेल्थ फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। 6 अक्टूबर को झालाना कच्ची बस्ती में बच्चों एवं महिलाओं को मानसिक स्वास्थ्य, नशे के दुष्प्रभाव और समय पर उपचार के प्रति जागरूक किया गया। वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. अनिता गौतम ने मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के लक्षण, समय पर पहचान, बचाव और उपचार की जानकारी दी। अमेठी यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने नशे के दुष्प्रभाव और मानसिक स्वास्थ्य पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया तथा बच्चों को नाश्ता वितरित किया गया। बुधवार को को गौतम हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में विद्यार्थियों के लिए भाषण प्रतियोगिता हुई। इसमें मानसिक स्वास्थ्य, मनोरोग चिकित्सा, मानसिक रोगियों के प्रति संवेदनशीलता, उपचार प्रक्रिया और परिवार की भूमिका जैसे विषयों पर विद्यार्थियों ने विचार रखे। डॉ. मेधावी दीक्षित एवं डॉ. अनिता गौतम निर्णायक रहे। इस अवसर पर डॉ. शिव गौतम, डॉ. मनस्वी गौतम सहित अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। डॉ. शिव गौतम ने कहा कि मानसिक बीमारी को कलंक मानने की भ्रांति दूर करना जरूरी है। मानसिक रोग का उपचार संभव है और परिवार का सहयोग व संवेदनशील व्यवहार उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। आयोजकों ने कहा कि अभियान का उद्देश्य वंचित वर्गों तक मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता पहुंचाने और नशे के विरुद्ध सकारात्मक वातावरण तैयार करना है।

पर्यटकों से दुर्व्यवहार करने वाला दबोचा

जयपुर । देशी-विदेशी पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर पर्यटक थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पर्यटकों से दुर्व्यवहार के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस को बुधवार को पर्यटकों के साथ दुर्व्यवहार की सूचना मिली थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल टीम गठित कर आरोपी की तलाश शुरू की। पुलिस उपायुक्त उत्तर करण शर्मा ने बताया कि टीम ने क्षेत्र के ऑटो चालकों, राहगीरों और स्थानीय दुकानदारों से जानकारी जुटाई। इसके आधार पर आरोपी की पहचान कल्लन कुरैशी (41) निवासी शास्त्री नगर जयपुर उत्तर के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी को दस्तयाब कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया।

उपभोक्ता मामलात विभाग की शिवानी मेडिप्रो पर कार्रवाई

जयपुर । उपभोक्ता मामले मंत्री सुमित गोदारा के निर्देश पर मेडिकल एवं हेल्थकेयर उत्पादों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विधिक मापविज्ञान प्रकोष्ठ का विशेष निरीक्षण अभियान जारी है। जयपुर स्थित शिवानी मेडिप्रो प्रा. लि. के निरीक्षण में 200 ग्राम घोषित एब्जॉर्बेंट कॉटन वूल के पैकेट में औसतन केवल 186.32 ग्राम मात्रा मिली। यानी प्रत्येक पैकेट में 13.68 ग्राम (6.84 प्रतिशत) कमी पाई गई। पैकेट का एमआरपी 230 था, जिसके आधार पर कम मात्रा का उत्पाद मूल्य करीब 15.73 प्रति पैकेट बैठता है।

कार्रवाई के दौरान 1000 पैकेट यानी कुल 200 किलोग्राम घोषित वजन का एब्जॉर्बेंट कॉटन वूल जब्त किया गया। निरीक्षण में पैकेजिंग पर विधिक मापविज्ञान नियमों के तहत आवश्यक घोषणाओं में भी अनियमितताएं मिलीं। विभाग ने 65 हजार रुपए का जुर्माना लगाया, सुधार सूचना जारी की और कमियां दूर होने तक संबंधित उत्पाद की

बिक्री पर रोक के निर्देश दिए। विभागीय दल ने टीएनएक्स सर्जिकल प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर की भी जांच की, जहां मेडिकल उत्पाद विधिक मापविज्ञान प्रावधानों के अनुरूप पाए गए। विभाग ने बताया कि पूरे प्रदेश में 103 प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई कर 4.61 लाख का जुर्माना लगाया गया है। मेडिकल एवं हेल्थकेयर उत्पादों में घोषित और वास्तविक मात्रा, एमआरपी, अनिवार्य घोषणाओं व निर्माता-पैकर की जांच जारी रहेगी।

बकाया गृहकर पर 50 प्रतिशत तक छूट, शास्ति पूरी माफ

जयपुर । राज्य सरकार ने सेवा सेतु अभियान-2026 के तहत बकाया गृहकर एवं नगरीय विकास कर जमा कराने वाले करदाताओं को बड़ी राहत दी है। अभियान के दौरान बकाया गृहकर की पूरी राशि एकमुश्त जमा कराने पर मूल गृहकर में 50 प्रतिशत तक की छूट और शास्ति में 100 प्रतिशत छूट दी जाएगी। वहीं वर्ष 2025-26 तक के बकाया नगरीय विकास कर पर ब्याज एवं शास्ति पूरी तरह माफ होगी।

स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक एवं विशिष्ट सचिव प्रतीक जुईकर द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह छूट आवासीय, व्यावसायिक, भूखंडों एवं भवनों से संबंधित बकाया गृहकर पर लागू होगी। इससे लंबे समय से लंबित करों का एकमुश्त निस्तारण कर नागरिक आर्थिक राहत प्राप्त कर सकेंगे। 7 से 16 अक्टूबर तक अभियान के दौरान प्रदेश के नगरीय निकायों में नागरिकों को बकाया कर एवं देय राशि की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी तथा एकमुश्त भुगतान के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

एमएसएमई को समय पर वित्तीय सहायता के लिए एम1एक्सचेंज और आरएक्सआईएल से एमओयू

जयपुर। प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को समय पर वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने के लिए उद्योग एवं वाणिज्य विभाग, राजस्थान सरकार ने एम1एक्सचेंज और रिसीवेबल्स एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (आरएक्सआईएल) के साथ समझौता ज्ञापन किए हैं। इनका उद्देश्य एमएसएमई के बीच व्यापार प्राप्य छूट प्रणाली (टीआरईडीएस) के उपयोग और इसके प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना है।

टीआरईडीएस के माध्यम से एमएसएमई द्वारा आपूर्ति किए गए माल या सेवाओं के स्वीकृत बिलों का भुगतान निर्धारित तिथि से पहले प्राप्त किया जा सकेगा। बिल स्वीकार होने के बाद अधिकृत वित्तीय संस्थान प्रतिस्पर्धी दरों पर इनका वित्तपोषण करेंगे। इससे एमएसएमई को व्यवसाय के दैनिक संचालन और विस्तार के लिए कार्यशील पूंजी समय पर उपलब्ध हो सकेगी। भारत सरकार ने 7 नवंबर 2024 की अधिसूचना के माध्यम से 250 करोड़ रुपए से अधिक वार्षिक कारोबार वाली कंपनियों तथा सभी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए टीआरईडीएस मंच पर पंजीकरण अनिवार्य किया था। 30 जून 2026 की अधिसूचना के माध्यम से इस व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। इसके तहत केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए एमएसएमई से संबंधित खरीद बिलों का भुगतान भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अधिकृत व्यापार प्राप्य छूट प्रणाली मंच के माध्यम से करना आवश्यक किया गया है। राज्य में टीआरईडीएस लागू करने के लिए उद्योग एवं वाणिज्य विभाग ने सभी विभागों को मानक संचालन प्रक्रिया जारी कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। यह प्रक्रिया राज्य सरकार के सभी विभागों, बोर्ड, निगम, प्राधिकरणों, संस्थाओं और एमएसएमई विक्रेताओं एवं आपूर्तिकर्ताओं पर लागू होगी। टीआरईडीएस के माध्यम से एमएसएमई उद्यमों को कंपनियों, सरकारी विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों से मिलने वाले भुगतानों को निर्धारित समय से पहले प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। एम1एक्सचेंज और आरएक्सआईएल के सहयोग से विभाग संबंधित हितधारकों के बीच इस व्यवस्था को बढ़ावा देगा। यह पहल प्रदेश में मजबूत एमएसएमई तंत्र विकसित करने के साथ ही डिजिटल माध्यम से कारोबार सुगमता को बढ़ावा देने और एमएसएमई क्षेत्र के लिए अनुकूल औद्योगिक वातावरण तैयार करने की राजस्थान सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

- **टीआरईडीएस के जरिए बिलों का समय से पहले भुगतान, कार्यशील पूंजी की उपलब्धता आसान होगी**

10 हजार का इनामी गैंगस्टर हिमांशु जांगिड़ और उसका साथी गिरफ्तार

जयपुर उत्तर पुलिस की डीएसटी और जयसिंहपुरा खोर थाना पुलिस ने 10 हजार रुपए के इनामी हिस्ट्रीशीटर हिमांशु जांगिड़ उर्फ जहांगीर को साथी देवाशिष भगत उर्फ पीयूष के साथ गिरफ्तार किया।

जयपुर (कासं)। जयपुर उत्तर पुलिस की डीएसटी और जयसिंहपुरा खोर थाना पुलिस ने 10 हजार रुपए के इनामी हिस्ट्रीशीटर हिमांशु जांगिड़ उर्फ जहांगीर को साथी देवाशिष भगत उर्फ पीयूष (29) के साथ गिरफ्तार किया। भागने के प्रयास में हिमांशु के पैर में चोट आई।

पुलिस उपायुक्त करण शर्मा ने बताया कि 21 मई को हिमांशु अपने साथियों विशु सारासर, समीर खान मकराना, वसीम खान समेत 10-15 लोगों के साथ दो फॉर्च्यूनर से निक्की शर्मा की जमीन पर पहुंचा और देखरेख कर रहे अनिल आंक को रंगदारी नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी थी। लगातार धमकियों के बाद अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अशोक सिंहल के नेतृत्व और एसीपी आमेर प्रतीक सिंह के निर्देशन में टीम गठित की गई। पुलिस के अनुसार हिमांशु अपनी गैंग चलाता है और हरियाणा की गैंग के बदमाशों के संपर्क में है। फरारी में विदेशी नंबर बनाने वाले विशेष एप्लीकेशन से साथियों से संपर्क करता था तथा रसूखदार लोगों को धमकाकर रंगदारी वसूलता था। उसके खिलाफ हत्या, लूट, डकैती, अपहरण और रंगदारी के करीब दो दर्जन मामले दर्ज हैं। इनमें अमरसर सरपंच, झालाना निवासी इन्द्र खटीक और मकराना के मार्बल व्यापारी की हत्या तथा झोटवाड़ा में प्रदीप यादव पर फायरिंग के मामले शामिल हैं। कार्रवाई में डीएसटी हेड कांस्टेबल नरेंद्र सिंह की विशेष भूमिका रही।

नो-पार्किंग में खड़े बजरी से भरे 8 ट्रक जब्त

जयपुर (कासं)। अवैध बजरी खनन-परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में मुरलीपुरा थाना पुलिस और डीएसटी जयपुर पश्चिम ने अजमेर-दिल्ली बायपास से बजरी से भरे 8 ट्रक जब्त किए। पुलिस के अनुसार ट्रक नो-पार्किंग क्षेत्र में खड़े मिले थे।

डीसीपी जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण के निर्देशन में एडीसीपी राजेश गुप्ता व एसीपी झोटवाड़ा शिवकुमार भारद्वाज के सुपरविजन तथा मुरलीपुरा थानाधिकारी वीरेंद्र कुरील और डीएसटी प्रभारी गणेश कुमार के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई की। जब्त ट्रकों की रिपोर्ट खनिज विभाग को भेजी गई।

जांच में 4 ट्रकों के चालक बजरी परिवहन के वैध परमिट और रॉयल्टी रसीद प्रस्तुत नहीं कर सके। खनिज विभाग ने इन पर करीब 5 लाख रुपए का जुर्माना तय किया। कार्रवाई में उप निरीक्षक गोदराज, सहायक उप निरीक्षक बजरंगलाल, हेड कांस्टेबल शिवराम व कांस्टेबल बलराम सहित पुलिसकर्मी शामिल रहे। पुलिस ने नो-पार्किंग क्षेत्र में अवैध रूप से खड़े वाहनों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने की बात कही।

'पंचायतीराज चुनाव में बसपा अकेले उतरेगी'

जयपुर । राजस्थान में पंचायतीराज चुनाव का बिगुल बजने के साथ ही बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने भी चुनावी तैयारियां तेज कर दी हैं। बसपा ने प्रदेशभर में जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव अकेले लड़ने का ऐलान किया है। पार्टी ने स्पष्ट किया कि किसी भी राजनीतिक दल के साथ गठबंधन नहीं किया जाएगा।

बसपा के राज्यसभा सांसद और राष्ट्रीय सेक्टर प्रभारी इंजीनियर रामजी गौतम तथा प्रदेशाध्यक्ष सुमरत सिंह ने बुधवार को जयपुर स्थित पार्टी प्रदेश मुख्यालय में पत्रकार वार्ता कर चुनावी रणनीति की जानकारी दी। गौतम ने कहा कि गांवों की सरकार बनाने के लिए बसपा पूरी ताकत के साथ प्रदेशभर में चुनाव मैदान में उतरेगी।

रामजी गौतम ने कहा कि बसपा जनता के सामने तीसरे विकल्प के रूप में मौजूद है। राजस्थान की जनता पहले कांग्रेस और अब भाजपा की सरकार को परख चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में सरकारी स्कूलों की स्थिति खराब है और जर्जर स्कूलों में छत व दीवारें गिरने से बच्चे घायल हो रहे हैं। शिक्षा और चिकित्सा को बसपा ने अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है। उन्होंने प्रदेश में भ्रष्टाचार बढ़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि जनता बदलाव चाहती है।

गौतम ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के उस बयान पर पलटवार किया, जिसमें गहलोत ने कहा था कि उन्होंने बसपा में तोडफोड़ नहीं की, बल्कि बसपा के सभी विधायक कांग्रेस में शामिल हुए थे।

गौतम ने आरोप लगाया कि अशोक गहलोत ने दो बार बसपा के विधायकों को कांग्रेस में शामिल कर पार्टी के साथ धोखा किया। उन्होंने कहा कि गहलोत ने दो बार बसपा की पीठ में खंजर घोंपा, जबकि दोनों अवसरों पर बसपा के समर्थन से ही वे मुख्यमंत्री बने थे। गौतम ने दावा किया कि अशोक गहलोत अब दोबारा राजस्थान के मुख्यमंत्री नहीं बन पाएंगे। प्रदेशाध्यक्ष सुमरत सिंह ने कहा कि पंचायतीराज चुनाव केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश और रणनीति के तहत लड़ा जाएगा। बसपा सभी जगह अपने प्रत्याशी उतारेगी और किसी दल से गठबंधन नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने पार्टी के साथ धोखा किया है, उन्हें चुनाव में हराने के लिए पार्टी कार्यकर्ता काम करेंगे। सुमरत सिंह ने भाजपा सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि सरकार जनता की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर रही है।

राज्य में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है, किसानों को चिंता करने की जरूरत नहीं : मंत्री किरोड़ीलाल

जयपुर। राज्य में रबी सीजन के दौरान किसानों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार एवं कृषि विभाग द्वारा निरंतर प्रभावी मॉनिटरिंग की जा रही है। प्रदेश में वर्तमान में 3 लाख 72 हजार मीट्रिक टन यूरिया, 1 लाख 06 हजार मीट्रिक टन डीएपी, 97 हजार मीट्रिक टन एनपीके तथा 2 लाख 08 हजार मीट्रिक टन एसएसपी का स्टॉक उपलब्ध है। कम उपलब्धता एवं अधिक खपत वाले जिलों और ब्लॉकों को चिन्हित कर मांग के अनुरूप प्राथमिकता से उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

हाल ही में रबी 2026-27 के दौरान किसानों को उनकी मांग अनुरूप गुणवता युक्त उर्वरकों की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा उर्वरकों की जमाखोरी एवं कालाबाजारी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए मुख्य सचिव श्री वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय फर्टीलाईजर डिस्ट्रीब्यूशन रेगुलेट्री टॉस्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई।

कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोडी लाल ने कहा कि प्रदेश में उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता है और किसानों को किसी भी प्रकार की अफवाह अथवा बहकावे में आकर अनावश्यक रूप से उर्वरक खरीदने या उसका भंडारण करने की आवश्यकता नहीं है। राज्य सरकार केन्द्र सरकार के साथ लगातार समन्वय स्थापित कर प्रदेश की आवश्यकता के अनुरूप उर्वरकों की आपूर्ति सुनिश्चित कर रही है।

डॉ. किरोड़ीलाल ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा तिलहन एवं दलहन को बढ़ावा देने के दृष्टिगत राज्य में इन फसलों के बुवाई क्षेत्र में वृद्धि प्रस्तावित की गई है, जबकि खाद्यान्न फसलों के क्षेत्रफल में कमी प्रस्तावित है। रबी 2025-26 में 39.82 लाख हैक्टेयर में तिलहनी, 20.69 लाख हैक्टेयर में दलहनी तथा 42.77 लाख हैक्टेयर में अनाज की बुवाई हुई थी। इसके मुकाबले रबी 2026-27 में 40.06 लाख हैक्टेयर तिलहनी, 21.95 लाख हैक्टेयर दलहनी तथा 38.50 लाख हैक्टेयर अनाज की बुवाई प्रस्तावित की गई है। फसलवार प्रस्तावित क्षेत्रफल एवं उर्वरकों की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए राज्य में उर्वरकों की आपूर्ति एवं वितरण की योजना तैयार की गई है।

- **कृषि मंत्री का कहना है कि, प्रदेश में 3.72 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 1.06 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 97 हजार मीट्रिक टन एनपीके एवं 2.08 लाख मीट्रिक टन एसएसपी का स्टॉक उपलब्ध है।**

कृषि मंत्री ने बताया कि रबी 2026-27 में अक्टूबर माह के लिए भारत सरकार द्वारा राज्य को 4 लाख 60 हजार मीट्रिक टन यूरिया आवंटित किया गया है। 1 अक्टूबर को उपलब्ध स्टॉक सहित अब तक 4 लाख 33 हजार मीट्रिक टन यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित की जा चुकी है। इसी प्रकार अक्टूबर माह के लिए केंद्र सरकार द्वारा आवंटित डीएपी 2 लाख 400 मीट्रिक टन डीएपी के विरूद्ध 1 अक्टूबर को उपलब्ध स्टॉक सहित अब तक 1 लाख 41 हजार मीट्रिक टन की व्यवस्था की जा चुकी है एवं आवंटित मात्रा के अनुरूप राज्य में उर्वरकों की आपूर्ति की जा रही है।

कृषि मंत्री ने बताया कि विभाग द्वारा समय-समय पर विशेष अभियान चलाकर उर्वरक वितरण में जमाखोरी, कालाबाजारी, यूरिया डायवर्जन एवं अन्य अनियमितताओं के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की गई है। विभाग द्वारा 12 हजार 362 विक्रय परिसरों का सघन निरीक्षण कर 24 एफआईआर दर्ज की गई साथ ही 115 उर्वरक लाईसेंस निलम्बित व 3 लाईसेंस निरस्त किये गए। उर्वरक डायवर्जन के तहत विभिन्न उर्वरको के 1223 बैग जप्त किए गए है।

Celebrating the Ocean's Most Intelligent Invertebrate

Observed every year on October 8, World Octopus Day honours the mysterious and highly intelligent octopus, a creature known for its remarkable problem-solving skills, colour-changing abilities, and unique three-heart circulatory system. The day highlights the importance of marine conservation and the need to protect delicate ocean ecosystems where these fascinating animals thrive. From their incredible camouflage techniques to their ability to squeeze through tiny spaces, octopuses showcase nature's creativity and adaptability. World Octopus Day encourages people to learn more about ocean life, reduce plastic waste, and support sustainable seafood practices to safeguard marine biodiversity for future generations.

#ARAPAIMA

The Fish with Armor-Like Scales

Against powerful predators, such as piranhas, the arapaima evolved an extraordinary defense system: its highly specialized scales

Deep in the rivers of the Amazon lives one of the most extraordinary freshwater fishes on Earth, the Arapaima. Known for its enormous size, ancient lineage, and incredible physical adaptations, the arapaima has fascinated scientists for decades. Among its most remarkable features are its scales, which are so strong and flexible that researchers have studied them as inspiration for modern protective materials, including body armor.

A Giant of the Amazon

The arapaima, often scientifically referred to as Arapaima gigas, is one of the largest freshwater fishes in the world. It can grow over 3 meters (10 feet) long and weigh more than 200 kilograms. Native to the Amazon Basin in South America, this fish lives in slow-moving rivers, lakes, and floodplain forests.

Because the waters of the Amazon contain many powerful predators, such as piranhas, the arapaima evolved an extraordinary defense system: its highly specialized scales.

The Unique Structure of Arapaima Scales

Unlike ordinary fish scales, arapaima scales have a layered, composite structure that combines hardness with flexibility. Each scale contains:

- A hard, mineralized outer layer that resists penetration.
- A softer, collagen-rich inner layer that absorbs and disperses energy.
- Overlapping arrangement that acts like natural armor.

This combination allows the scales to withstand attacks from sharp-toothed predators. When a piranha bites an arapaima, the teeth may scratch the surface, but the scale structure prevents deeper penetration.

Scientists often describe this structure as nature's version of engineered armor.

Inspiration for Modern Protective Materials

Researchers studying arapaima scales discovered that their design provides an ideal balance between strength and flexibility. Traditional armor materials are often very rigid, which can make them heavy and uncomfortable. The arapaima scale, however, demonstrates how layered natural materials can stop sharp impacts while still bending slightly instead of cracking.

Because of this, engineers and material scientists have investigated how the structure of arapaima scales could inspire advanced protective gear, including next-generation body armor and protective panels.

Rather than using actual fish scales directly, scientists study their microscopic architecture to design synthetic materials that mimic the same layered defense system.

Why Arapaima Scales Are Considered Precious

The value of arapaima scales lies in their biological engineering. They represent millions of years of evolution that produced a natural defense system capable of resisting extreme forces.

Their attributes include:

- Exceptional toughness against sharp impacts.
- Energy absorption through layered collagen fibers.
- Lightweight protection compared to rigid armor.
- Flexible movement without sacrificing strength.

Conservation and Sustainable Study

Because the arapaima is such a large and valuable fish, it has historically been overfished in parts of the Amazon. Today, many conservation programs regulate fishing and promote sustainable management so that the species can continue to thrive.

Studying the arapaima and its scales not only helps scientists develop better materials but also highlights the importance of protecting biodiversity. Nature often holds solutions to complex engineering challenges.

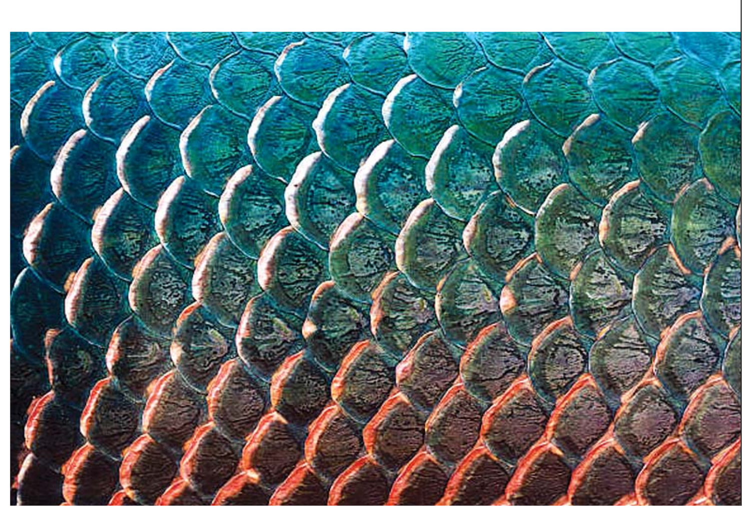

Paid To Savour The Magic Of Reading

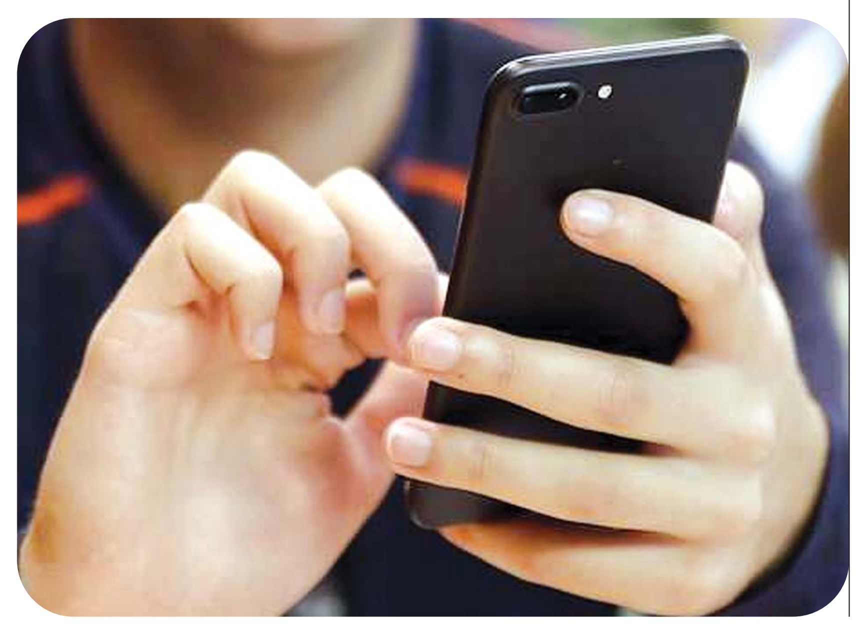

British author and actor Stephen Fry said: "Books are no more threatened by Kindle than stairs are by elevators." The elevator may take you faster to the next floor, but stairs require you to slow down and make an effort. In much the same way, reading a book requires concentration and patience, while a smartphone offers instant gratification with minimal effort.

Asif Ullah Khan

A veteran journalist who has written for The Khaleej Times and The Brunei Times

#DOOMSCROLLING

किताबें झांकती हैं अलमारी के शीशों से,
बड़ी हसरत से तकती हैं,
महीनों अब मुलाक़ातें नहीं होतीं,
जो शामें उनकी सोहबत में कटा करती थीं,
अब अक्सर...
गुज़र जाती हैं कंप्यूटर के परदों पर।

This poem by the famous Indian poet Gulzar sums up the plight of books, which seem to be crying for attention as they gather dust on the shelf. Finally, the doomsday prophecy has come true: doomscrolling has spelled doom for books. One doesn't need the fireman named Guy Montag, who, in Ray Bradbury's *Fahrenheit 451*, is entrusted with the job of burning books. Bradbury said: "You don't have to burn books to destroy a culture. Just get people to stop reading them."

Today, social media has done something far more effective with the help of the smartphone. It has not banned books or burned them. It has simply made them harder to pick up.

The reason for this is simple. A book requires time, concentration and patience. A smartphone demands none of these. It offers an endless stream of short videos, breaking news, messages, photographs and provocative headlines, each one competing for our attention. The moment one piece of content becomes boring, another is only a swipe away.

Recent studies on reading habits, including a 20-year analysis of data from the American Time Use Survey, show that the percentage of people reading for pleasure in the United States fell from 28 per cent in 2004 to 16 per cent in 2023, a decline of roughly 40 per cent. This points to a profound change in the way people spend their free time. Earlier, in India, railway stations and bus stands used to have book stalls stacked with all kinds of books, both in English and Hindi, as they were considered to be the best companion for a traveler.

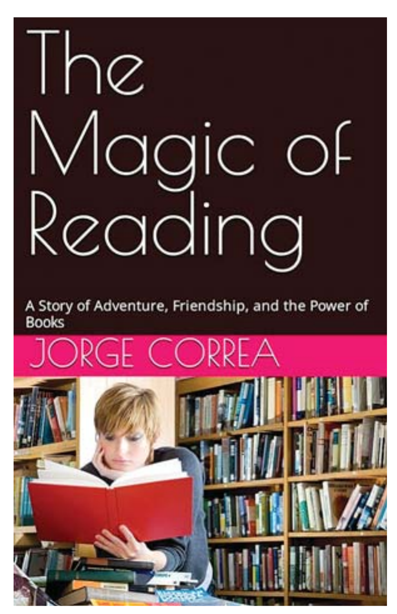

Things have come to such a pass that Singapore has started a campaign to encourage book reading, in which anyone who reads a book for 15 minutes on a government website will be paid.

The affluent city-state is now paying its citizens to pick up a book for at least 15 minutes a day in an effort to counter the rise of doomscrolling and encourage reading.

The scheme, launched last month, uses a gamification technique. Instead of simply telling people to read more, the government is turning reading into a small daily challenge, complete with points and financial rewards.

Participants can log their reading sessions on a government website. A reading session of at least 15 minutes earns 20 virtual coins, with 1,000 coins eventually translating into a S$1 payment. Participants can record one qualifying reading session a day.

The tiny financial reward is not enough to turn people away from smartphones. The objective is to reintroduce the habit of reading.

Melissa Tam, chief executive of Singapore's National Library Board, has argued that sustainable reading habits are built through small and achievable steps.

"We live in a world of extraordinary abundance, of content, information and stimulation," she told The Straits Times. "At any moment, we can scroll through hundreds of headlines, watch a video or get a summary of almost anything."

The answer, she suggested, is not to wage an impossible war against technology but to create a small space for reading in everyday life.

"On the bus, before bed or over lunch," she said, the goal is simply to read for 15 minutes a day.

One had thought that the internet, smartphones and AI would produce a better-informed generation. On the contrary, the smartphone may have democratised access to information on an unprecedented scale, but it is not producing more informed or thoughtful citizens. In many cases, the effect has been the opposite. It has spurred shorter attention spans, fragmented concentration and a constant craving for the next piece of stimulation.

This may explain why Singapore is also considering ways of making social media less harmful for young people, including the possibility of daily time limits. A recent study found that doomscrolling and digital addiction cause particularly serious harm to young people.

If one goes by the reading habits of Singaporeans, the situation is not alarming. The National Library Board's 2024 National Reading Habits Study found that 89 per cent of adults read something more than once a week. But when it comes to books, the figure falls sharply: only about three in 10 adults read books weekly. News, websites and social media account for a much larger share of people's reading time. The survey also found that 62 per cent of adults tended to spend their time on other activities instead of reading, while 38 per cent said that they became bored after reading for a while. Singapore is trying to protect the more demanding habit of reading books from an increasingly crowded digital world, where a smartphone can offer an almost limitless supply of faster and more immediately rewarding distractions. The experiment raises an amusing but important question: if people need to be paid to read, what does that say about the future of books?

In this regard, British author and actor Stephen Fry said: "Books are no more threatened by Kindle than stairs are by elevators." The elevator may take you faster to the next floor, but stairs require you to slow down and make an effort. In much the same way, reading a book requires concentration and patience, while a smartphone offers instant gratification with minimal effort. Books have survived television, radio, cinema and every previous technological revolution. The problem today is different. Technology is no longer simply competing with books for entertainment time. It is competing for attention itself. And attention is perhaps the most valuable commodity in the digital age.

That is why Gulzar's poem feels increasingly prophetic. The books are still sitting patiently behind the glass doors of our shelves. They have not gone anywhere. They are waiting for us to return.

The question is whether we still have the patience to open them. Singapore's experiment is based on a modest proposition: perhaps, we don't need to rediscover the joy of reading for hours at a time. Perhaps, we only need to begin with 15 minutes.

Fifteen minutes cannot turn us away from smartphones, but it can be a small step towards bringing back the joy of reading. The journey is not easy; it is arduous. The famous opening line of Gabriel García Márquez's masterpiece, *One Hundred Years of Solitude*, recalls Colonel Aureliano Buendía going with his father to discover ice. In Macondo, a mundane substance like ice is treated as a rare, magical wonder to be "discovered." So, it's time to rediscover the magical wonder of reading.

rajeshsharma1049@gmail.com

#SYMBOL OF POWER

Samudragupta's Horses

According to the Prayag Prashasti by Harisena, the horses of Samudragupta's cavalry are said to have drunk water from the four major seas: the Indian Ocean, the Arabian Sea, the Bay of Bengal, and the Caspian Sea

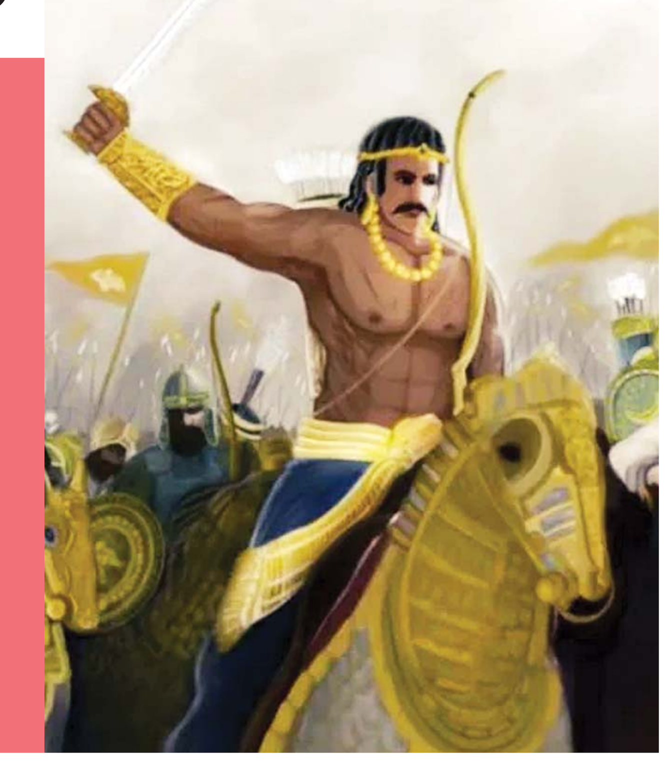

Samudragupta, often regarded as one of the most powerful and accomplished rulers of ancient India, is celebrated for his military prowess, vast territorial expansions, and the strategic use of horses. His reign, which spanned from 335 CE to 375 CE, is documented as a period of unparalleled expansion, during which he conducted over 100 wars, forged alliances, and established his dominance across the Indian subcontinent.

One of the most fascinating aspects of his rule involves the symbolic and practical role horses played in his empire, and the significance they held in his victories and rituals.

The Horses that Touched the Shores of the Indian Subcontinent

Samudragupta's military campaigns were legendary, and the horses he used were instrumental in his conquests. According to the Prayag Prashasti (Allahabad Pillar Inscription), which was composed by the renowned poet and courtier Harisena, the horses of Samudragupta's cavalry are said to have drunk water from the four major seas surrounding the Indian subcontinent: the Indian Ocean, the Arabian Sea, the Bay of Bengal, and even the Caspian Sea. This metaphorical claim emphasizes the vast extent of Samudragupta's empire and military influence. His cavalry marched from the southern tip of India, near the Indian Ocean, all the way to the northern frontiers of his empire, possibly including areas that reached the edges of the Caspian Sea. The reference to horses drinking water from these seas suggests the incredible territorial reach and the strategic importance of cavalry in Samudragupta's army. It signifies not only territorial conquest but also the cultural and political significance of the emperor's control over vast lands stretching from the coasts to the interior of Asia.

The Prayag Prashasti: A Monument to Samudragupta's Power

The Prayag Prashasti, or Allahabad Pillar inscription, is one of the most important sources of information about Samudragupta's reign. This inscription, etched into a pillar at Prayag (modern-day Allahabad), describes the king's achievements, victories, and military campaigns. The inscription provides evidence of his prowess in battle, detailing how he led numerous campaigns in both the northern and southern parts of India, taking over vast territories. Samudragupta's ability to command respect and fear from neighbouring rulers is vividly captured in the narrative of these kings bowing before him.

The Ashwamedha Yajna: A Ritual of Power and Authority

Samudragupta is also renowned for performing the Ashwamedha Yajna (horse sacrifice ritual), a sacred Vedic ceremony that was traditionally performed by kings to assert their supremacy. A white stallion was consecrated by priests and released to roam freely. This horse was protected by a contingent of royal warriors. Any rival ruler who stopped or captured the horse was making a direct challenge to the king's sovereignty and was immediately plunged into war with the accompanying army.

The Conquest of 100 Wars: A Testament to Military Genius

Throughout his reign, Samudragupta fought and triumphed in more than 100 wars. His military campaigns, which are mentioned in the Prayag Prashasti, were spread over many years and took him across diverse geographical regions. Whether it was defeating foreign invaders or subduing rebellious rulers, his ability to conduct successful military campaigns was unmatched. He established a reputation for being a brilliant strategist, whose armies could swiftly and decisively crush opposition.

THE WALL

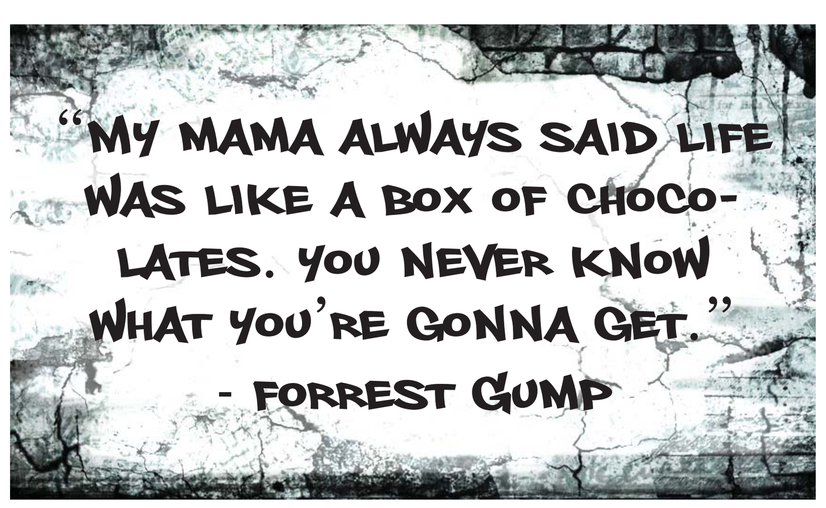

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

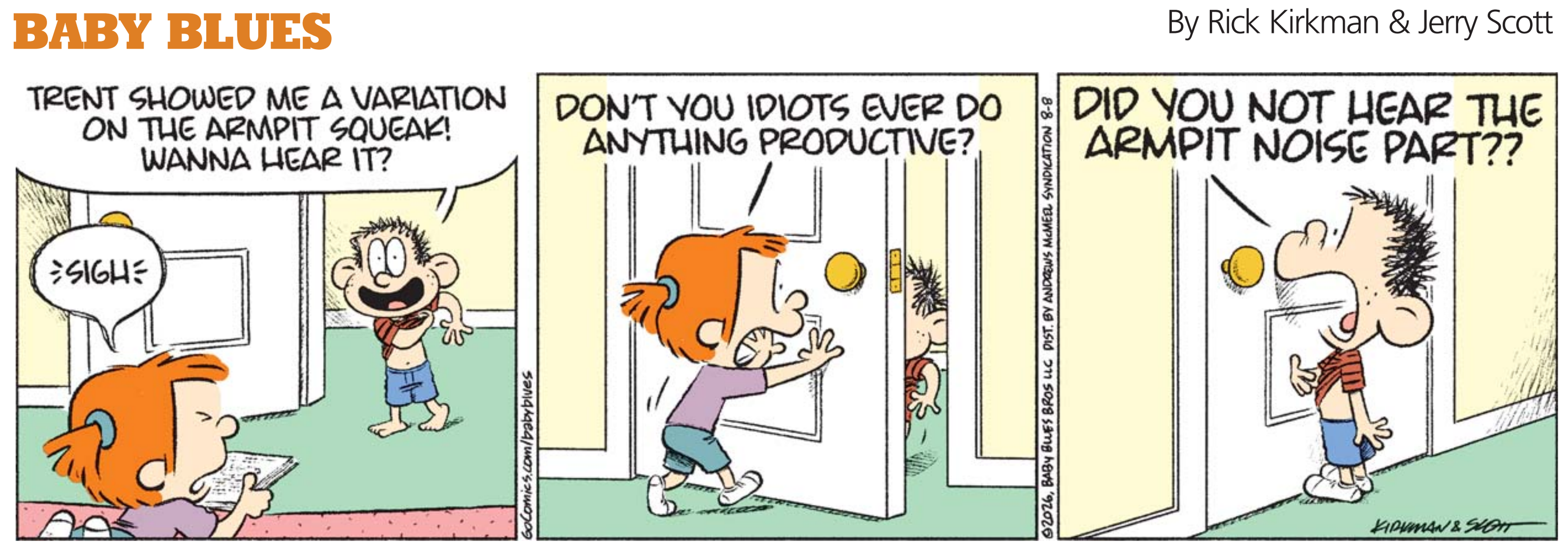

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

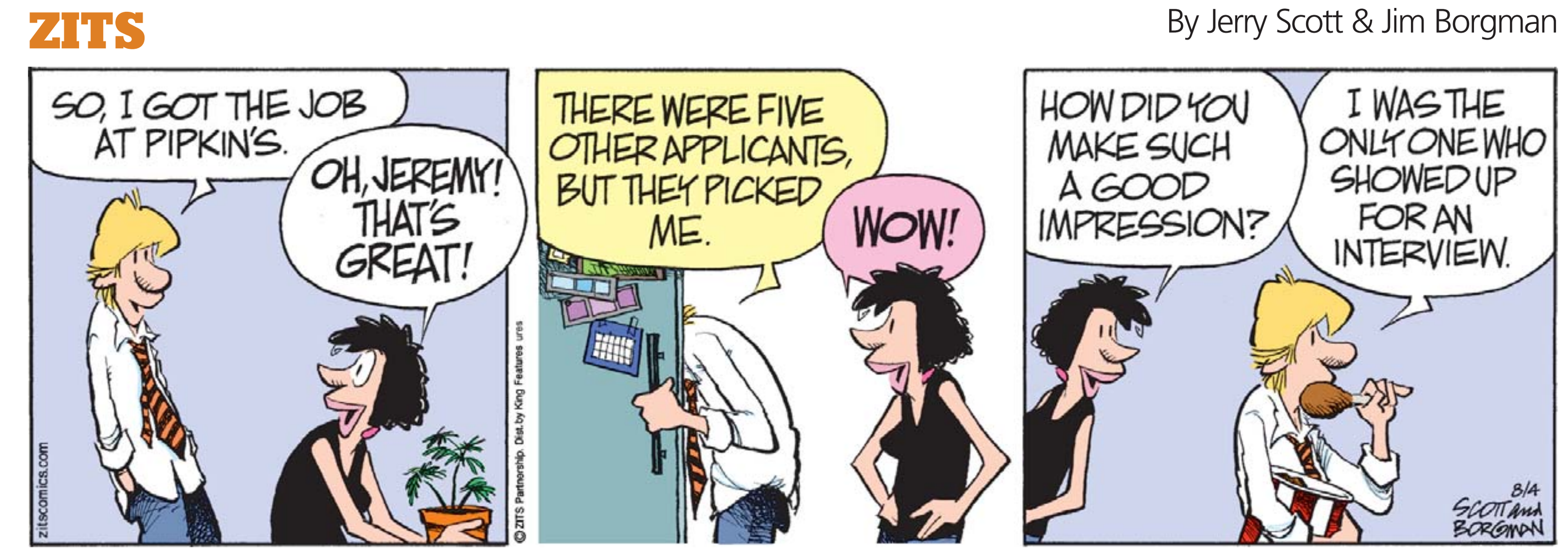

बीकानेर के देशनोक में पीएम आवास योजना में 2.83 करोड़ का घोटाला सामने आया

आरोप है कि पालिका के एक कर्मचारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों के खातों में रुपए देने के बजाय रिश्तेदारों के खातों में रुपए जमा करवा दिए

बीकानेर, (निसं)। यहां देशनोक नगर पालिका में प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़े भुगतान में करीब 2.83 करोड़ रुपए के घोटाले का मामला सामने आया है। आरोप है कि पालिका के एक कर्मचारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों के खातों में रुपए देने के बजाय रिश्तेदारों के खातों में रुपए जमा करवा दिए। इसमें 49 बिलों में हेराफेरी की सूचना है। आरोपी लाभार्थी का नाम लिखकर अकाउंट नंबर अपने परिजनों को दे देता था।

■ **नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी ने एसपी से मुलाकात कर पूरे मामले की शिकायत, जांच रिपोर्ट और एफआईआर के लिए पत्र सौंपा**

नगर पालिका की ओर से 5 अक्टूबर 2026 को अधिशासी अधिकारी रविंद्र सिंह ने बताया कि स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक को पत्र दिया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना शाखा में कार्यरत कर्मचारी सुरेंद्र सिंह टिंडल ने सरकारी धन का दुरुपयोग करते हुए ये राशि अपने परिचितों के खाते में ट्रांसफर करवा ली। पत्र में बताया गया है कि संबंधित कर्मचारी के कार्यकाल से जुड़े भुगतान की जांच के लिए समिति गठित की गई थी। नगर पालिका की जांच समिति की रिपोर्ट के आधार पर अधिशासी अधिकारी ने बुधवार को बीकानेर एसपी मृदुल कच्छावा से मुलाकात कर शिकायत पत्र, जांच रिपोर्ट और एफआईआर दर्ज करने के लिए पत्र सौंपा। एसपी ने मामले में संबंधित थानाधिकारी को जांच के आदेश दिए हैं। जांच समिति ने नवंबर 2025 से जून 2026 तक के बिलों की जांच की। रिपोर्ट के अनुसार कुल 49 बिलों का निरीक्षण किया गया। इनमें भुगतान की कुल राशि 8.65 करोड़ रुपए से अधिक बताई गई है, जबकि रिकॉर्ड के अनुसार करीब 4.91 करोड़ रुपए जमा किए गए और 2.83 करोड़ रुपए की राशि शेष पाई गई। नगर पालिका ने जांच के आधार पर उक्त राशि के गबन का आरोप लगाया है।

नगर पालिका के पत्र में आरोप लगाया गया है कि संबंधित कर्मचारी ने उच्चाधिकारियों के आदेशों की अवहेलना की और राजकीय राशि से संबंधित रिकॉर्ड एवं भुगतान प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताएं कीं। विभागीय जांच में कर्मचारी को अपना पक्ष रखने का अवसर भी दिया गया था, लेकिन पत्र के अनुसार वह जांच समिति के समक्ष उपस्थित नहीं हुआ और संबंधित रिकॉर्ड जमा नहीं करवाए। निदेशक को भेजे पत्र में अधिशासी अधिकारी रविंद्र सिंह ने लिखा है कि कार्मिक सुरेंद्र सिंह ने नगर पालिका देशनोक में प्रधानमंत्री आवास योजना शाखा में कार्यरत रहते हुए गलत लाभार्थियों के खाते में 84 लाख रुपए जमा करा दिए गए। ये राशि नोटिस देने के बाद जमा करवाई गई। गड़बड़ी की भनक लगने पर पालिका ने टिंडल की ओर से किए गए सभी भुगतान की जांच की तो 2 करोड़ 83 लाख रुपए का भुगतान अवैध लाभार्थियों के खाते में करने का मामला उजागर हुआ। इसमें 84 लाख रुपए जमा करवा दिए गए। फिर भी एक करोड़ 99 लाख 80 हजार रुपए की वसूली बनती है।

अधिशासी अधिकारी रविंद्र सिंह ने बताया कि टिंडल को 23 सितम्बर को ही सस्पेंड कर दिया गया है। ये राशि कैसे जमा हुई इस सवाल पर सिंह ने बताया कि संबंधित बिल पर वो सही लाभार्थी का नाम लिखता था और अंदर एकाउंट नंबर अपने परिचित व परिजन के लिख देता था। ऐसे में अधिकारी लाभार्थी का नाम देखकर स्वीकृति दे देते थे। ये राशि गलत खातों में जमा हो जाती थी। ये राशि पत्नी, साले और रिश्तेदारों के खातों में भी जमा करवाई गई थी।

नगर पालिका के अधिशासी अधिकारी ने बुधवार को एसपी मृदुल कच्छावा से मुलाकात कर पूरे मामले की शिकायत, जांच रिपोर्ट और एफआईआर के लिए पत्र सौंपा। इसके बाद एसपी ने संबंधित थानाधिकारी को मामले की जांच के निर्देश दिए हैं। अधिशासी अधिकारी के अनुसार, संबंधित कर्मचारी सरकारी सेवा में है, इसलिए पुलिस स्तर पर जांच के बाद उसके खिलाफ नियमानुसार एफआईआर दर्ज करने की कार्रवाई की जाएगी।

हैंडीक्राफ्ट फैक्टरी में आग लगी, चार करोड़ का सामान जला

बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका जताई

तारानगर, (निसं)। शहर से लगभग चार किमी दूर सरदारशहर सड़क मार्ग पर स्थित श्री हरि आयरन उद्योग हैंडीक्राफ्ट फैक्टरी में बुधवार की सुबह भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। आग इतनी विकराल थी कि देखते ही देखते पूरी फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया। फैक्टरी में रखा हैंडीक्राफ्ट का करोड़ों रुपए का तैयार व कच्चा माल सहित मशीनरी पूरी तरह जलकर राख हो गई। वहीं आग की तपिश से पूरी बिल्डिंग भी पूर्णतया नष्ट हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार सुबह अचानक फैक्टरी से धुएं का गुब्बार उठता देखा गया। कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप ले लिया। सूचना मिलते ही आसपास के लोगों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई। प्रशासन ने लोगों के साथ मिलकर दमकल के सहयोग से 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। फैक्टरी में तैनात कर्मचारी ने मालिक को सूचना दी। श्री हरि आयरन उद्योग के मालिक विनोद जांगिड़ ने बताया कि फैक्टरी में हर रोज सुबह 8 बजे के कार्य शुरू होता है। सुबह 7 बजे के लगभग बिजली शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका हैं। फैक्टरी में तैनात कर्मचारी ने धुआं उठता देखा तो अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन बढ़ने पर उसने फोन पर घटना की सूचना दी। जिस पर मालिक तत्काल मौके पर पहुंचे और पुलिस व प्रशासन को सूचना दी। सूचना पर नगरपालिका की ओर दमकल पहुंची लेकिन आग की भयावहता को देखते हुए आसपास के आधा दर्जन शहरों से भी दमकल मंगवाई गई।

■ **आग से फैक्टरी में रखा हैंडीक्राफ्ट का करोड़ों रुपए का तैयार व कच्चा माल सहित मशीनरी पूरी तरह जल गई**

हैंडीक्राफ्ट फैक्टरी में आग की सूचना पर तारानगर नगरपालिका से दमकल पहुंची। लेकिन आग की भयावहता को देखते हुए प्रशासन की ओर से सरदारशहर, राजगढ़, रतनगढ़,चूरू, नोहर व भादरा से भी दमकलें मंगाई गई। जिसके बाद लोगों के सहयोग से 5 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। मालिक विनोद जांगिड़ ने बताया कि दीपावली के लिए देश विदेश के शहरों में भेजने के लिए तैयार बेड, सोफा सेट, डाइनिंग टेबल सहित लगभग ढाई करोड़ रुपए का फर्नीचर एवं कंप्यूटर, कागजात व मशीनरी के जलने से लगभग 4 करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है। फैक्टरी में आग की सूचना मिलने पर एसडीएम प्रियंका कड़ेला, डीएसपी रोहित सांखला, एसएचओ पुष्पेंद्र सिंह, ईओ अजयप्रतापसिंह, चेयरमैन हरि इंदौरिया व भाजपा नेता राकेश जांगिड़ सहित मौके पर पहुंचे और घटना से हुए नुकसान व बचाव कार्य का जायजा लिया।

अजमेर जेल से दो महिला कैदियों को बाहर ले जाने के मामले में निलंबित जेलर गिरफ्तार

अजमेर, (निसं)। अजमेर के केंद्रीय कारागृह स्थित महिला जेल से दो महिला कैदियों को जेल विभाग को बिना सूचना दिए बाहर ले जाने के मामले में पुलिस ने निलंबित जेलर दिव्या चौधरी को कोटा से गिरफ्तार किया है। मामले में जेलर दिव्या चौधरी के साथ महिला जेल प्रहरी सोनिया की भूमिका भी सामने आई है। पुलिस अब फरार चल रही जेल प्रहरी की तलाश में जुटी है।

■ **दोनों महिला कैदियों को जेलर दिव्या चौधरी के कोटा स्थित मकान पर साफ-सफाई के काम के लिए ले जाया गया था**

पुलिस के अनुसार, जेल प्रशासन की अनुमति और विभागीय सूचना के बिना दोनों महिला कैदियों को जेल से बाहर ले जाने का मामला सामने आने के बाद विभागीय स्तर पर जांच की गई थी। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि दोनों महिला कैदियों को जेलर दिव्या चौधरी के कोटा स्थित मकान पर साफ-सफाई के काम के लिए ले जाया गया था। मामला सामने आने के बाद जेलर को निलंबित कर दिया गया था।

सीईओ शिवम जोशी ने बताया कि निलंबित जेलर दिव्या चौधरी को पुलिस ने कोटा स्थित उनके मकान से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद मामले में आगे की पूछताछ और जांच की जा रही है। वहीं, इस प्रकरण में शामिल बताई जा रही जेल प्रहरी सोनिया अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है और उसकी तलाश जारी है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि दोनों महिला कैदियों को किस प्रक्रिया के तहत जेल से बाहर ले जाया गया और इस दौरान किन नियमों की अनदेखी की गई। मामले में अन्य किसी की भूमिका सामने आने पर उसके आधार पर भी कार्रवाई की जा सकती है।

दुष्कर्म के तीन आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर, (निसं)। वृत्ताधिकारी वृत्त ग्रामीण कन्हैयालाल मय गठित टीम ने थाना चिकसाना इलाके में नाबालिग लड़की के साथ सामुहिक दुष्कर्म करने के मामले में आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

एसपी राजेश मीना ने बताया कि थाना चिकसाना में मंलवार को एक व्यक्ति ने एक रिपोर्ट इस आशय कि पेश कि शैलशसिंह उर्फ शैलू, पवन कुमार व रवि 3-4 जनों द्वारा विरूद्ध प्रार्थी की नाबालिग भतीजी के साथ सामुहिक दुष्कर्म करने का एक मामला पॉक्सो एक्ट में दर्ज किया गया था।

दिवाली के बाद हो सकते हैं अर्धवार्षिक एग्जाम

बीकानेर, (निसं)। राज्य के सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों में हाफ इयरली एग्जाम अब दीपावली के बाद हो सकते हैं। 12वीं तक सभी परीक्षाएं 15 अक्टूबर से 27 अक्टूबर तक होनी थीं, लेकिन पंचायत राज चुनाव की घोषणा के बाद शिक्षा विभाग को परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ रहा है। इस संबंध में जल्द आदेश जारी हो सकते हैं। समान परीक्षा (कक्षा 9 से 12) के तहत प्रदेश के सभी सरकारी और गैर सरकारी स्कूलों में हाफ इयरली एग्जाम होने हैं। इसके लिए पेपर भी शिक्षा विभागीय परीक्षा कार्यालय की ओर से तैयार किए जाते हैं। 15 अक्टूबर से परीक्षा कराना संभव नहीं है, क्योंकि 20 अक्टूबर से ग्रामीण क्षेत्र के स्कूल चुनावी टीम को मतगणना के लिए सौंपने होंगे। इसके अलावा बड़ी संख्या में टीचर्स की ड्यूटी भी पंचायत चुनाव में लग रही है। ऐसे में 15 से 19 अक्टूबर के बीच भी शिक्षा विभाग परीक्षा नहीं करा सकता। इसलिए परीक्षा की तारीख आगे बढ़ाने के अलावा विभाग के पास फिलहाल कोई विकल्प नहीं है।

■ **शिक्षा विभागीय परीक्षा कार्यालय ने प्रस्ताव तैयार कर माध्यमिक शिक्षा निदेशक को भेजा**

■ **पंचायत राज चुनाव की घोषणा के बाद शिक्षा विभाग को परीक्षा कार्यक्रम में बदलाव करना पड़ रहा है**

जानकारी के अनुसार शिक्षा विभागीय परीक्षा कार्यालय ने प्रस्ताव तैयार कर माध्यमिक शिक्षा निदेशक को भेज दिया है। इसमें दीपावली के बाद हाफ इयरली एग्जाम कराने के लिए कहा गया है। पंचायत राज चुनाव भी दीपावली के बाद तक प्रदेशभर में चलते रहेंगे। ऐसे में हाफ इयरली एग्जाम नवंबर के तीसरे या चौथे सप्ताह में होने की संभावना है। शहरी क्षेत्र में पंचायत चुनाव नहीं होने के कारण यहां के स्कूलों में हाफ इयरली एग्जाम कराने में परेशानी नहीं है। खासकर प्राइवेट स्कूलों के किसी टीचर की ड्यूटी भी हाफ इयरली एग्जाम में नहीं लगती। बोर्ड क्लासेज को छोड़कर बाकी कक्षाओं के एग्जाम कई प्राइवेट स्कूल 15 अक्टूबर से ही शुरू कर रहे हैं। हालांकि यह फैसला स्कूल अपने स्तर पर ले रहे हैं। शिक्षा विभाग की ओर से प्राइवेट स्कूलों को इस तरह की कोई छूट नहीं दी गई है।

श्रीगंगानगर में घर से 500 ग्राम आइस ड्रग्स बरामद

रिमांड के दौरान पूछताछ में आरोपी ने घर में आइस ड्रग छिपाकर रखने की जानकारी दी

श्रीगंगानगर, (निसं)। पुलिस ने नशे और हथियार तस्करी के नेटवर्क से जुड़े 22 साल के युवक गुरविंद्र सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी के घर से पुलिस ने 500 ग्राम मेथामफेटामाइन (आइस) बरामद की है। इससे पहले गुरविंद्र को 32 बोर पिस्टल और 47 कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया था। आरोपी फिलहाल 8 अक्टूबर तक पुलिस रिमांड पर है।

मीरा चौक चौकी प्रभारी नरेश कुमार ने सीआईडी और डीएसटी के सहयोग से यह कार्रवाई की। रिमांड के दौरान पूछताछ में गुरविंद्र ने घर में आइस ड्रग छिपाकर रखने की जानकारी दी। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने 500 ग्राम ड्रग बरामद की। इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत अलग से मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच जवाहरनगर थाना प्रभारी दिनेश सारण कर रहे हैं। जांच अधिकारी नरेश कुमार के अनुसार, चक महाराजका निवासी सहजप्रीत सिंह और परमिंद्र सिंह जुलाई 2023 में यूके चले गए थे। दोनों दानीरामवाला निवासी सोनू कुम्हार की हत्या और शव नष्ट करने के मामले में चूनावढ़ पुलिस के वांछित आरोपी हैं।

■ **पूछताछ में गुरविंद्र ने दावा किया कि नेटवर्क से जुड़े लोगों ने अब तक 6 क्विंटल से अधिक अफीम,15 किलो से ज्यादा आइस ड्रग, 12 पिस्टल और करीब 100 कारतूस की तस्करी की है**

पुलिस पूछताछ में गुरविंद्र ने बताया कि यूके में बैठे सहजप्रीत और परमिंद्र ड्रग व हथियारों की सप्लाई का नेटवर्क चला रहे थे। पुलिस के अनुसार, इनके जरिए भेजे गए नशे और हथियार गुरविंद्र सहित कुछ अन्य युवकों के माध्यम से आगे बेचे जाने की बात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में गुरविंद्र ने दावा किया कि नेटवर्क से जुड़े लोगों ने अब तक 6 क्विंटल से अधिक अफीम,15 किलो से ज्यादा आइस ड्रग, 12 पिस्टल और करीब 100 कारतूस की तस्करी की है। पुलिस को आशंका है कि ड्रग और हथियार पाकिस्तानी हैंडलर्स की मदद से ड्रोन के जरिए सीमा क्षेत्र में गिराए जाते थे। इसके बाद स्थानीय नेटवर्क के माध्यम से इन्हें आगे पहुंचाया जाता था। पुलिस इन दावों की जांच कर रही है।

पुलिस को गुरविंद्र के कब्जे से पंजाब के 60 से ज्यादा बैंक खातों की पासबुक मिलने की बात सामने आई है। पुलिस के अनुसार, इन खातों में करोड़ों रुपये की ट्रांजेक्शन का पता चला है। आशंका है कि ड्रग और हथियारों से जुड़े पैसों को इन खातों के जरिए इधर-उधर किया जाता था। पुलिस ने संबंधित बैंकों से खातों की ट्रांजेक्शन हिस्ट्री मांगी है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि ये खाते किन लोगों के नाम पर हैं और इनके संचालन में गुरविंद्र की क्या भूमिका थी। जांच में गुरविंद्र के एक युवती से संबंध होने की बात भी सामने आई है। पुलिस के अनुसार, युवती के परिवार को यह रिश्ता मंजूर नहीं था। आरोप है कि परिवार को डराने के लिए उनके घर पर फायरिंग करवाई गई थी। इस मामले में भी पुलिस गुरविंद्र की भूमिका की जांच कर रही है।

बाल वाहिनी से कुचलकर छात्रा की मौत

हनुमानगढ़, (निसं)। हनुमानगढ़ के कोहला में मंगलवार को एक निजी स्कूल की बाल वाहिनी से कुचलकर पांच साल की छात्रा दीपिका की मौत हो गई। छात्रा की मौत के बाद ग्रामीणों ने निजी स्कूलों और बाल वाहिनियों में सुरक्षा मानकों की जांच के लिए कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।

जानकारी के अनुसार दीपिका राजकीय स्कूल से छुट्टी के बाद घर लौट रही थी। इसी दौरान स्वामी विवेकानंद विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक स्कूल की बस की चपेट में आने से उसकी जान चली गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि स्कूल बस तेज रफ्तार और लापरवाही से चलाई जा रही थी। बस के टायर तले कुचलने से दीपिका की मौत हुई। ग्रामीणों के अनुसार घटना के समय बस में हेल्पर भी मौजूद नहीं था। घटना के अगले दिन बुधवार को कोहला के ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने जिले के सभी निजी स्कूलों और बाल वाहिनियों में सुरक्षा मानकों की जांच कराने तथा सामने आने वाली कमियों को दूर करने की मांग की। ग्रामीणों ने मांग की कि सभी बाल वाहिनियों में सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए। इनमें सीसीटीवी कैमरे सहित अन्य जरूरी सुरक्षा व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

सिंघाना के गुजरवास गांव के पास खेतों में लगी आग से फसल जली

सिंघाना, (निसं)। सिंघाना क्षेत्र के गुजरवास गांव के पास बुधवार दोपहर खेतों में अचानक आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। तेज हवा के बीच आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और खेतों में काटकर रखी बाजरे व ग्वार की फसल को अपनी चपेट में ले लिया। आग तेजी से फैलने के कारण किसानों और ग्रामीणों में हड़कंप मच गया।

आग लगने की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और पानी व अन्य संसाधनों की मदद से आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। हालांकि, तेज हवा के कारण आग लगातार एक खेत से दूसरे खेत की ओर फैलती रही। आग की लपटों ने खेतों में काटकर रखी फसल को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे किसानों की महीनों की मेहनत देखते ही देखते राख में बदल गई। घटना की सूचना मिलने पर केसीसी प्रोजेक्ट और खेतड़ी नगरपालिका की दमकलें मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मचारियों ने कई स्थानों पर फैल चुकी आग पर पानी का लगातार छिड़काव कर आग बुझाने का प्रयास किया। ग्रामीण भी दमकलकर्मियों के साथ आग बुझाने में जुटे रहे। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि, तब तक खेतों में काटकर रखी बाजरे और ग्वार की बड़ी मात्रा में फसल जलकर राख हो चुकी थी। किसानों के अनुसार आगजनी में लाखों रूपए की फसल का नुकसान होने का अनुमान है। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है।

मंदिर की जमीन पर अतिक्रमण का आरोप

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी थाना क्षेत्र के पपूरना गांव स्थित माता शाकंभरी मंदिर के पास की जमीन पर कथित अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों ने बुधवार को उपखंड अधिकारी सुनील चौहान को ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। शाकंभरी माता मंदिर समिति के महीपाल सिंह निर्वाण ने बताया कि मंदिर के पास स्थित जमीन पर शैलेंद्र मेहरा आदि द्वारा पहले तारबाड़ की गई और अब वहां टीन शेड लगाकर पक्का अतिक्रमण करने का प्रयास किया जा रहा है।

स्कूल व्याख्याता भर्ती परीक्षा की अंतिम उत्तर कुंजी में हाईकोर्ट का हस्तक्षेप से इनकार

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) की ओर से आयोजित स्कूल व्याख्याता भर्ती परीक्षा की अंतिम उत्तर कुंजी और चयन प्रक्रिया को चुनौती देने वाली तीन याचिकाओं को खारिज कर दिया है। राजस्थान हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब अभ्यर्थियों की आपत्तियों पर विशेषज्ञ समिति विचार कर चुकी हो और संबंधित अध्ययन सामग्री के आधार पर अंतिम उत्तर कुंजी तैयार की गई हो, तब केवल व्यक्तिगत अभ्यर्थियों की अलग राय के आधार पर उत्तर कुंजी में न्यायिक हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता। जस्टिस कुलदीप माथुर की एकलपीठ ने यह आदेश कृष्णा पालीवाल व अन्य की ओर से दायर याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिया हैं।

■ **चयन प्रक्रिया को चुनौती देने वाली तीन याचिकाएं खारिज**

कृष्णा पालीवाल, गोसाई राम और रमेश कुमार ने आरपीएससी की ओर से 25 अक्टूबर 2024 को जारी विज्ञापन के तहत स्कूल व्याख्याता पद की चयन प्रक्रिया में भाग लिया था। संबंधित याचिकाएं अंग्रेजी, भूगोल, सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन के प्रश्नों की अंतिम उत्तर कुंजी को लेकर दायर की गई थीं। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि कुछ प्रश्नों के उत्तर गलत निर्धारित किए गए और यदि उनका सही मूल्यांकन किया जाता अथवा विवादित प्रश्न हटाए जाते तो उनके अंक बढ़ सकते थे और उनका चयन हो सकता था। याचिकाकर्ताओं के अनुसार लिखित परीक्षा के बाद उन्हें दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया गया था, लेकिन अंतिम चयन सूची जारी होने पर उनके नाम न तो मुख्य चयन सूची में आए और न ही आरक्षित सूची में। इसके बाद उन्होंने अंतिम उत्तर कुंजी में कथित त्रुटियों को चुनौती दी।

आरपीएससी की ओर से इन दलीलों का विरोध करते हुए कहा गया कि परीक्षा के बाद मॉडल उत्तर कुंजी जारी कर अभ्यर्थियों से निर्धारित प्रक्रिया के तहत आपत्तियां मांगी गई थीं। अभ्यर्थियों की ओर से प्राप्त आपत्तियों को विशेषज्ञ समिति के समक्ष रखा गया और समिति ने संबंधित सामग्री एवं उपलब्ध स्त्रोतों के आधार पर उनका परीक्षण करने के बाद उत्तरों को सही मानते हुए अंतिम उत्तर कुंजी तैयार की। हाईकोर्ट ने कहा कि आरपीएससी ने अभ्यर्थियों को मॉडल उत्तर कुंजी पर आपत्ति दर्ज कराने का पूरा अवसर दिया था। प्राप्त आपत्तियों को विशेषज्ञ समिति के समक्ष रखा गया और समिति ने संबंधित प्रकाशित सामग्री के आधार पर उनका परीक्षण कर उत्तर कुंजी को अंतिम रूप दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि ऐसी स्थिति में अंतिम उत्तर कुंजी को केवल अलग-अलग अभ्यर्थियों द्वारा व्यक्त की गई प्रतिस्पर्धी राय के आधार पर न्यायिक जांच के लिए नहीं खोला जा सकता। यदि परीक्षा का परिणाम किसी अभ्यर्थी के पक्ष में नहीं रहा है, तो मात्र इसी आधार पर मूल्यांकन प्रक्रिया को दोबारा शुरू करने की मांग नहीं की जा सकती। इन सभी तथ्यों और कानूनी स्थिति पर विचार करने के बाद हाईकोर्ट ने माना कि अंतिम उत्तर कुंजी अथवा चयन प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने के लिए कोई अवैधता, मनमानी या विकृति सामने नहीं आई है।

भरतपुर के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान महिला की मौत का आरोप

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान महिला की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। परिजनों ने अस्पताल स्टाफ पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में तोड़फोड़ कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और परिजनों से समझाइश की। मृतका की पहचान रेनू पत्नी सोमवीर, निवासी बरौली चौथ, जिला डीग के रूप में हुई है।

■ **परिजनों ने अस्पताल स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाकर हंगामा और तोड़फोड़ कर दी**

सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर स्थिति संभाली और परिजनों से समझाइश की।

जानकारी के मुताबिक रेनू को पेट दर्द की शिकायत के चलते 6 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों के अनुसार, अस्पताल में इलाज चल रहा था। इसके बाद 7 अक्टूबर की सुबह करीब 6 बजे इलाज के दौरान रेनू की मौत हो गई।

सीओ सिटी आशिमा वासवानी ने बताया कि महिला की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में आक्रोश फैल गया। परिजनों ने अस्पताल स्टाफ पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान अस्पताल में तोड़फोड़ भी की गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस लाइन से भी अतिरिक्त जाप्ता बुलाया गया और स्थिति को संभाला। पुलिस ने आक्रोशित परिजनों से समझाइश की। समझाइश के बाद परिजन शव को बिना पोस्टमार्टम कराये अपने गावं ले गये।

थाना कोतवाल के प्रभारी तेजपाल ने बताया कि निजी अस्पताल में रेनू नाम की महिला की मौत की सूचना मिली थी। परिजनों ने अस्पताल पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने आक्रोशित परिजनों से समझाइश की। समझाइश के बाद परिजन शव को बिना पोस्टमार्टम कराये अपने गावं ले गये।

हर घर ज्योत अभियान का शुभारंभ 8 से

पोकरण, (निसं)। रामदेवरा बाबा रामदेवजी के देशभर में फैले भक्तों को उनके जीवन, विचारों और आदर्शों से जोड़ने के उद्देश्य से चलाया जा रहा 'हर घर ज्योत अभियान' वर्ष 2026 के प्रथम चरण में 8 अक्टूबर से गुजरात में शुरू होगा। अभियान का शुभारंभ गुजरात के हिम्मतनगर क्षेत्र से किया जाएगा। इस अवसर पर रामदेवरा से बाबा रामदेवजी के वंशज आनंद सिंह तंवर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। अभियान का प्रथम चरण हिम्मतनगर के साथ भिलोडा, मोडासा, महीसागर और बायड क्षेत्रों में करीब एक सप्ताह तक चलेगा। यह अभियान बाबा रामदेव प्रचार परिषद के गुजरात प्रदेश संयोजक मन्नु दास महाराज के सानिध्य में आयोजित किया जाएगा। अभियान के दौरान गुजरात के विभिन्न क्षेत्रों में स्थित बाबा रामदेवजी के मंदिरों, आश्रमों तथा भक्तों के घरों में बाबा रामदेवजी की ज्योत प्रज्वलित की जाएगी।

रुपये दोगुना करने का झांसा देकर ठगी करने वाला आरोपी गिरफ्त में

भरतपुर, (निसं)। बीएसडीबी बिल्ड कॉर्पोरेशन लिमिटेड कंपनी में निवेश पर पांच साल में रकम दोगुनी करने का झांसा देकर लोगों से ठगी करने के मामले में भरतपुर पुलिस ने आठ साल से फरार पांच हजार रुपये के इनामी स्थायी वारंटी ओमप्रकाश को गिरफ्तार किया है। आरोपी बयाना थाने में दर्ज ठगी के चार मामलों में वांछित था। इसके अलावा पुलिस ने चेक बाउंस के मामले में एक अन्य वारंटी को भी गिरफ्तार किया है।

■ **बीएसडीबी बिल्ड कॉर्पोरेशन लिमिटेड कंपनी में निवेश पर पांच साल में रकम दोगुनी करने का झांसा दिया था, आठ साल से फरार था आरोपी**

पुलिस के अनुसार, 13 मार्च 2018 को शेरगढ़ निवासी रामलाल गुर्जर ने इस्तगासे के जरिए शिकायत दर्ज कराई थी कि 15 दिसंबर 2014 को भारतीय सनसाइन डेवलपर बिल्ड कॉर्पोरेशन लिमिटेड कंपनी के कर्मचारी उसके घर आए थे। उन्होंने बताया कि कंपनी का कार्यालय बयाना की गणेशी मार्केट में है और कंपनी पांच साल में निवेश की गई रकम दोगुनी करके देती है। उनके झांसे में आकर परिवादी ने 19 दिसंबर 2014 को 11,500 रुपये वार्षिक की एक पॉलिसी, 16 जुलाई 2015 को दो लाख रुपये की पॉलिसी, 29 सितंबर 2016 को पांच हजार रुपये मासिक की एक साल की पॉलिसी तथा सात लाख रुपये की एक अन्य पॉलिसी करवाई। बाद में कंपनी का कार्यालय बंद हो गया और कर्मचारी वहां से चले गए।

शिकायत के अनुसार, कंपनी के निदेशकों और संचालकों ने दोगुनी रकम देने का झांसा देकर कथित तौर पर फर्जी बांड, मुहर, चेक, रसीद और अन्य दस्तावेज तैयार किए तथा निवेशकों के साथ ठगी की।

पुलिस अनुसंधान में रामअवतार सिंदरिया, देवकरण, पैमाराम, कुलदीप सिंह और ओमप्रकाश के खिलाफ अपराध प्रमाणित होना बताया गया। आरोपियों के विरुद्ध न्यायालय से स्थायी वारंट जारी हुए थे। ओमप्रकाश पर भरतपुर पुलिस अधीक्षक कार्यालय की ओर से पांच हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस के अनुसार, गत छह अक्टूबर को जिला विशेष टीम ने कार्रवाई करते हुए ओमप्रकाश पुत्र भोमाराम गुर्जर निवासी केरिया खेड़ा, थाना आसींद, जिला भीलवाड़ा को गिरफ्तार किया। उससे मामले में पूछताछ और अनुसंधान किया जा रहा है।

करवास में छठे दिन भी जारी रहा अनिश्चित कालीन धरना, मातृशक्ति ने भरी हुंकार

ज्यादा मतदाता, बड़ा स्कूल...फिर भी करवास के साथ घोर अन्याय

2 अक्टूबर से शुरू हुआ धरना बुधवार को 6 वें दिन भी जारी रहा।

- छठे दिन भी गूंजी हक की आवाज, ग्रामीणों ने प्रशासन को दी खुली चुनौती
- करवास के ग्रामीणों ने सुझाया बीच का रास्ता-बालकान की ढाणी में बने मतदान केंद्र

कोटपूतली । लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव यानी मतदान में अपने मताधिकार को सुरक्षित रखने और गांव के भीतर ही पृथक मतदान केंद्र (पोलिंग बूथ) स्थापित करने की मांग को लेकर ग्राम करवास के ग्रामीणों का आक्रोश सातवें आसमान पर है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती 02 अक्टूबर से शुरू हुआ ग्रामीणों का यह बेमियादी धरना बुधवार को लगातार 06 वें दिन भी पूरी ताकत के साथ बदस्तूर जारी रहा। बुधवार को धरने की अध्यक्षता सीताराम प्रजापत ने की। धरने का नेतृत्व कर रहे ओमप्रकाश आर्य ने कहा कि यदि करवास में स्वतंत्र बूथ नहीं दिया जा सकता, तो बनका पंचायत के ही एक हिस्से 'बालकान की ढाणी' रोड पर स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में मतदान केंद्र बनाया जाए। यह स्थान बीच में पड़ता है और इससे ग्रामीणों की समस्या का काफी हद तक समाधान हो सकता है। उन्होंने बताया कि इस आंदोलन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इस धरने पर अब तक किसी भी राजनीतिक दल का कोई प्रतिनिधि नहीं पहुंचा है और ग्रामीण अपने दम पर हक की लड़ाई लड़ रहे हैं। ग्रामीणों ने रोष जताते हुए कहा कि प्रशासन, तहसीलदार, पटवारी और कानूनगो की एकतरफा रिपोर्टों पर भरोसा कर रहा है। उनकी मुख्य मांग है कि अधिकारियों द्वारा ग्रामीणों की मौजूदगी में रास्ते का निष्पक्ष भौतिक सत्यापन किया जाए, लेकिन प्रशासन ना तो रास्ते की सुध ले रहा है और ना ही जनता के सामने सत्यापन करने को तैयार है। धरणार्थी ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि जब तक समस्या का समाधान नहीं हो जाता, दोबारा निष्पक्ष भौतिक सत्यापन नहीं होता और करवास-बनका मुख्य मार्ग से जलभराव खत्म कर पक्की सड़क नहीं बनती, तब तक यह आंदोलन समाप्त नहीं होगा और आने वाले दिनों में इसे और उठा किया जाएगा। ग्रामीणों ने कहा कि प्रशासनिक अधिकारियों ने वातानुकूलित कमरों में बैठकर, जमीनी रास्तों का वास्तविक भौतिक सत्यापन किए बिना महज 'गूगल मैप्स' के सहारे कागजी खानापूर्ति कर ली है। कागजों में करवास से बनका मतदान केंद्र की दूरी को महज 3 से 3.5 किलोमीटर का सीधा और सुगम मार्ग दर्शा दिया गया है, लेकिन हकीकत में यह रास्ता खौफनाक नदी-नालों का दलदल है। ग्रामीणों ने प्रशासन को खुली चुनौती देते हुए कहा कि जिस रास्ते को सुगम बताया गया है, वहां 5 से 20 फीट चौड़े नाले हमेशा कीचड़ और गंदे पानी से लबालब भरे रहते हैं। इसके अलावा ऊपर से गुजरने वाला स्टेट हाईवे बिना किसी कट, अंडरपास या ओवरब्रिज के एक 'डेथ हाईवे' बन चुका है। पानी की निकासी के लिए बना 5 5 फीट का संकरा होल भी हमेशा ब्लॉक रहता है। ग्रामीणों ने दोटूक कहा कि अगर प्रशासन का कोई भी अधिकारी इस दिखाए गए रास्ते या संकरे होल से निकलकर दिखा दे, तो ग्रामीण अपनी मांग तुरंत छोड़ देंगे और उसी रास्ते से मतदान के लिए चले जाएंगे। ग्रामीणों ने प्रशासन पर राजनीतिक रसूखदारों के ईशारे पर काम करने का संगीन आरोप लगाते हुए 2011 की जनगणना के चौंकाने वाले आंकड़े पेश किए हैं। आंकड़ों के मुताबिक ग्राम करवास की कुल आबादी 1655 है और यहां कुल 1316 मतदाता हैं। गांव में 12 वीं तक का राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय है और कुल 5 वार्ड हैं। इसके विपरीत ग्राम बनका (मुख्यालय जिसे बूथ मिला है) की कुल आबादी 1691 है, लेकिन वहां करवास से कम (1258) मतदाता हैं।

छात्राओं ने चार्ट के माध्यम से दिया जागरूकता का संदेश

पावटा। माध्यमिक विद्यालय पावटा में बुधवार को ब्लॉक स्तरीय किशोरी शैक्षिक उत्सव एवं किशोरी मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी धर्मवीर जिंदोलिया रहे, जबकि अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्य संतोष कुमार मीणा ने की। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि किशोरावस्था जीवन का महत्वपूर्ण चरण है। इस दौरान किशोर-किशोरियों में शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक बदलाव होते हैं।

कोटपुतली में 25 दिव्यांगों को कंबल बांटे

कोटपूतली । सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग तथा महात्मा बुद्ध संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में बुधवार को भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला कलक्टर के निर्देशानुसार चलाए जा रहे समाज कल्याण सप्ताह के अंतर्गत डाबला रोड स्थित स्वयंसिद्धा आश्रम में विशेष योग्यजन कल्याण दिवस एवं समाज कल्याण सप्ताह समापन समारोह पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के सचिव डॉ. एच. एन. धोलीवाल ने वरिष्ठ नागरिकों और विशेष योग्यजनों को संबोधित किया। उन्होंने भारतीय संस्कृति के मूल मंत्र को दोहराते हुए कहा कि 'नर सेवा ही नारायण सेवा है'। डॉ. धोलीवाल ने समाज के हर वर्ग से अपील की कि हमें दीन-दुखियों, बेघर, निराश्रित, असहाय और दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए और उनकी सेवा को अपने जीवन का मुख्य ध्येय बनाना चाहिए। उपप्राचार्य उमराव लाल ने कहा कि समाज के वंचित और पीड़ित वर्ग को सुरक्षा, संरक्षण और उचित माहौल देना हम सभी का दायित्व है।

3 से 7 पीढ़ियों तक का विवरण शामिल

टोंक। पूर्व रियासत टोंक के नौ नवाबों के खानदानों की वंशावली (शिजरा) पहली बार पूर्ण रूप से तैयार की गई है। इसमें प्रत्येक खानदान की 3 से 7 पीढ़ियों तक का विवरण शामिल किया गया है। पूर्व नवाब आफताब अली खां ने शिजरे को प्रकाशन के लिए जारी करते हुए इसकी सफलता की शुभकामनाएं दीं। याकूब अली खां ने बताया कि टॉक के नवाबों के खानदानों का शिजरा पहली बार असगर अली आबरू ने वर्ष 1901 में उर्दू में श्हदीका-ए-राजस्थान टॉकश नाम से प्रकाशित किया था। इसमें चार नवाबों के खानदान का विवरण नवाब इब्राहीम अली खां के मध्य दौर तक था और केवल दो पीढ़ियों का उल्लेख किया गया था। उन्होंने बताया कि इसके बाद अन्य वंशजों ने भी अपने-अपने खानदानों की वंशावली हस्तलिखित या प्रकाशित रूप में तैयार करवाई।

टोंक में राज्य स्तरीय अंडर-17 हॉकी प्रतियोगिता का भव्य समापन

- श्रीगंगानगर बना विजेता व भीलवाड़ा उपविजेता

टोंक। जिला मुख्यालय स्थित मदरलैंड सीनियर सेकेंडरी स्कूल में सात दिवसीय आयोजित 70वीं राज्य स्तरीय माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालयी क्रीड़ा प्रतियोगिता के छात्र वर्ग अंडर-17 हॉकी का बुधवार को भव्य एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में समापन हुआ।

सात दिनों तक चले इस रोमांचक खेल महाकुंभ में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए युवा हॉकी खिलाड़ियों ने अपने शानदार खेल कौशल, अनुशासन और खेल भावना से खेल प्रेमियों का दिल जीत लिया। मदरलैंड के निदेशक कमलेश सिंगोदिया ने बताया कि प्रतियोगिता के खिताबी मुकाबले में श्रीगंगानगर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए भीलवाड़ा को 1-0 से पराजित कर विजेता का खिताब अपने नाम किया। दोनों टीमों के बीच मुकाबला बेहद रोमांचक रहा। शुरुआती तीन क्वार्टर में दोनों टीमें गोल के लिए संघर्ष करती रहीं और स्कोर 0-0 रहा। निर्णायक चौथे क्वार्टर में श्रीगंगानगर ने महत्वपूर्ण गोल दागकर मुकाबले का रुख अपनी ओर कर लिया और अंत तक बढ़त कायम रखते हुए खिताब पर कब्जा जमाया। प्रतियोगिता में प्रदेश भर की 40 टीमों के 702 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। गांधी खेल मैदान एवं सआदत पैवेलियन ग्राउंड पर हुए मुकाबलों में खिलाड़ियों ने तेज रफ्तार, शानदार पासिंग, ड्रिब्लिंग, आक्रमण और बेहतरीन गोल कीपिंग का प्रदर्शन किया। मुकाबलों को देखने के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी भी मैदान पर मौजूद रहे। समापन समारोह के मुख्य अतिथि मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार शर्मा, अध्यक्ष मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी हेमन्त कुमार दीक्षित व विशिष्ट अतिथि पार्षद रामदेव गुर्जर तथा खेल प्रशिक्षक अनिल गुप्ता रहे, जिन्होंने विजेता एवं उप विजेता टीम के खिलाड़ियों को ट्रॉफी, पदक एवं प्रमाण- पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए अतिथियों ने कहा कि खेल केवल जीत- हार का माध्यम नहीं बल्कि अनुशासन, संघर्ष, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का सबसे प्रभावी माध्यम है। खिलाड़ियों को हार से सीख लेकर निरंतर आगे बढ़ने तथा खेल के साथ शिक्षा पर भी समान रूप से ध्यान देने का संदेश दिया गया। आयोजन समिति एवं मदरलैंड सीनियर सेकेंडरी स्कूल के निदेशक कमलेश सिंगोदिया ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए शिक्षा विभाग, निर्णायकों, शारीरिक शिक्षकों, प्रशिक्षकों, खिलाड़ियों, अभिभावकों एवं सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त कियें।

सरपंच प्रत्याशी के लिए जाली ओबीसी प्रमाण पत्र बनाया

कोटपूतली । पंचायतीराज चुनावों की सरगर्मी के बीच क्षेत्र की पवाना अहीर ग्राम पंचायत से एक बेहद गंभीर और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहाँ एक महिला सरपंच प्रत्याशी को चुनावी पात्रता दिलाने के लिए फर्जी ओबीसी प्रमाण पत्र तैयार करने का सनसनीखेज आरोप लगा है। मामला उजागर होने के बाद से स्थानीय प्रशासनिक हल्कों और चुनावी गलियारों में हड़कंप मच गया है। ग्रामीणों के एक प्रतिनिधि मंडल ने बुधवार को सामाजिक कार्यकर्ता राधेष्याम शुक्लावास के नेतृत्व में उपखण्ड कार्यालय पहुंचकर एसडीएम योगेष सिंह देवल को ज्ञापन सौंपा हैं। सामने आई जानकारी के अनुसार पवाना अहीर की महिला सरपंच प्रत्याशी का पीहर (मायका) पड़ोसी राज्य हरियाणा में स्थित है। आरोप है कि कोटपूतली के एक ई-मित्र संचालक ने नियमों को ताक पर रखकर मिलीभगत और एडिटिंग के जरिए इस महिला प्रत्याशी के नाम से एक फर्जी ओबीसी प्रमाण पत्र तैयार कर दिया। इस पूरे फर्जीवाडे की सबसे गंभीर बात यह है कि ई-मित्र संचालक ने प्रमाण पत्र को असली रूप देने के लिए उस पर उपखंड अधिकारी (एसडीएम) के हस्ताक्षर भी कथित तौर पर फर्जी तरीके से अंकित (स्कैन या एडिट) कर दिए। सरकारी दस्तावेजों और उच्चाधिकारी के हस्ताक्षरों के साथ हुई इस धोखाधडी ने प्रशासन को भी चौंका दिया है। जैसे ही इस पूरे फर्जीवाड़े की भनक पवाना अहीर क्षेत्र के लोगों को लगी, ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया।

कानून-व्यवस्था को लेकर सख्त निर्देश दिए

मनोहरपुर । मनोहरपुर कस्बे में कानून-व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने के उद्देश्य से जिला पुलिस अधीक्षक (एसपी) हनुमान प्रसाद ने मंगलवार को मनोहरपुर थाने का औचक निरीक्षण किया। एसपी के अचानक थाने पहुंचने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। थाना परिसर पहुंचने पर डीएसपी लक्ष्मीनारायण सैनी और थानाधिकारी आशुतोष कुमार ने पौधा भेंट कर एसपी का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान पुलिस जवानों ने एसपी को सलामी दी और गार्ड ऑफ ऑनर पेश किया । एसपी हनुमान प्रसाद ने थाने में रहकर हर व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया।

सबसे पहले उन्होंने संतरी पहरा, हवालात, मालखाना और रिकॉर्ड रूम का निरीक्षण किया। सीसीटीएनएस सिस्टम पर दर्ज एफआईआर और उनकी प्रगति को चेक किया। महिला हेल्प डेस्क और स्वागत कक्ष की व्यवस्थाएं देखीं और वहां मौजूद परिवादियों से भी बातचीत की। थाने के शस्त्रागार और वाहनों की स्थिति का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने थाने में लंबित पड़े पुराने मामलों की फाइलें देखीं और एसएचओ को निर्देश दिए कि सभी लंबित प्रकरणों का निस्तारण कर रिपोर्ट पेश की जाए। बाद में एसपी ने डीएसपी और एसएचओ के साथ अपराध समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने कहा पुलिस का पहला काम जनता में विश्वास पैदा करना है। थाने में आने वाले हर फरियादी की बात इज्जत से सुनी जाए और उसकी शिकायत पर त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई हो। कोई भी पीड़ित थाने से निराश होकर न लौटे। कस्बे में रात 2 बजे तक युवाओं के नशे में घूमने और फट-फट साइलेंसर वाली बाइकों से हो रही परेशानी पर तुरंत रोक लगाई जाए। रात में पुलिस लगातार गश्त करें। बिना हेलमेट, तीन सवारी और तेज आवाज वाले साइलेंसरों पर विशेष अभियान चलाकर सख्त कार्रवाई की जाए। कस्बे में अवैध शराब और नशीले पदार्थ बेचने वालों को चिन्हित करे ।

सेवा सेतु अभियान के शिविर 16 अक्टूबर तक

कोटपूतली । राज्य सरकार के निर्देशानुसार आमजन को विभिन्न नागरिक सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सेवा सेतु अभियान-2026 के तहत नगर परिषद कार्यालय कोटपूतली में 7 अक्टूबर से 16 अक्टूबर 2026 तक 8 कार्य दिवसीय शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। सभी शिविर नगर परिषद कार्यालय में आयोजित होंगे तथा इनका कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण नगर परिषद क्षेत्र रहेगा। अभियान के तहत शिविरों का आयोजन 8, 9, 12, 13, 14, 15 एवं 16 अक्टूबर 2026 को किया जाएगा। शिविरों का समय प्रातः 10:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। सेवा सेतु अभियान के तहत शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ-साथ सीसी एवं डामर सड़कों की मरम्मत तथा पेचवर्क, स्ट्रीट लाइटों का रख-रखाव एवं खराब लाइटों को दुरुस्त करने के कार्य किए जाएंगे। अंधेरी एवं सुनसान सड़कों पर आवश्यकतानुसार नई स्ट्रीट लाइटें लगाने के साथ प्रमुख चौराहों, डिवाइडरों, पार्कों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों के रख-रखाव से संबंधित कार्य भी किए जाएंगे। शिविरों में नालियों की मरम्मत, फेरोकवर एवं मैनहोल्स को दुरुस्त करने, सीवर लाइन लीकेज की समस्या का समाधान करने तथा आवश्यकतानुसार नए सीवर कनेक्शन जारी करने की कार्यवाही की जाएगी। अभियान के दौरान नागरिकों को लीज होल्ड से फ्री होल्ड पट्टे जारी करने के साथ अनुमोदित योजनाओं के पट्टे, धारा 69-ए, 91-ई, 50-बी एवं 60-सी के तहत पट्टे जारी करने संबंधी कार्यवाही की जाएगी। इसके अतिरिक्त भू-उपयोग परिवर्तन, नामांतरण, उपविभाजन एवं पुनर्गठन, खांचा भूमि से संबंधित प्रकरणों का निस्तारण, लीज मुक्ति प्रमाण-पत्र तथा भवन निर्माण स्वीकृति से जुड़े प्रकरणों का भी निस्तारण किया जाएगा। नागरिकों को यूडी टैक्स जमा कराने की सुविधा भी शिविर में उपलब्ध रहेग । शिविरों में आमजन के लिए जन्म, मृत्यु एवं विवाह पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके साथ ही फायर एनओसी, ट्रेड लाइसेंस, साइनेज लाइसेंस, ओएफसी एवं मोबाइल टावर एनओसी तथा ईडब्ल्यूएस प्रमाण-पत्र जारी करने से संबंधित कार्य भी किए जाएंगे। सेवा सेतु अभियान के दौरान विभिन्न विभागों की फ्लैगशिप एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के आवेदन प्राप्त कर पात्र नागरिकों को लाभान्वित किया जाएगा। वृद्धावस्था, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन के लिए नए आवेदन भी लिए जाएंगे तथा लंबित प्रकरणों के संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। नगर परिषद प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथियों में नगर परिषद कार्यालय में आयोजित शिविरों में पहुंचकर उपलब्ध सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ उठाएं तथा आवश्यक दस्तावेज साथ लेकर आएं।

भाजपा ने निकाली सेवा ज्योति कलश यात्रा, विकसित भारत का संदेश

पीएम मोदी के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी ने सेवा ज्योति कलश यात्रा निकाली ।

- एक दशक के भीतर 25 करोड लोग गरीबी सेवा से बाहर आए हैं

भरतपुर (निसं)। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिवस की श्रृंखला सेवा संकल्प अभियान के तहत एवं प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा और समर्पण के रूप में 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में भारतीय जनता पार्टी द्वारा सेवा ज्योति कलश यात्रा निकाली गई। सेवा ज्योति कलश यात्रा जिला अध्यक्ष शिवानी दायमा के नेतृत्व में तथा जिला प्रभारी मंत्री सुरेश रावत के मुख्य आतिथ्य में यातायात चौराहे से प्रारंभ कर पैदल मार्च करते हुए बिजली घर पर जाकर संपन्न हुई। जबकि ज्योति कलश पूर्व कमांडेंट ओमवीर सिंह के हाथों ले जाया गया। ज्योति यात्रा से पूर्व एमएसजे कॉलेज ग्राउंड में सुबह वंदे मातरम का गायन हुआ तत्पश्चात माननीय मुख्यमंत्री, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जनता के नाम वर्चुअल संबोधन हुआ । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा की जनता का विश्वास ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है सार्वजनिक जीवन और शासन में अपने 25 साल पूरे होने पर सेवा, समर्पण, उद्देश्य और साहस के मूल्य पर जोर दिया। देश की प्रगति के प्रति प्रतिबद्धता जताते हुए कहा कि वी विल डू इट श्हम यह करेंगेश् का नारा दिया और प्रधानमंत्री ने विकसित भारत 2047 के सामूहिक संकल्प को कई बार दोहराया कि हम विकसित भारत का निर्माण करेंगे। गरीबी उन्मूलन का जिक्र करते हुए कहा कि एक दशक के भीतर 25 करोड लोग गरीबी सेवा से बाहर आए हैं देश की अर्थव्यवस्था को लेकर कहा कि भारत को प्रजायल फाइव ष्कमजोर पांचष् देश से निकलकर टॉप फाइव वाली अर्थव्यवस्था में शामिल किया गया है । भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय नितिन नवीन ने अपने संबोधन में कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन और जन सेवा के 25 साल की यात्रा अनवरत अविचल और अथक रही है प्रधानमंत्री ने गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर देश के प्रधानमंत्री तक कई ऐतिहासिक फैसले किए हैं इसलिए आज का दिन भारत के इतिहास में याद रहेगा। मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओ, बुनियादी ढांचे, राष्ट्रीय सुरक्षा और महिलाओं की सशक्तिकरण का भी उल्लेख किया। नितिन नवीन ने विकसित भारत 2047 के संकल्प को पूरा करने के लिए कार्यकर्ताओं से निरंतर काम करते रहने का भी आह्वान किया।

आम-सूचना "नरेश कुमार नायक पुत्र श्री सत्यनारायण नायक योजना वृन्दावन विहार के भूखण्ड सं. 80-ए के मूल दस्तावेज गुम हो गये है जिस बावत श्रीमती रुकैय्या द्वारा गुमशुदगी रपट सं. 7 दिनांक 02.01.2017 को पुलिस थाना वैशाली नगर, जयपुर में दर्ज करवाई है तथा उक्त रिपोर्ट की प्रतिलिपि, शपथ पत्र एवं विक्रय पत्र को समिति कार्यालय में प्रस्तुत किये तथा डुप्लीकेट पट्टा जारी करने बावत समिति से कहा गया। यदि उक्त भूखण्ड का डुप्लीकेट पट्टा, रसीद व साईड प्लान जारी करने के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था, समिति या संगठन को कोई आपत्ति हो तो वो समिति कार्यालय में या मेरे कार्यालय में उक्त सूचना के प्रकाशन से 07 दिवस की अवधि में सूचित करे, अन्यथा बाद मियाद गुजरने के कोई उज्र मान्य नही होगा।
(हेमन्त कुमार पलोड) एडवोकेट, मोबाईल नं. 9314511091

आम-सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा अभिभाष्य सुनील कुमार नवाल पुत्र स्व. श्री बजरंगलाल नवाल, आयु-58 वर्ष, निवासी-फ्लैट नं. 117, ब्लॉक नम्बर-5, रंगोली गार्डन, महाराणा प्रताप मार्ग, पांच्यावाला, जयपुर का है, जिनका पुत्र कार्तिक नवाल मेरे अभिभाष्य के कहने में नही है और मेरे अभिभाष्य तथा उसकी पत्नी श्रीमती सीमा नवाल को ब्लैकमेल करता रहता है। इस कारण मेरा अभिभाष्य अपने पुत्र को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता है, आज के पश्चात् मेरे अभिभाष्य के पुत्र से मेरे अभिभाष्य व उसकी पत्नी का कोई संबंध नही है एवं मेरे अभिभाष्य व उसकी पत्नी की सम्पत्ति में उसका कोई हक व अधिकार नही होगा और जो कोई इससे किसी प्रकार का संव्यवहार, लेन-देन अथवा कोई सामाजिक संबंध स्थापित करेगा तो वह अपनी स्वयं की जिम्मेदारी पर करेगा।
जयपुर (सुनील कुमार शर्मा) एडवोकेट
दिनांक : 07/10/2026 मो.नो 9414054768

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय ADJ चाकसू स्थान.....
नाथूलाल विरूद्ध रामजीलाल
वाद बाबत 99/26
बनाम प्रदीप कुमार पुत्र रामदास अरोडा निवासी 141-ए, डब्ल्यू.एच.ओ. कॉलोनी अम्बाबाडी, जयपुर, राज. ... ने आपके विरूद्ध ..... के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 17 माह 11 सन 2026 को दिन में 10.30 ए.एम. बजे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक अनुदेश दिए गये हो और जो इस प्रार्थना पत्र से सम्बन्धित सभी वारदान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आपस उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करे, जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखि/सुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या सुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप मे निर्भर करते है तो आप ऐसे दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ठ करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होगे तो प्रार्थना पत्र की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।
यह प्रार्थना पत्र ता. 07 माह 10 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
आज्ञा से-शरिस्तेदार
मोहर अदालत अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश जयपुर महानगर प्रथम चाकसू

खोया पाया
मेरे मकान 13/289 मालवीय नगर जयपुर का मूल नियमितीकरण, नोड्यूज सर्टिफिकेट- जवाहर सर्किल पर कहीं गिर गए हैं मिलने पर सूचित करें- सुषमा गुप्ता 9799327748
मेरे मकान 13/297 मालवीय नगर जयपुर का मूल नियमितीकरण, नोड्यूज सर्टिफिकेट- जे.एल.एन. मार्ग पर कहीं गिर गए है मिलने पर सूचित करें- सुषमा गुप्ता 9799327748
आवास सं 13/451 मानसरोवर जयपुर का मूल कब्जा पत्र व अदेय प्रमाण पत्र गिर/गुम हो गया मिलने पर सूचित करे। Abhya Johri मो. 9509973719
मेरे भूखंड सं. सी-2 तोपखानादेश गृह निर्माण सहकारी समिति लि. की योजना देवी चिरंजीवी कॉलोनी जयपुर का मूल जे.डी.ए.पट्टा,साईट प्लान एवं पट्टे के साथ लगे स्टाम्प पेपर और पंजीकृत वसीयतनामा कही गुम हो गयी है सूचित करे। वसुंधरा शर्मा मो.8890429762
प्लॉट संख्या- A-15, हरचन्दपुरा डेयरी योजना, जे डी ए द्वारा जारी मूल कब्ज़ा पत्र एवं आवंटन पत्र गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करे। मोहन लाल यादव-9314048864
इंद्रप्रस्थ कॉलोनी, वैशाली नगर, जयपुर प्लॉट नं. 13-A के पट्टा, साइट प्लान, रसीद एवं अरविंद नगर गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड, जयपुर के संबंधित दस्तावेज कहीं गुम हो गए है। मिलने पर सूचित करें। नवीन बैद, मो.9435196380

नाम परिवर्तन
मेरा नाम कमला शंकर शर्मा (Kamala Shankar Sharma) पुत्र गिरधारी लाल शर्मा था। मैंने बदलकर कमला शंकर शर्मा (Kamla Shankar Sharma) रख लिया है। भविष्य में मुझे कमला शंकर शर्मा (Kamla Shankar Sharma) के नाम से जाना जावें। प्लॉट नं.-65, जय भारत नगर, गुर्जर की थडी, जयपुर

नम्बर मिलाइए
8890333139
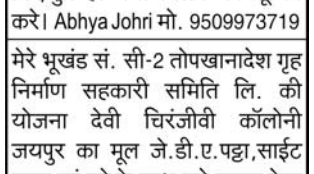
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

खोया पाया
मेरे मकान 31/61/5, मानसरोवर जयपुर का मूल आवंटन पत्र 2/10/2026 को वरुण पथ पर गिर/ गुम हो गए मिलने पर सूचित करें- सत्यनारायण- 9828048075

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त- प्रथम
राजस्थान आवासन मंडल, वृत- प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक: 802 जाहिर आम सूचना दिनांक: 12.05.2026
राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना में आवास / फ्लैट संख्या 164 / 286 (MIG-B) का आवंटन श्री प्रकाश चन्द पुत्र श्री गोविन्द सिंह को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 4502 दिनांक 30.11.2004 को जारी किया गया था। इनके पक्ष में पंजीयन पत्रों निष्पादन दिनांक 09.01.2017 को कर दिया गया। श्री प्रकाश चन्द की मृत्यु दिनांक 09.12.2007 को हो जाने के कारण उनकी पत्नी श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी स्व. श्री प्रकाश चन्द द्वारा आवासन मण्डल में पंजीकृत हक त्याग पत्र के आधार पर अपना नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में 7 दिवस में अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में किसी को कोई आपत्ति नहीं है, लक्ष्मी देवी पत्नी स्व. श्री प्रकाश चन्द्र का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर दिया जायेगा।
भवदीय, संपदा प्रबंधक,वृत्त प्रथम, राज. आ. मण्डल, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-तृतीय,
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर-0141-4901853
क्रमांक 3419 आम जाहिर सूचना दि.06.10.2026
राजस्थान आवासन मण्डल जयपुर द्वारा कार्यालय आदेश जारी पत्र क्रमांक 13644 दिनांक 16.03.2022 जारी कर आवास संख्या-1/6 /8 जवाहर नगर जयपुर का हस्तान्तरण श्री सौरभ माथुर एवं श्री ऋषभ माथुर के पक्ष में किया गया था। तत्पश्चात श्री सौरभ माथुर एवं श्री ऋषभ माथुर पुत्रान स्व.श्री गोविन्द रतन कुमार के द्वारा उक्त आवास का बेचान जरीये विक्रय पत्र श्रीमती नित्या भाटिया पत्नी श्री कपिल भाटिया को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उपपंजीयक जयपुर एकादश में दिनांक 26.08.2025 को पंजीबद्ध करवाया गया। तत्पश्चात क्रेती श्रीमती नित्या भाटिया पत्नी श्री कपिल भाटिया के द्वारा उक्त आवास का बेचान जरीये विक्रय पत्र श्रीमती हेमलता चन्दानी पत्नी श्री प्रदीप चन्दानी एवं छवि चन्दानी पुत्री श्री प्रदीप चन्दानी को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उपपंजीयक जयपुर एकादश में दिनांक 12.06.2026 को करवाया गया। श्रीमती हेमलता चन्दानी पत्नी श्री प्रदीप चन्दानी एवं छवि चन्दानी पुत्री श्री प्रदीप चन्दानी के द्वारा आवास का मूल आवंटी के नाम पंजीयन हो जाने के बाद पश्चातवर्ती अंतिम क्रेताओं का नाम मण्डल अभिलेख में दर्ज करने बाबत निवेदन किया गया है। अतः नाम दर्ज के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्रीमती हेमलता चन्दानी पत्नी श्री प्रदीप चन्दानी एवं छवि चन्दानी पुत्री श्री प्रदीप चन्दानी का नाम मण्डल रिकार्ड में दर्ज कर दिया जायेगा।
सम्पदा प्रबंधक- राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय, जयपुर।

इतलानामा वास्ते जाहिर करने वजह न जारी होने डिकी के
(आदेश 21 रूल 22 जाब्ता दीवानी)
न्यायालयः अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम 04, कोटपूतली, जिला कोटपूतली - बहरोड
बउनवान इजराय- राजेश सैनी बनाम उदयसिंह तंवर
मुकदमा न. 03/2026 CIS No. न. 33/2026
आगामी तारीख पेशी 7.10.2026
यह कि मदयून- उदयसिंह तंवर पुत्र श्री देशराज सिंह तंवर निवासी आदर्श नगर, टैलीफोन एक्सचेन्ज के सामने कोटपूतली।
उक्त डिकीदार- राजेश सैनी पुत्र श्री रूडमल सैनी निवासी श्याम मन्दिर के पीछे कोटपूतली, ने इस न्यायालय में उक्त याचिका जेर प्रार्थना दीवानी इजराय राजेश सैनी बनाम उदयसिंह तंवर मुकदमा न0 03/2026 CIS No. न0 33/2026 आगामी तारीख पेशी 7.10.2026, के निष्पादन हेतु आवेदन किया है।
अतः आपको आदेश चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 07.10.2026 को समय 10.30 ए.एम में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगें तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
आदेश आज दिनांक 07.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर जारी किया गया।
मोहर अदालत डॉ. सुरेश कुमार अपर जिला न्यायाधीश क्रम-04 कोटपूतली, जिला-कोटपूतली-बहरोड

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-टेण्डर निविदा सूचना EPC मोड के आधार पर सिंगल स्टेज टू पैकेट सिस्टम
उप मुख्य विद्युत अभियंता/परियोजना, उ. प. रेलवे, जयपुर द्वारा भारत संघ के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली ई-निविदा का ऑन लाईन ई-टेण्डर आमंत्रित किया जाता हैं। निविदाकार अपना मूल/परिवर्तित प्रस्ताव ई. निविदा बंद होने की तारीख व समय से पूर्व ऑन लाईन भर दें। क्र. सं. 1. ई-टेण्डर नोटिस संख्याः बोली/पैकेज नंबर EL-PROJ-PSI- All-EPC-01; 2. कार्य का नाम व लोकेशनः नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे के अजमेर डिवीजन के मदार (एमडी) भिनवलिया (बीडब्ल्यूए) सेक्शन में 2x25 ड्राट ट्रैक्शन सिस्टम (स्कॉट कनेक्टेड ट्रांसफॉर्मर) के तहत 132/55 KV ट्रैक्शन सबस्टेशन, सेक्शनिंग पोस्ट (SPs) और सब-सेक्शनिंग पोस्ट (SSPs) का डिजाइन, सप्लाई, इरेक्शन, टेस्टिंग और कमीशनिंग। 3. अनुमानित लागतः रूपये 260,40,64,851.18/-; 4. धरोहर राशिः रूपये 5,20,81,300.00/-; 5. कार्य पूरा होने की अवधिः 720 दिन; 6. ई-टेण्डर भरने की अंतिम तिथि और समयः 08.12.2026(13:00 hrs.). 7. वेबसाईट का विवरणः www.ireps.gov.in. नोटः कोई भी मैन्युवल टेण्डर स्वीकार नही किया जायेगा। 1443-AM/26
हमें /NWRailways पर फॉलो करें

उत्तर पश्चिम रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना
मण्डल रेल प्रबंधक (बिजली) जयपुर द्वारा, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। क्र.सं. 1. एनआईटी संख्याः ईएल-जेपी-45 आर-III-2025-26; कार्य का नामः Bandikui: Electrical work in connection with Construction of 120 bedded staff barrack, 30 bedded ladies barrack & 20 bedded officers barrack for RPF training center. अनुमानित लागतः 6830110.78/-; बयाना राशिः 136600/-; निविदा खोलने की तिथिः 28.10.2026; क्र.सं.2. ईएल-जेपी-1 आर-2026-27; कार्य का नामः JP Division-Electrical work in connection with [1] Const of multistore 100 bed barrack with all facilities including road at.RPF line barrack No-2 at Jaipur, [2] New Construction RPF out post Sikar and BNLW 10-10 Bed barrack with centralizes cooling system and furniture, [3] Construction of RPF barrack (10 beds) and post along with furniture at Lalsot, [4] Provision of Interlocking of 02 Nos. of manned LC gates i.e. LC-240 & 294 in SIKR-LHU section over Jaipur Division. अनुमानित लागतः 8856401.50/-; बयाना राशिः 177100/-; निविदा खोलने की तिथिः 28.10.2026; नोटः ई-निविदा की अंतिम तिथि एवं समयः निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे तक; ई-निविदा खोलने की तिथि एवं समयः निविदा खोलने की तिथि को 15:00 बजे के बाद। सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पताः http://www.ireps.gov.in 1442-AM/26
हमें /NWRailways पर फॉलो करें

कार्यालय उप आवासन आयुक्त वृत्त-प्रथम
राजस्थान आवासन मण्डल, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक:4206 दिनांक:07/10/2026
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना मे आवास/ फ्लैट संख्या 61/187 (MIG-B) का आवंटन डॉ. अनिल माहेश्वरी पुत्र श्री जी. सी. माहेश्वरी को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 4784 दिनांक 15.06.1994 को जारी किया गया था। इनके पक्ष मे पंजीयन पत्रो निष्पादन दिनांक 20.03.1995 को कर दिया गया। डॉ. अनिल माहेश्वरी द्वारा उक्त आवास को श्री रामनिवास मीणा पुत्र श्री जगन लाल मीणा को विक्रय कर इनके पक्ष मे विक्रय पत्र दिनांक 19.08.1998 को उप पंजीयक सांगानेर जयपुर में पंजीकृत करवाया गया। श्री रामनिवास मीणा द्वारा आवासन मण्डल मे अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर मण्डल रिकार्ड मे इस कार्यालय के कार्यालय आदेश क्रमांक 1627 दिनांक 29.08.1998 के द्वारा इनका नाम दर्ज किया गया श्री रामनिवास मीणा की मृत्यु दिनांक 29.10.2009 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री कमलेश मीणा पुत्र स्व. श्री रामनिवास मीना द्वारा आवासन मण्डल मे अपना नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कराने बाबत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अद्योहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने मे किसी को कोई आपत्ति नही है, श्री कमलेश मीणा पुत्र स्व. श्री रामनिवास मीना का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज.आवा.मण्डल, जयपुर

कार्यालय उपायुक्त (विद्याधर नगर जोन) नगर निगम जयपुर (अम्बाबाड़ी सर्किल, अम्बाबाड़ी, जयपुर)
क्रमांकः- एफ-55 ()वि.जोन/ज.न.नि./2026/2290 दिनांकः 07.10.2026
सार्वजनिक सूचना भूखंड सं. 386, संजय नगर बी, झोटवाड़ा, जयपुर (नवजीवन गृह.नि.स.स) का जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा श्रीमती राजवाला पत्नी श्री किशनपाल के पक्ष में दिनांक 26.02.2001 को क्षेत्रफल 166.66 वर्गगज भूमि का लीज डीड पट्टा जारी किया गया था। श्रीमती राजवाला पत्नी श्री किशनपाल ने सन 2007 में अपंजीकृत इकरारनामा के आधार पर उक्त भूखंड श्री अब्दुल रशीद खान पुत्र श्री अब्दुल हामिद खां को बेचान कर दिया। श्री अब्दुल रशीद खान ने उक्त भूखंड पंजीकृत उपहार पत्र श्रीमती शबनम खान पत्नी श्री अब्दुल रशीद खान के पक्ष में कर दिया। श्रीमती शबनम खान पत्नी श्री अब्दुल रशीद खान ने जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र दिनांक 05.11.2024 के द्वारा भूखंड श्री मोहम्मद शकील पुत्र श्री युनुस मोहम्मद को बेचान कर दिया। आवेदक श्री मोहम्मद शकील पुत्र श्री युनुस मोहम्मद द्वारा भूखंड सं. 386, संजय नगर बी, झोटवाड़ा, जयपुर क्षेत्रफल 166.66 वर्गगज का नाम हस्तांतरण अपने पक्ष में किये जाने हेतु आवेदन किया गया है। इस बावत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कंपनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें । अन्यथा निर्धारित अवधि समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार नाम हस्तांतरण की कार्यवाही संपादित कर दी जावेगी ।
उपायुक्त विद्याधर नगर जोन, नगर निगम जयपुर

आम सूचना दिनांक 5.10.2026
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य श्री त्रिवेन्द्र शर्मा पुत्र श्री मदनलाल निवासी भीमपुरा गोहंदी जयपुर के द्वारा श्रीमती संध्या सुदेशसिंग परदेशी पत्नी श्री सुदेशसिंग परदेशी निवासी भांजी मडई जबल बंदेलपुरा बीड महाराष्ट्र 431122 से इनके स्वामित्व का प्लाट नंबर 168 रानी सति नगर अजमेर रोड जयपुर राज. 302021 कुल क्षेत्रफल 266.66 वर्गगज को क्रय करने का सोदा जरिये इकरारनामा दिनांक 3.4.2026 के द्वारा कर उक्त इकरारनामा नोटरी पब्लिक से रजिस्टर्ड अटेस्टेड करवाया गया है तथा अब मेरा अभिभाष्य उक्त प्लाट का विक्रय पत्र अपने हक मे रजिस्टर्ड करवा रहा है अगर किसी भी दीगर व्यक्ति संस्था को इसमे किसी प्रकार की उज्र, आपत्ति हो तो वह इस सूचना पत्र के प्रकाशन के पश्चात 7 दिवस के भीतर मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज उपस्थित होकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है। अन्यथा उसके पश्चात किसी प्रकार की उज्र आपत्ति स्वीकार नही होगी। भवदीय
रमेश धायल (एडवोकेट)
राजस्थान उच्च न्यायालय जयपुर। मो. 9829048434

जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
रामकिशोर व्यास भवन, इन्दिरा सर्किल, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर-302004
क्रमांकः F-JDA/Zone 07/2026/D-493 आम सूचना
आवेदक द्वारा ऑनलाईन आवेदन क्रमांक 329678 दिनांक 08/09/2026 को निम्नांकित भूखण्ड का Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed) Original Lease Deed (Patta) जारी करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किये गये है

क्र. सं.	आवेदक का नाम	मूल आवंटी/लीजधारक का नाम	भूखण्ड संख्या	भूखण्ड क्षेत्रफल	ग्र.नि.स.सं./निजी खातेदारी/जविप्रा योजना	योजना का नाम
1.	Ajay Sharma S/o Lt. Som Prakash Sharma	श्री सोम प्रकाश शर्मा पुत्र श्री देव किशन जी एवं श्रीमती मनोरमा शर्मा पत्नी श्री सोम प्रकाश शर्मा	66	138.89 Sq. yard	JDA	VAISHALI NAGAR Sector/ Block- C

सेवा जिसके लिए आवेदन किया गया: Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed) | Original Lease Deed (Patta)
कार्यवाही हेतु प्रस्तुत दस्तावेज: पंजीकृत वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र, लीजडीड, वाद-विवाद शपथ पत्र
उक्त भूखण्ड का आवेदक के पक्ष में Issue Free Hold E-Patta in lieu of already issued Patta (Lease Deed) | Original Lease Deed (Patta) जारी करने पर किसी व्यक्ति, वित्तिय एवं संस्था को आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के इस सूचना की प्रकाशन तिथि से 7 दिवस के भीतर jda.rajasthan.gov.in पर जाकर Objection module के माध्यम से आपत्ति online सबमिट करें, अन्यथा आपत्ति प्रस्तुत नहीं करने की दशा में उक्त भूखण्ड की नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-तृतीय,
जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर-0141-4901853
क्रमांक 3361 आम जाहिर सूचना दि.30.09.2026
राजस्थान आवासन मण्डल जयपुर द्वारा विकसित आवासीय भूखण्ड संख्या-8/H/110 इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा, जयपुर, क्षेत्रफल 239.40 वर्ग मीटर का आवंटन श्री भौरी लाल, श्री बिरदी चन्द, श्री छीतर पुत्रान श्री नैन्या को किया गया था। जिसका आवंटन पत्र क्रमांक 2066 दिनांक 19.10.2006 जारी किया गया था। उक्त आवंटन पत्र अपंजीकृत है। श्री भौरी लाल, बिरदी चन्द श्री छीतर पुत्रान् श्री नैन्या के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान जरीये विक्रय पत्र के श्री नितिन शर्मा पुत्र स्व.डॉ. श्री राधेश्याम शर्मा को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर अष्टम् में दिनांक 26.12.2011 को करवाया गया। तत्पश्चात श्री नितिन शर्मा पुत्र स्व.डॉ. श्री राधेश्याम शर्मा के द्वारा विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान जरीये विक्रय पत्र नमिता सोनी पुत्री श्री बृज मोहन सोनी को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर अष्टम् में दिनांक 11.11.2024 को करवाया गया। तत्पश्चात नमिता सोनी पुत्री श्री बृज मोहन सोनी के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का बेचान जरीये विक्रय पत्र रिचा बाना पुत्री श्री श्रीपाल सिंह बाना को कर, विक्रय पत्र का निष्पादन कार्यालय उप पंजीयक जयपुर अष्टम् में दिनांक 01.08.2025 को करवाया गया। रिचा बाना पुत्री श्री श्रीपाल सिंह बाना के द्वारा उक्त विकसित आवासीय भूखण्ड का हस्तान्तरण अपने पक्ष में कर भूखण्ड का नवीन पट्टा अपने पक्ष में जारी करने का निवेदन किया गया है। उक्त के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता रिचा बाना पुत्री श्री श्रीपाल सिंह बाना का नाम मण्डल रिकॉर्ड में दर्ज कर उनके पक्ष में उक्त भूखण्ड का नवीन पट्टा जारी करने की कार्यवाही कर दी जायेगी।
सम्पदा प्रबंधक- राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त-तृतीय, जयपुर।

नवरात्रि के शुभारंभ पर 11 को निकलेगी कलश यात्रा

निवाई। शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिवस पर श्री शक्ति पीठ सेवा संस्थान के तत्वावधान में 11 अक्टूबर को सुबह 8 बजे कृषि मण्डी स्थित श्री लक्ष्मीनारायण जी मन्दिर से कंकाली माता मन्दिर तक विशाल कलश यात्रा का निकाली जाएगी। संस्थान के अध्यक्ष शंकरलाल सोनी ने बताया कि प्रथम नवरात्रि पर यह विशाल कलश यात्रा कृषि मण्डी प्रांगण से पूरे विधि-विधान व मंत्रोच्चार के साथ रवाना होगी। शोभायात्रा में करीब 2100 महिलाएं अपने सिर पर मंगल कलश धारण कर माता रानी के जयकारे लगाते हुए शहर के मुख्य मार्गो से होते हुए कंकाली माता मन्दिर पहुंचेगी। मन्दिर सदस्य राजेश भट्ट ने बताया कि इस ऐतिहासिक कलश यात्रा को भव्य और स्मरणीय स्वरूप प्रदान करने के लिए विशेष तैयारियां जोर-शोर पर की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान 11 सजे-धजे हाथी, घोड़े, डीजे, बैंड बाजे व मनमोहक झांकियां मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

हर कार्यकर्ता निभाए अपनी जिम्मेदारी, तभी साकार होगा विकसित भारत का सपना : डॉ. शैलेश सिंह

- डीग में उमड़ा भाजपा कार्यकर्ताओं का जनसैलाब, विकसित भारत के संकल्प के साथ निकली सेवा ज्योति यात्रा
- कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत बनाने का आव्हान

डीग भरतपुर (निसं)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के राजनीतिक एवं राष्ट्रसेवा के सफर को समर्पित श्विकसित भारत संकल्प सभाकृसेवा ज्योति यात्रा मंगलवार को डीग मेला ग्राउंड स्थित नेहरू पार्क में धूमधाम से आयोजित हुई। जिलेभर से पहुंचे हजारों भाजपा कार्यकर्ताओं के कारण पूरा सभा स्थल भगवा रंग में रंगा नजर आया। भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयघोषों से वातावरण राष्ट्रभक्ति के रंग में डूब गया। कार्यकर्ताओं के पहुंचने का सिलसिला सुबह से ही शुरू हो गया था। डीग-कुम्हेर विधायक डॉ शैलेश सिंह और कामां विधायक नौक्षम चौधरी के नेतृत्व में हुए इस कार्यक्रम में भाजपा युवा मोर्चा राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष शंकर गौरा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। सभा को संबोधित करते हुए विधायक डॉ शैलेश सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का 25 वर्षों का सफर विकास, सुशासन और जनसेवा के प्रति समर्पण की मिसाल है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य केवल सरकार के भरोसे पूरा नहीं होगा, बल्कि इसके लिए हर नागरिक और हर कार्यकर्ता को अपनी सामूहिक जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत बनाने, राष्ट्रिहत के कार्यों में सक्रिय भागीदारी करने और विकसित भारत का संदेश घर-घर पहुंचाने का आव्हान किया। विधायक नौक्षम चौधरी ने कहा कि प्रधान मंत्री मोदी के नेतृत्व में देश विकास और आत्मनिर्भरता की राह पर तेज गति से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि सेवा ज्योति यात्रा ने कार्यकर्ताओं में राष्ट्रसेवा और संगठन के प्रति नई ऊर्जा का संचार किया है। मुख्य अतिथि शंकर गौरा ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवा शक्ति की भूमिका निर्णायक है। उन्होंने युवाओं से संगठन की विचारधारा और राष्ट्रसेवा का संदेश समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने का आ ान किया। भाजपा जिलाध्यक्ष सतीश बंसल ने कहा कि हजारों कार्यकर्ताओं की भागीदारी संगठन की मजबूती और विकसित भारत के संकल्प के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मंडल अध्यक्षों, पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं का आभार जताया। इस अवसर पर नगर परिषद के सभापति अर्पित गुप्ता, जिला अभाव अभियोग सतर्कता समिति के सदस्य लखपत गुर्जर ,मंडल अध्यक्ष, जिला पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म व विधायक डॉ. शैलेश सिंह की अध्यक्षता में कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित हुआ।

अग्रसर जयंती पर प्रभात फेरी, शोभायात्रा 11 को

- आगामी कार्यक्रमों को लेकर अग्रवाल महासभा पावटा की बैठक आयोजित

पावटा। अग्रवाल महासभा रजि. पावटा की एक महत्वपूर्ण बैठक संरक्षक वीरेंद्र बंसल एवं अध्यक्ष बलदेव गोयल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में समाज के आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक में आगामी 11 अक्टूबर को अठासेन महाराज का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम, भव्यता एवं शाही लवाजमे के साथ आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में तय कार्यक्रम के अनुसार जन्मोत्सव के अवसर पर प्रातः 5 बजे प्रभात फेरी निकाली जाएगी। इसके पश्चात दोपहर 2 बजे भव्य शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा, जो मोदी मंदिर से प्रारंभ होकर आदर्श विद्या मंदिर तक पहुंचेगी। वहीं शाम 6 बजे प्रतिभा सम्मान समारोह एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में जयपुर के प्रसिद्ध कलाकार कृष्णा तिलकधारी द्वारा विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुति दी जाएगी। इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली समाज की प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। साथ ही कार्यक्रम में पधारने वाले अतिथियों का भी अभिनंदन किया जाएगा।

101 आवासीय पट्टों का वितरण

निवाई। नगर पालिका में पालिका अध्यक्ष नरेंद्र जयसिंहपुरा व अधिशाषी अधिकारी नवरतन शर्मा ने पात्र व्यक्तियों को लाभांवित करके सेवा सेतु अभियान का शुभारंभ किया। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष नरेंद्र जयसिंहपुरा, पूर्व पार्षद गिर्राज जाट, अधिशाषी अधिकारी नवरतन शर्मा ने नगर पालिका में आयोजित शिविर में 101 आवासीय पट्टे, 23 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना की प्रथम किश्त, 40 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना की दूसरी किश्त, 50 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास योजना तीसरी किश्त व 3 लाभार्थियों को प्रधानमंत्री सम्मान निधि का वितरण किया। अधिशाषी अधिकारी नवरत्न शर्मा ने बताया कि अभियान के अन्तर्गत नगर पालिका में 7 से 16 अक्टूबर तक शिविर आयोजित किया जाएगा।

वार्ड 3 ललाना में सफाई व्यवस्था बदहाल, जलभराव से परेशान ग्रामीण

- नाली निर्माण, रोड लाइट, स्कूल मैदान व अस्पताल की सफाई सहित विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग

पावटा। नगरपालिका पावटा-प्रागपुरा के वार्ड नंबर 3 ललाना में सफाई व्यवस्था एवं विभिन्न मूलभूत समस्याओं को लेकर वार्डवासियों ने वार्ड पार्षद विनोद यादव के नेतृत्व में नगरपालिका प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समाधान की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया कि ललाना गांव की मुख्य सड़क पर पिछले तीन-चार वर्षों से पानी का भराव बना हुआ है। जलभराव के कारण आमजन को आवागमन में परेशानी के साथ ही बीमारी फैलने और फिसलकर गिरने का खतरा बना रहता है। वार्डवासियों ने नरेगा कर्मचारियों के माध्यम से सफाई कार्य करवाने तथा लंबित समस्याओं के समाधान की मांग की। ज्ञापन में प्रमुख रूप से ब्राह्मणों के मोहल्ले स्थित होली चौक के मुख्य रास्ते पर जलभराव की समस्या दूर करने, अस्पताल एवं स्कूल मैदान की सफाई करवाने, ललाना गांव के मुख्य मार्ग पर नाली का निर्माण एवं सफाई, नौकड़िया चौराहे से मांजूकोट चौराहे तक मुख्य सड़क की सफाई तथा सड़क किनारे पेड़ों की छंटाई करवाने की मांग की गई।

इसके अलावा नौकड़िया की ढाणी में सफाई, नौकड़िया चौराहे से बालाजी मेगा मार्ट मकान तक मुख्य मार्ग की सफाई, रामजी लाल स्वामी के मकान से मुख्य एमडीआर रोड तक रास्ते की सफाई, प्रकाश सैनी के मकान से राजू सैनी के मकान तक सफाई तथा दिनेश सिंह शेखावत के मकान से लेकर श्रीराम स्वामी के मकान तक सफाई करवाने की मांग भी की गई।

वार्ड पार्षद विनोद यादव सहित वार्डवासियों ने नगरपालिका प्रशासन से उक्त समस्याओं का मौका निरीक्षण करवाकर सफाई, जल निकासी एवं अन्य आवश्यक कार्य शीघ्र करवाने की मांग की है, ताकि आमजन को राहत मिल सके।

4 माह से फरार टॉप-10 इनामी आरोपी पकड़े

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये जा रहे वांछित अपराधियों की धरपकड़ विशेष अभियान के तहत पीपलू वृत्ताधिकारी विनोद कुमार के सुपरविजन एवं झिराना थानाधिकारी कालूराम के नेतृत्व में गठित थाना टीम ने थाने में पूर्व में दर्ज पोक्सो एक्ट व अपहरण जैसे संगीन अपराध में 4 माह से फरार चल रहे 10 हजार रुपये ईनामी व टॉप 10 आरोपी जोगी पुत्र पप्पू जोगी कालबेलिया उम्र 19 साल निवासी तन ग्राम खण्डवा थाना बरोनी को की गिरफ्तारी के लिए टीम ने कई प्रयास व संसाधनो के माध्यम से कई अन्य जिले व राज्यो में तलाश की गई। टीम द्वारा घटना स्थल और संभावित रास्तों के दर्जनों सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए, संदिग्ध मोबाइल नंबरों की कॉल डिटेल और लोकेशन को लगातार ट्रैक किया गया, जिससे उसके छिपने के नए ठिकानों का सुराग मिला।

किसानों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं होगा : नरेश मीणा

निवाई। किसान आमरण अनशन यात्रा के तहत नरेश मीणा की यात्रा मंगलवार रात करीब 8:30 बजे निवाई पहुंची। जिसका शहर में पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष बाबूलाल मीणा एवं युवा नेता सीताराम मीणा के नेतृत्व में सैंकड़ों युवा कार्यकर्ता एवं ग्रामीणों ने जगह-जगह पर करीब 21 जेसीबी मशीनों से पुष्प वर्षा करके स्वागत किया। यात्रा में ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता वाहनों के लवाजमे के साथ निवाई पहुंचे। यात्रा का काफिला पहाड़ी चुंगी नाका, बस स्टैंड, अहिंसा सर्किल, झिलाय रोड एवं श्याम मंदिर होते हुए 80 फीट रोड स्थित श्यामा प्रसाद सामुदायिक भवन पहुंचा, जहां यात्रा का रात्रि विश्राम हुआ। इस दौरान कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर, गंगापुर, करौली, हिंडौन, दौसा एवं बांदीकुई सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए कलाकारों द्वारा दंगल कार्यक्रम में प्रस्तुतियां दी।

निवाई में किसान नेता नरेश मीणा ने आमरण अनशन यात्रा निकाली।

जिन पर युवाओं ने जमकर नृत्य किया। सामुदायिक भवन पर आयोजित सभा में संबोधित करते हुए नरेश मीणा ने कहा कि किसान आमरण अनशन का छठा दिन है। उन्होंने केंद्र एवं राज्य सरकार पर किसानों के शोषण का आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों को समय पर खाद व बीज उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। आज प्रदेश में जगह-जगह खाद-बीज के लिए किसानों की लंबी कतारें लग रही हैं। खाद-बीज की कमी के चलते व्यापारी खुलेआम कालाबाजारी कर रहे हैं, जिससे किसान परेशान हैं। उन्होंने कहा कि किसान देश का अन्नदाता है और भारत की अर्थव्यवस्था में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि किसान अपने हक व अधिकार के लिए संघर्ष कर रहा है और किसानों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष श्रीराम मीणा, जिला प्रभारी महेश बैरवा पराना, कैलाश मीणा सीदडा, मुकेश मीणा सुनारा, मुरारीलाल मीणा, गणेश मीणा, सुरेश गुर्जर, प्रहलाद खटाना, सुदाम मीणा, सूरज चौधरी, सीताराम मीना, अजय मधुकर, इंद्रजीत बैरवा, दुष्यंत वर्मा, सुरेश गुर्जर, शंकर सिंघानिया, जगदीश गुर्जर व रिशु मीणा सहित सैंकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

अपात्र की जांच के लिए मकान को नापने की कवायद

टोंक। राजस्थान सरकार के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के दिशा-निर्देशानुसार माह अक्टूबर से दिसंबर 2026 तक शहरी क्षेत्रों में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं पारदर्शिता के लिए डोर-टू-डोर सर्वे अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत जिला रसद अधिकारी इन्द्रपाल मीणा के नेतृत्व में पीपलू नगरपालिका क्षेत्र में विशेष सघन डोर-टू-डोर सर्वे अभियान का आयोजन किया गया। इस अभियान के दौरान रसद विभाग की टीम में प्रवर्तन अधिकारी धर्मचंद अग्रवाल, प्रवर्तन निरीक्षक त्रिलोक प्रताप सिंह, अमित शर्मा तथा विनोद मीणा उपस्थित रहे, जिन्होंने नगरपालिका पीपलू क्षेत्र के स्थानीय उचित मूल्य दुकानदारों को साथ लेकर घर-घर जाकर सर्वे एवं भौतिक सत्यापन किया गया। सर्वे अभियान का मुख्य उद्देश्य खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत आने वाले अपात्र श्रेणी के परिवारों का चि ीकरण कर उन्हें सूची से पृथक करना।

दिव्यांगों ने मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी

- कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ज्ञानचन्द, अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ सहायक चाँदमल सैनी व तुलसीराम प्रजापत ने किया

निवाई। योगेश विशेष विद्यालय में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग व योगेश शैक्षिक पुनर्वास एवं शोध संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में दिव्यांगजन कल्याण दिवस एवं समाज कल्याण सप्ताह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व तहसीलदार ज्ञानचन्द, अध्यक्षता कर रहे सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के वरिष्ठ सहायक चाँदमल सैनी व विशिष्ट अतिथि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के तुलसीराम प्रजापत ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके किया। मुख्य अतिथि पूर्व तहसीलदार ज्ञानचन्द सोगाणी ने संस्था की गतिविधियों की सराहना करते हुए कहा कि योगेश विशेष विद्यालय ने अपने सेवा कार्यों से संपूर्ण राजस्थान में निवाई क्षेत्र को एक विशिष्ट पहचान दिलाई है।

क्षेत्र में ऐसे संस्थान की नितांत आवश्यकता है, जिसे इस संस्था ने पूरी निष्ठा से पूरा किया है। यह संस्थान क्षेत्र के सभी दिव्यांगजनों की समस्याओं के समाधान व सहयोग के लिए सदैव तत्पर रहता है। संस्था सचिव डॉ. सीताराम स्वामी ने संस्थान में संचालित गतिविधियों, सेवाओं व उत्कृष्ट उपलब्धियों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र के कोऑर्डिनेटर मनोज स्वामी ने आभार ज्ञापित किया एवं कार्यक्रम का संचालन राकेश स्वामी ने किया।

समारोह में दिव्यांगों ने स्वागत गीत, पिरामिड योगा, सूर्य नमस्कार व मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं।

बालकों ने राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रमों के साथ-साथ लघु नाटिकाओं के जरिए युवा पीढ़ी के सामाजिक संस्कारों में आ रही गिरावट व पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। श्रवण बाधित बालक अंकेश गुर्जर ने नृत्य प्रस्तुति से राजस्थान की महिमा का बखान किया, दृष्टिबाधित बालक उमेश ने देशभक्ति गीत के माध्यम से अमर शहीदों को नमन किया।

श्रवण बाधित बालकों व बौद्धिक अक्षम छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक व कलात्मक प्रस्तुतियां दी। प्रातःकालीन सत्र में बूची, लंबी कूद, गोला फेंक एवं गुब्बारा फोड़ जैसी स्पर्धाओं में बच्चों ने उत्साह से भाग लिया। इस अवसर पर देवनारायण छात्रावास के अधीक्षक विकास, अध्यापक रामबाबू गौतम, सरिता शर्मा, अरविंद कुमार, हेमंत कुमार, श्योपाल गुर्जर, हिमांशु पाराशर, मुकेश गुर्जर, सियाराम प्रजापत, राजेश गुर्जर व विपिन बिन्द सहित कई अभिभावक मौजूद थे।

अस्पताल में इलाज के दौरान महिला की मौत

भरतपुर (निसं)। भरतपुर के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान महिला की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। परिजनों ने अस्पताल स्टाफ पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में तोड़फोड़ कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति संभाली और परिजनों से समझाइश की। मृतका की पहचान रेनू पत्नी सोमवीर, निवासी बरौली चौथ, जिला डीग के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक रेनू को पेट दर्द की शिकायत के चलते 6 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिजनों के अनुसार, अस्पताल में इलाज चल रहा था। इसके बाद 7 अक्टूबर की सुबह करीब 6 बजे इलाज के दौरान रेनू की मौत हो गई। सीओ सिटी आशिमा वासवानी ने बताया कि महिला की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में आक्रोश फैल गया। परिजनों ने अस्पताल स्टाफ पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में हंगामा शुरू कर दिया। इस दौरान अस्पताल में तोड़फोड़ भी की गई, जिससे मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पुलिस लाइन से भी अतिरिक्त जाप्ता बुलाया गया और स्थिति को संभाला। पुलिस ने आक्रोशित परिजनों से समझाइश की। समझाइश के बाद परिजन शव को बिना पोस्टमार्टम कराये अपने गावं ले गये। थाना कोतवाल के प्रभारी तेजपाल ने बताया कि निजी अस्पताल में रेनू नाम की महिला की मौत की सूचना मिली थी।

सेवा ज्योति कलश यात्रा निकालकर जनसेवा का संदेश दिया

राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पावटा में सेवा ज्योति कलश यात्रा का आयोजन किया।

पावटा। विकसित भारत-जन सेवा अभियान के अंतर्गत बुधवार, 7 अक्टूबर 2026 को राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय पावटा में सेवा ज्योति कलश यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों ने पोस्टर, बैनर एवं आकर्षक स्लोगन तैयार कर जनसेवा एवं जागरूकता का संदेश दिया। संस्था प्राचार्य संतोष कुमार मीणा ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया।

रैली विद्यालय परिसर से रवाना होकर बाजार के प्रमुख मार्गों से होते हुए घंटाघर पहुंची। इस दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न स्लोगनों के माध्यम से आमजन को सेवा, जागरूकता एवं विकसित भारत के संकल्प का संदेश दिया। रैली में विद्यालय की शिक्षिका लक्ष्मी चंद्रोह सहित स्टाफ सदस्य सुरेंद्र स्वामी, सुनीता आर्य, हेमलता शर्मा, मनु मीणा एवं कंचन मीणा सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विद्यालय प्रशासन ने बताया कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी, जनसेवा की भावना एवं जागरूकता को बढ़ावा देना है।

सार-समाचार

पंचायत चुनाव में नहीं चलेगी मनमानी, प्रशासन सख्त

फुलेरा। पंचायत राज संस्थाओं के आम चुनाव 2026 को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए चुनावी तैयारियों एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा की। बुधवार को पंचायत समिति सांभरलेक के सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में चुनावी प्रचार सामग्री की छपाई एवं प्रकाशन, आदर्श आचार संहिता तथा कानून-व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा, निर्देश दिए गए।बैठक में उपखंड अधिकारी एवं रिटर्निंग अधिकारी ऋषिराज कपिल, सांभर थाना अधिकारी राजेश कुमार सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, प्रेस एवं मीडिया प्रतिनिधि, केबल ऑपरेटर एवं मुद्रक मौजूद रहे।उपखंड अधिकारी ऋषिराज कपिल ने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। सभी राजनीतिक दलों एवं संबंधित लोगों को निर्वाचन आयोग के निर्देशों और आदर्श आचार संहिता की पूर्ण पालना करनी होगी। चुनावी प्रचार सामग्री के मुद्रण एवं प्रकाशन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन पुस्तिका, पंपलेट एवं पोस्टर सहित किसी भी प्रचार सामग्री पर मुद्रक एवं प्रकाशक का नाम-पता अंकित करना अनिवार्य होगा। मुद्रण से पूर्व निर्धारित प्रक्रिया के तहत घोषणा-पत्र लेना तथा मुद्रण के बाद आवश्यक प्रतियां संबंधित कार्यालय को उपलब्ध करवाना भी अनिवार्य रहेगा।बैठक में सांभर थाना अधिकारी राजेश कुमार ने चुनाव के दौरान कानून, व्यवस्था बनाए रखने तथा शांतिपूर्ण मतदान को लेकर पुलिस प्रशासन की तैयारियों की जानकारी दी। अधिकारियों ने राजनीतिक दलों एवं अन्य संबंधित लोगों से निर्वाचन नियमों की पालना करते हुए प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

249 बंदियों को बताया चार्जशीट लेट पर मिल सकती है डिफॉल्ट जमानत

किशनगढ़बास। बुधवार को उपकारागृह किशनगढ़बास में विशेष विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश शैलेंद्र व्यास के आदेश तथा डीएलएसए सचिव अजीत कुडी के निर्देशन में पीएलवी सूरजभान कछवाहा ने शिविर लगाया। शिविर में पीएलवी सूरजभान ने बैरक, रसोईघर, बिजली-पानी सहित व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद 249 विचाराधीन बंदियों को उनके अधिकार बताए निःशुल्क विधिक सहायता, परिवार व वकील से संपर्क, स्वास्थ्य सुविधा और अपनी बात कोर्ट में रखने का हक आदि के बारे में कानूनी जानकारी दी। सबसे अहम जानकारी आपराधिक प्रक्रिया को लेकर दी गई। बंदियों को बताया गया कि पुलिस को तय समय में चार्जशीट पेश करनी होती है, नहीं तो आरोपी को डिफॉल्ट जमानत का अधिकार मिल जाता है। साथ ही गिरफ्तारी के 24 घंटे के भीतर मजिस्ट्रेट के सामने पेश करने का नियम भी समझाया गया। बंदियों को कर्तव्यों का भी बोध कराया गयाजेल नियमों का पालन, स्टाफ से उचित व्यवहार और नशे से दूरी। शिविर में तीन बंदियों के लिए निःशुल्क अधिवक्ता हेतु आवेदन भरवाए गए। इस दौरान कारापाल रविंद्र उपाध्याय सहित जेल स्टाफ मौजूद रहा।

जनता के बीच पहुंचे सभापति मयंक गोयल

टोंक। नगर परिषद टोंक के वार्ड नंबर 27 के जे.के. नगर में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में नगर परिषद के सभापति मयंक गोयल, उपसभापति फरजाना सईद ने वार्ड में पहुंचकर आमजन से सीधे संवाद किया और लोगों द्वारा प्रस्तुत की गई विभिन्न समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इस कार्यक्रम का आयोजन अध्यक्ष, रेल लाओ संघर्ष समिति पार्षद अकबर खान द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें अकबर खान ने सभापति मयंक गोयल, उपसभापति फरजाना सईद के समक्ष वार्ड की प्रमुख समस्याओं को मजबूती से रखा और कहा कि वार्ड 27 के बीचो बीच स्थित बडी नहर का सभापति को मौका मुआयना कराया और नहर के सौंदर्यीकरण एंव क्षतिग्रस्त रास्तों को पक्का करने, बिजली की समस्या एवं साफ़ सफाई की समस्या का से जल्द समाधान के लिए सभापति को अवगत कराया। इस कार्यक्रम पार्षद शाहिद सईद, पार्षद इस्लाम नागौरी, जावेद खान, रशीद खान, शाहरूक, जुनेद, दानिश खान, हाजी जी, कयामउद्दीन रंगरेज, आदि मौजूद रहें।

चौमूं में भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन आज

चौमूं /कालाडेरा। पंचायत चुनावों की तैयारियों को गति देने और चुनावी रणनीति तय करने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी पंचायत समिति चौमूं द्वारा 08 अक्टूबर 2026 को कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम रेनवाल रोड स्थित रजवाड़ा रिसॉर्ट में सायं 4:00 बजे आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में चौमूं क्षेत्र के पार्टी पदाधिकारी, जन-प्रतिनिधि शामिल होंगे। सम्मेलन के दौरान पंचायत चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने, बूथ स्तर के प्रबंधन को मजबूत करने और राज्य सरकार व संगठन की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की रूपरेखा पर विस्तृत चर्चा की जाएगी। भाजपा चौमूं ने क्षेत्र के सभी पदाधिकारियों, मोर्चा-प्रकोष्ठों के सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में समय पर पहुंच सम्मेलन को सफल बनाने का आव्हान किया है।

निवाई में भूगोल प्रायोगिक परीक्षा आज से

निवाई। राजकीय कन्या महाविद्यालय में महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर के तहत बीए पार्ट प्रथम, द्वितीय व तृतीय की सेमेस्टर द्वितीय, चतुर्थ व षष्ठम की भूगोल विषय की प्रायोगिक परीक्षा 8 से 10 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होगी। प्राचार्य प्रोफेसर विकास नौटियाल ने बताया कि सभी संबंधित विद्यार्थी अपने प्रायोगिक कार्य की फाइल, आवश्यक ड्राइंग उपकरण व पहचान पत्र साथ लेकर निर्धारित तिथियों में सुबह 10 बजे महाविद्यालय में अनिवार्य रूप से उपस्थित होना सुनिश्चित करें।

हादसे में दो बाइक सवार गंभीर घायल

कोटपूतली । दिल्ली-जयपुर नेशनल हाईवे पर पनियाला मोड के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहां एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें नाजुक हालत में प्राथमिक उपचार के बाद जयपुर रैफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हादसे का शिकार हुए युवकों की पहचान टिंकू (26) पुत्र सुरेन्द्र यादव व प्रवीण (30) पुत्र बलवंत दोनों निवासी नांगल खोड़िया बहरोड़ के रूप में हुई हैं। बताया जा रहा है कि टिंकू व प्रवीण अपनी मोटरसाईकिल से जा रहे थे, तभी पनियाला मोड के पास किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाईक सहित सड़क पर दूर जा गिरे और गंभीर रूप से चोटिल हो गए। हादसे के बाद चालक वाहन सहित मौके से फरार होने में कामयाब रहा। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तुरंत यहां के राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने दोनों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें प्राथमिक उपचार दिया। दोनों की हालत नाजुक होने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर ईलाज के लिए उच्च संस्थान जयपुर रैफर कर दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार वाहन की तलाश की जा रही है।

सांभर के पंडित व्यास को श्रद्धा सुमन अर्पित

सांभरझील, (निसं)। मां शाकंभरी के प्रति गहरी अटूट आस्था और उनके असीम भक्त रहे सांभर के प्रसिद्ध पंडित जुगल किशोर व्यास की तृतीय पुण्य तिथि पर श्रद्धालुओं ने उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित कर समाज में दिए गए योगदान के लिए उन्हें याद किया। व्यास परिवार की ओर से इस मौके पर देर रात्रि तक भजन संध्या का आयोजन कर दिवंगत आत्मा की अगली गति के प्रस्थान के लिए परमात्मा से प्रार्थना की गई। इस मौके पर भजन गायक कलाकार दिनेश शर्मा, विनीत शर्मा ने प्रभु श्री राम भक्त व हनुमान जी से जुड़े अनेक भचनों की प्रस्तुतियां पेश कर मौजूद सभी को परमात्मा की अनुभूति का एहसास कराया। हारमोनियम पर संगत कर रहे अनिल जैन ने भी सुंदरकांड की चौपाइयां सुना कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। ढोलक पर संगत लोकेश सैनी ने बखूबी निभाई। श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में व्यास परिवार के विजय व्यास, अजय कुमार व्यास, सुमित्रा व्यास, सीमा व्यास, टेंट व इवेंट के महासचिव बनवारीलाल सिंघानिया, सत्यनारायण वैष्णव, राजेश पारीक, अपर लोग अभियोजक उमाशंकर व्यास सहित अनेक लोगों ने पंडित जुगल किशोर व्यास द्वारा उनके जीवन में दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के लिए उन्हें याद किया।

'टीम पहले' की सोच और दृढ़ विश्वास ने अगरकर के कार्यकाल में भारत को तीन आईसीसी खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई और इतिहास आपके प्रति अधिक उदार रहेगा।

– गौतम गंभीर

भारतीय टीम के मुख्य कोच, अजीत अगरकर की प्रशंसा करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶ स्मृति मंधाना

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की नवनियुक्त कप्तान स्मृति मंधाना ने पूर्व कप्तान हरमनप्रीत कौर को उनके सफल कप्तानी कार्यकाल के समापन पर बधाई दी। स्मृति ने बुधवार को कहा कि एक दशक तक हरमनप्रीत के नेतृत्व में खेलना सुखद अनुभव रहा और अब दोनों मिलकर देश के लिए और उपलब्धियां हासिल करने का प्रयास करेंगी। स्मृति ने अपनी सोशल मीडिया स्टोरी में लिखा, इतने वर्षों तक आपके साथ खेलना मेरे लिए सुखद रहा है। आपके नेतृत्व के ये 10 वर्ष शानदार रहे हैं और अब हम मिलकर अपने देश के लिए कई और उपलब्धियां हासिल करने का प्रयास करेंगे।

क्या आप जानते हैं ?... साल 1951 में नई दिल्ली में पहले एशियाई खेलों का आयोजन हुआ था, जिसमें भारत ने 51 पदक (15 स्वर्ण, 16 रजत और 20 कांस्य) जीतकर दूसरा स्थान हासिल किया था।

23वीं फैडरेशन कप के लिए राजस्थान की कोर्फबॉल टीम घोषित

जयपुर, 7 अक्टूबर। 23वीं फेडरेशन कप कोर्फबॉल प्रतियोगिता के लिए राजस्थान की टीम घोषित कर दी गई है। प्रतियोगिता 9 से 11 अक्टूबर तक लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, फगवाड़ा (पंजाब) में आयोजित होगी। राजस्थान टीम 8 अक्टूबर को ट्रेन से फगवाड़ा के लिए रवाना होगी। राजस्थान टीम में रजत सैनी, हितेन्द्र, संदीप, सचिन, अभय सिंह राठौड़, गोविन्द, सोमिल, मोनिका, पूजा, अंजली, शिवानी, जिज्ञासा, परिणिधि और क्षितिजा शर्माको शामिल किया गया है। टीम केकोच देवेंद्र सिंह और मैनेजर कु. ईशिका शर्मा हैं। राजस्थान कोर्फबॉल संघ के सचिव परसराम शर्मा ने बताया कि टीम का प्रशिक्षण शिविर एपेक्स यूनिवर्सिटी, अचरोल में आयोजित किया गया, जहां खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता की तैयारियों को अंतिम रूप दिया। संघ अध्यक्ष नरेश शर्मा एवं सीईओ इन्द्रप्रकाश टिकवाल ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

आईओए ने 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक की मेजबानी के लिए 'साथ बढ़ते भारत' की परिकल्पना रखी

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत की परिकल्पना पेश करते हुए इसे दो प्रभावशाली शब्दों– 'साथ बढ़ते भारत' में व्यक्त किया है। आईओए ने कहा कि भारत में 2036 खेलों का आयोजन देश में खेलों के माध्यम से बदलाव की गति तेज करने के साथ-साथ ओलंपिक आंदोलन के लिए सार्वभौमिक विस्तार का नया अध्याय खोल सकता है। आईओए ने अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति द्वारा इस सप्ताह 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के भावी मेजबान के चयन की प्रक्रिया में शामिल शहरों और देशों की घोषणा का स्वागत किया। गुजरात के अहमदाबाद केंद्रित भारत की ओलंपिक और पैरालंपिक मेजबानी की महत्वाकांक्षा पिछले 18 महीनों में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के साथ करीबी और रचनात्मक संवाद के जरिए विकसित की गई है। 'साथ

बढ़ते भारत' की परिकल्पना इस विश्वास पर आधारित है कि 2036 ऐसा अवसर हो सकता है, जब खेलों के माध्यम से भारत का बदलाव और ओलंपिक आंदोलन का सार्वभौमिक भविष्य एक साथ आगे बढ़े। ओलंपिक आंदोलन के लिए भारत में 2036 खेलों का आयोजन सार्वभौमिकता के एक नए दौर में प्रवेश का अवसर होगा। इससे ओलंपिक और पैरालंपिक आंदोलन दुनिया की सबसे युवा, गतिशील और डिजिटल रूप से जुड़ी आबादी में से एक के साथ और मजबूत तरीके से जुड़ सकेगा। इससे एक अरब से अधिक लोगों तक ओलंपिक खेलों की पहुंच बढ़ाने के साथ नए खिलाड़ियों, दर्शकों और साझेदारों को ओलंपिक परिवार से जोड़ने की क्षमता पैदा होगी।

आईओए की अध्यक्ष पी. टी. उषा ने कहा, हम 2036 ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों के लिए भारत की परिकल्पना और आकांक्षाओं को अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति की मान्यता मिलने से बेहद सम्मानित महसूस कर रहे हैं और भविष्य के खेलों के संभावित मेजबानों के एक असाधारण समूह का हिस्सा होने पर गर्व है। हमारे लिए 'साथ बढ़ते भारत' केवल एक नारा नहीं है, बल्कि साझा ओलंपिक सपने के पीछे भारत की ऊर्जा, महत्वाकांक्षा और विविधता को एकजुट करने की एक मजबूत प्रतिबद्धता है। 2036 के लिए अपनी परिकल्पना तैयार करते हुए हम ऐसे खेलों का आयोजन करना चाहते हैं, जो एक युवा, गतिशील और आगे बढ़ते भारत के आत्मविश्वास को दर्शाएं और साथ ही दुनिया भर में नई पीढ़ियों, नए समुदायों और नए क्षितिज तक पहुंचने की ओलंपिक और पैरालंपिक आंदोलन की महत्वाकांक्षा में योगदान दें।

लक्ष्मण अब सीनियर चयन समिति की सभी बैठकों में रहेंगे मौजूद : सैकिया

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने मंगलवार को कहा कि सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण भविष्य में सीनियर चयन समिति की सभी बैठकों में शामिल होंगे। वह गुवाहाटी में टी20 अंतरराष्ट्रीय और भारत ए टीम के चयन के लिए हुई बैठक में भी मौजूद थे। सैकिया ने कहा, "अब से वीवीएस लक्ष्मण सीनियर चयन समिति की सभी बैठकों में शामिल होंगे ताकि चयनकर्ताओं और सीओई के बीच किसी तरह की संवादहीनता नहीं हो।" लक्ष्मण और अब पूर्व मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर के बीच संवाद की स्पष्ट कमी रही थी। माना जाता है कि चोटिल खिलाड़ियों के बारे में सीओई की ओर से समयसीमा की जानकारी नहीं मिलने के कारण कई बार अप्रिय स्थिति पैदा हुई। सैकिया ने कहा, "मुंबई में हुई समीक्षा बैठक में यह फैसला लिया गया कि सीओई के क्रिकेट प्रमुख के तौर पर लक्ष्मण आगे से सभी बैठकों में शामिल होंगे। इसका उद्देश्य संवादहीनता को रोकना और चयनकर्ताओं को सही निर्णय लेने के लिए सटीक जानकारी उपलब्ध कराना है।

9 विकेट से जीता नारायण स्पोर्ट्स, अरावली को किया चारों खाने चित्त

जयपुर, 7 अक्टूबर। प्रथम अंडर-14 श्याम कप में नारायण स्पोर्ट्स अकादमी जूनियर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अरावली क्रिकेट अकादमी नेक्स्टजेन को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। पहले बल्लेबाजी करते हुए अरावली की टीम 20.2 ओवर में 65/8 रन ही बना सकी। दिपेश कुशवाहा ने 19 रन बनाए। नारायण की ओर से आदित्य यादव और हिमांशु ने तीन-तीन विकेट लेकर अरावली की पारी पर अंकुश लगाया, जबकि चर्चित यादव को दो विकेट मिले। लक्ष्य का पीछा करते हुए नारायण स्पोर्ट्स ने महज 13.4 ओवर में एक विकेट खोकर 71 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। हिमांशु और आदित्य यादव ने 30-30 रन की नाबाद पारियां खेलीं। अरावली की ओर से प्रशांत परमार को एक विकेट मिला।नारायण स्पोर्ट्स ने 9 विकेट से जीत दर्ज कर टूर्नामेंट में अपना दमखम दिखाया।

वैभव रणजी के शुरुआती 2 राउंड में नहीं खेलेंगे

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। वैभव सूर्यवंशी रणजी ट्रॉफी के शुरुआती दो राउंड में बिहार के लिए नहीं खेलेंगे। बीसीसीआई की ओर से नियुक्त चयन समिति ने 2026-27 रणजी सीजन के शुरुआती दो राउंड के लिए बिहार की 17 सदस्यीय टीम चुनी है, जिसमें सूर्यवंशी का नाम नहीं है। बिहार अपने रणजी अभियान की शुरुआत 11 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के खिलाफ राजगीर इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में करेगा। टीम की कप्तानी साकिबुल गनी को सौंपी गई है, जबकि हिमांशु सिंह उपकप्तान होंगे।

वैभव न्यूजीलैंड दौरे के लिए टी-20 टीम में शामिल

वैभव को न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में चुना गया है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच टी-20 सीरीज 22 अक्टूबर से 1 नवंबर तक खेली जाएगी। बिहार को रणजी में पहला मुकाबला 11 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के खिलाफ खेलना है। ऐसे में शुरुआती दो राउंड के दौरान वैभव भारतीय टीम की तैयारी और न्यूजीलैंड दौरे में व्यस्त रहेंगे।

मेसी ने अर्जेंटीना को कहा अलविदा

अर्जेंटीना के लिए खेलना सबसे खूबसूरत चीज : लियोनेल मेसी

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। लियोनेल मेसी ने मंगलवार को ब्यूनस आयर्स में बेनिन के खिलाफ 3-0 की जीत के साथ अर्जेंटीना के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का समापन किया। दो गोल में सहयोग और एक पेनल्टी पर गोल करने के बाद मेसी ने खचाखच भरे एस्टाडियो मोनुमेंटल में भावुक भाषण दिया और अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम को अलविदा कहा। मेसी ने कहा कि वह अर्जेंटीना के लिए खेलना याद करेंगे। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत अपने दिवंगत पिता जॉर्ज को याद करते हुए की, जिनका लंबी बीमारी के बाद अगस्त में निधन हो गया था। मेसी ने कहा, आज रात मैं जिस पहले व्यक्ति के बारे में सोचता हूं, वह मेरे पिता हैं। मैं आप सभी का सिर्फ धन्यवाद कर

सकता हूं। 20 से अधिक वर्षों तक इस जर्सी की रक्षा करना मेरे लिए बहुत बड़े गर्व की बात रही है। हमने कभी लड़ना बंद नहीं किया, कभी अपना सब कुछ देना बंद नहीं किया। उन्होंने कहा, मेरी इच्छा है कि मैं पूरी जिंदगी खेल सकूं, क्योंकि अर्जेंटीना के लिए खेलना सबसे खूबसूरत चीज है। मेसी ने कहा, बेशक, मैं शायद बहुत सी ऐसी बातें भूल रहा हूं जो मैं कहना चाहता हूं। यह मेरे लिए एक मुश्किल पल है। मुझे इसकी कमी खलेगी। 39 वर्षीय मेसी ने यह भी कहा कि वह अर्जेंटीना के लिए उनके बाद खेलने वाले खिलाड़ियों का समर्थन करते रहेंगे। उन्होंने कहा, जब हम एकजुट होते हैं, तो हम किसी भी अन्य टीम से ज्यादा मजबूत होते हैं। और हम किसी भी चीज से पार पा सकते हैं। मेसी ने अपने भावुक भाषण का समापन करते हुए कहा, मैं आपसे प्यार करता हूं, मैं आपसे प्यार करता हूं। मुझे आपकी कमी खलेगी। और मैं अर्जेंटीना का होने पर बेहद आभारी और गौरवान्वित हूं। आप सभी के साथ अपना सपना पूरा करने पर मुझे गर्व है।

12 टीमों का हो सकता है अगला वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप : ग्रीनबर्ग

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप यानी डब्ल्यूटीसी का अगला साइकल मौजूदा 9 टीमों के बजाय 12 का हो सकता है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सीईओ टॉड ग्रीनबर्ग ने संकेत दिए हैं कि 2029-31 के डब्ल्यूटीसी में जिम्बाब्वे, आयरलैंड और अफगानिस्तान को शामिल करने की तैयारी है। इसके लिए एक बड़ा बदलाव यह भी हो सकता है कि एक टेस्ट की सीरीज को डब्ल्यूटीसी के पॉइंट्स में शामिल किया जाए। इस फैसले पर अगले महीने बाली में होने वाली आईसीसी बैठकों में निर्णय आने की उम्मीद है।

मौजूदा डब्ल्यूटीसी 2019 से 9 टीमों के साथ खेला जा रहा है। हर टीम दो साल में 6 टेस्ट सीरीज खेलती है। 3 घर में और 3 विदेशी जमीन पर। अभी डब्ल्यूटीसी सीरीज में कम से कम 2 टेस्ट होना जरूरी है। ग्रीनबर्ग के मुताबिक 12 टीमों का मॉडल इसलिए जरूरी है, क्योंकि हर टेस्ट खेलने वाले देश को डब्ल्यूटीसी में जगह देने की कोशिश की जा रही है। लेकिन उनका मानना है कि यह मॉडल लंबे समय तक आर्थिक रूप से कितना टिकाऊ रहेगा, यह बड़ा सवाल है। उन्होंने साफ कहा कि अगर आईसीसी से मिलने वाली आमदनी मौजूदा स्तर पर नहीं रहती या बोर्ड अपने यानी फ्यूचर टूर प्रोग्राम से पर्याप्त कमाई नहीं कर पाते, तो लगातार कमाई से ज्यादा खर्च करना संभव नहीं होगा। यही समस्या ग्लोबल क्रिकेट के कुछ हिस्सों में पहले से दिखाई दे रही है।

कैंडलविक क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 7 अक्टूबर। अंडर-14 मानसून कप में कैंडलविक क्रिकेट अकादमी ने आइडियल मल्टी स्पोर्ट्स क्रिकेट अकादमी को44 रन सेहराया। कैंडलविक ने 40 ओवर में 7 विकेट पर 210 रन बनाए।आरव मालपानी ने 76 रनबनाए। जवाब में आइडियल मल्टी स्पोर्ट्स की टीम 35 ओवर में 166 रन पर ऑलआउट हो गई। तनिष्क ने 56 और अथर्व गुप्ता ने 47 रन बनाए। कैंडलविक के आर्यमन सिंह ने 3 विकेट लिए। उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया।

श्रेयस टी-20 रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 7वें स्थान पर, वनडे में शुभमन गिल शीर्ष पर कायम

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। भारत के टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर बुधवार को जारी ताजा आईसीसी रैंकिंग में टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी सूची में करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गए, जबकि एकदिवसीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने 50 ओवर के प्रारूप में बल्लेबाजों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान बरकरार रखा। अय्यर ने मंगलवार को लखनऊ में वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला के पहले मुकाबले में 43 गेंदों पर नाबाद 102 रनों की विस्फोटक पारी खेली। उनकी पारी में 10 चौके और छह छक्के शामिल थे। इस शानदार प्रदर्शन की बदौलत विश्व चैंपियन भारत ने मुकाबला आठ विकेट से जीता।

आईसीसी के अनुसार, अय्यर इस पारी के बाद 18 स्थान की छलांग लगाकर सातवें स्थान पर पहुंच गए और टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत के तीसरे सबसे ऊंचे रैंकिंग वाले बल्लेबाज बन गए। ईशान किशन और अभिषेक शर्मा शीर्ष दो स्थान पर कायम हैं, जबकि तिलक वर्मा 10वें स्थान पर हैं। इस तरह भारत के चार बल्लेबाज शीर्ष 10 में शामिल हैं। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भी आठ स्थान ऊपर चढ़कर 46वें स्थान पर पहुंच गए हैं। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शेरफेन रदरफोर्ड ने 56 रनों की तेजतर्रार पारी के बाद 10 स्थान की छलांग लगाकर 37वां स्थान हासिल किया। वहीं, एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान के हसन नवाज 62 स्थान ऊपर चढ़कर 48वें स्थान पर पहुंच गए हैं। गेंदबाजों की रैंकिंग में एशियाई खेलों के सेमीफाइनल और फाइनल में क्रमशः 29 रन पर कोई विकेट नहीं और 29 रन पर एक विकेट लेने वाले अबरार अहमद अपना शीर्ष स्थान बरकरार नहीं रख सके।

शूटिंग में राजस्थान के निशानेबाजों ने जीते 7 पदक

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। 11वीं इंडिया ओपन शूटिंग प्रतियोगिता में राजस्थान के युवा निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुएदो स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदक जीते। क्ले पिजन स्कीट जूनियर पुरुष एवं यूथ पुरुष वर्ग में तनुज राज सिंह ने दो रजत पदकजीते। क्ले पिजन स्कीट महिला वर्ग में पिंकी राठौड़ ने रजत पदक हासिल किया। क्ले पिजन ट्रैप एनआर यूथ एवं जूनियर महिला वर्ग में इशान्या यादव ने दो स्वर्ण पदक अपने नाम किए। वहीं युगांतर देव सिंह ने जूनियर पुरुष वर्ग में रजत और यूथ पुरुष वर्ग में कांस्य, सद्व्यदत्त ने यूथ वर्ग में स्वर्ण तथा प्रिंस पदवानी ने कांस्य पदक जीता। वरिष्ठ पुरुष वर्ग में भवानी सिंह कालवी ने रजतपदक हासिल किया। राजस्थान राइफल एसोसिएशन ने सभी पदक विजेताओं को बधाई दी।

नेहा समेत 9 पहलवानों का अमेरिका वीजा रद्द, विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप पर खतरा

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। भारतीय कुश्ती दल के लिए अमेरिका जाने से पहले मुश्किल खड़ी हो गई है। 2024 की अंडर-17 विश्व चैंपियन नेहा सांगवान समेत कई भारतीय पहलवानों के अमेरिका के वीजा आवेदन खारिज कर दिए गए हैं। इससे लास वेगास में 12 से 18 अक्टूबर तक होने वाली अंडर-23 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में इन खिलाड़ियों के हिस्सा लेने पर सवाल खड़ा हो गया है। मौजूद जानकारी के अनुसार, बुधवार को अमेरिकी दूतावास में वीजा इंटरव्यू के लिए पहुंचे कई पहलवानों को मौखिक रूप से बताया गया कि उनके आवेदन इसलिए स्वीकार नहीं किए गए क्योंकि उनकी उम्र 20 साल से कम है और वे औपचारिक रूप से नौकरी नहीं करते हैं। इंटरव्यू के बाद खिलाड़ियों के पासपोर्ट भी उन्हें वापस कर दिए गए। इस मामले को लेकर भारतीय कुश्ती फेडरेशन ने नई दिल्ली स्थित अमेरिकी

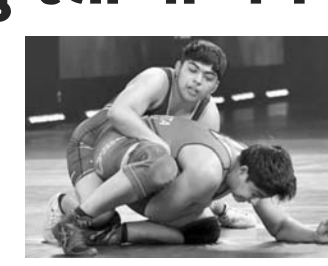

दूतावास से हस्तक्षेप करने और खारिज किए गए आवेदनों पर दोबारा विचार करने की अपील की है। फेडरेशन ने गुरुवार को वीजा इंटरव्यू के लिए पहुंचने वाले बाकी पहलवानों के मामलों पर भी सकारात्मक तरीके से विचार करने का अनुरोध किया है।

बता दें कि भारतीय कुश्ती फेडरेशन की ओर से अमेरिकी दूतावास को भेजे गए पत्र के मुताबिक, बुधवार को कुल 24 प्रतिभागी वीजा प्रक्रिया के लिए पहुंचे थे। इनमें 16 पहलवान शामिल थे और इनमें से 9 पहलवानों के आवेदन खारिज कर दिए गए। फेडरेशन ने कहा कि उसे मिली जानकारी के अनुसार आवेदन खारिज होने की वजह खिलाड़ियों की रोजगार स्थिति और उनकी उम्र बताई गई है।

फेडरेशन ने अपने पत्र में यह भी समझाने की कोशिश की है कि जिस प्रतियोगिता के लिए ये खिलाड़ी अमेरिका जा रहे हैं, वह अंडर-23 वर्ग की विश्व चैंपियनशिप है। इसमें हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों की उम्र 18 से 23 साल के बीच होती है। ऐसे में कई खिलाड़ी अभी अपना पूरा ध्यान खेल करियर पर लगा रहे हैं और उनके पास कोई नियमित नौकरी होना जरूरी नहीं है। जिन पहलवानों के वीजा आवेदन खारिज होने की जानकारी सामने आई है, उनमें समर्थ गजानन म्हाकावे, धीरज कुमार मलिक, सचिन कुमार, निखिल, हरदीप, परवीन, अहिल्या शत्रुघ्न शिंदे, नेहा शर्मा और नेहा सांगवान के नाम शामिल हैं।

अहमदाबाद में कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैम्पियनशिप शुरू, 42 देशों के 144 खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

अहमदाबाद, 7 अक्टूबर। कॉमनवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का दूसरा संस्करण बुधवार को अहमदाबाद में शुरू हो गया। इसमें राष्ट्रमंडल के 42 देशों के 144 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता के मुकाबले 8 से 10 अक्टूबर तक वीर सावरकर खेल परिसर में खेले जाएंगे। उद्घाटन समारोह 7 अक्टूबर को आयोजित किया गया। प्रतिष्ठित बहुविषयक प्रतियोगिता पहली बार भारत में हो रही है। अहमदाबाद में अगले तीन दिनों तक अनुभवी चैंपियन, उभरती प्रतिभाएं और भारत के शीर्ष खिलाड़ी राष्ट्रमंडल खिताब के लिए मुकाबला करेंगे। चैंपियनशिप में 72 पुरुष और 72 महिला खिलाड़ी पांच स्पर्धाओं-इंग्लिश बिलियर्ड्स, स्नूकर, 10-बॉल पूल, हीबॉल और ब्लैकबॉल-में चुनौती पेश करेंगे। चार दिवसीय आयोजन में कुल 10 पदक स्पर्धाएं होंगी। यह प्रतियोगिता भारतीय बिलियर्ड्स और स्नूकर महासंघ के शताब्दी समारोह का भी प्रमुख हिस्सा है। भारत ने 2025 में मॉरीशस में आयोजित पहली चैंपियनशिप में पांच पदक जीते थे। घरेलू मैदान पर इस बार भारतीय चुनौती की अगुआई महिला हीबॉल की मौजूदा कॉमनवेल्थ चैंपियन विद्या पिल्लई, पुरुष हीबॉल के रजत पदक विजेता शिवम अरोड़ा और महिला 10-बॉल पूल की रजत पदक विजेता चित्रा मागिमैराज करेंगी। तीनों खिलाड़ी अपने पदकों की संख्या बढ़ाने के इरादे से उतरेंगे।

वयम लाम्बा का जलवा, एकल-युगल के क्वार्टर फाइनल में

जयपुर, 7 अक्टूबर। ऑल इंडिया सब जूनियर रैंकिंग बैडमिंटन प्रतियोगिता में राजस्थान केवयम लाम्बा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-15 एकल और युगल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। लाम्बा ने एकल में दूसरी वरीयता प्राप्त उत्तराखंड के आदित्य सिंह नेगी को 15-10, 15-12 से हराकर उलटफेर किया। इसके बाद प्री-क्वार्टर फाइनल में 14वीं वरीयता प्राप्त तमिलनाडु के प्रतीष सतीश को 21-19, 15-6 से शिकस्त दी। युगल में लाम्बा और श्रेयांश चौधरी की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी ने तेलंगाना के वी. चोटाकुरी और आंध्र प्रदेश के एस. गन्नावरापु को 15-11, 15-8 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। आनंद मदेरणा-युवराज सिंह शेखावत की जोड़ी ने भी क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। दोनों ने मनन शर्मा-साई सोहन कोटा की जोड़ी को 12-15, 20-18, 15-3 से हराया। अंडर-15 बालिका वर्ग में पदमजा सिंह ने जीत से शुरुआत की, लेकिन बाद में महाराष्ट्र की वैष्णवी मांगेलकर से हारकर बाहर हो गईं। अंडर-17 मेंनेहल सिसोदियाने जीत दर्ज की। मिश्रित युगल में राजस्थान के अंशुमान चौधरी और महाराष्ट्र की सरायू रंजाने की जोड़ी ने आठवीं वरीय जोड़ी को हराया। प्रतियोगिता के क्वार्टर फाइनल गुरुवार सुबह 9 बजे से और सेमीफाइनल शाम 4 बजे से खेले जाएंगे।

हॉकी इंडिया लीग के भविष्य पर खेल मंत्रालय ने बनाई 7 सदस्यीय कमेटी

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर। हॉकी इंडिया लीग को दोबारा पटरी पर लाने की कोशिश अब तेज होती दिख रही है। खेल मंत्रालय ने संकट से जूझ रही इस लीग के भविष्य पर काम करने के लिए 7 सदस्यीय समिति का औपचारिक गठन कर दिया है। समिति में खेल मंत्रालय, हॉकी इंडिया और लीग की फ्रेंचाइजी टीमों के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है। मौजूद जानकारी के अनुसार, यह कदम खेल मंत्री मनसुख मांडविया की सितंबर में हुई बैठक के बाद उठाया गया है। इस बैठक में हॉकी इंडिया के अधिकारियों और हॉकी इंडिया लीग की फ्रेंचाइजी से जुड़े प्रतिनिधियों ने प्रतियोगिता के सामने आ रही आर्थिक और प्रशासनिक समस्याओं की जानकारी मंत्री को दी थी। इसके बाद मंत्री ने लीग के संचालन ढांचे, आर्थिक व्यवस्था और भविष्य की योजना पर प्राथमिकता से काम करने के निर्देश दिए थे। नई समिति में खेल मंत्रालय के खेलो इंडिया से जुड़े संयुक्त सचिव विनील कृष्ण, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप तिर्की, महासचिव भोला नाथ सिंह और कोषाध्यक्ष सेकर जे. मनोहरन शामिल हैं। इसके अलावा 3 फ्रेंचाइजी प्रतिनिधियों को भी समिति में जगह दी गई है। इनमें आलोक सांघी, महेश भूपति और दिव्यांशु सिंह के नाम शामिल हैं। बता दें कि सितंबर की बैठक के बाद भी ऐसी ही एक समिति बनाने का प्रस्ताव रखा गया था, जिसमें हॉकी इंडिया, फ्रेंचाइजी और खेल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल होने थे।

अंडर-23 में जयपुर का बल्ला गरजा, सीकर ने श्रीगंगानगर को हराया

16 मुकाबलों में रोमांचक नतीजे

जयपुर, 7 अक्टूबर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वावधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर-23 प्रतियोगिता में बुधवार को प्रदेशभर में लीग मुकाबलों का रोमांच देखने को मिला। जयपुर, सीकर, जोधपुर, भीलवाड़ा, जालोर, अलवर, बाड़मेर, झालावाड़, कोटा, झुंझुनूं, बारां, उदयपुर, बूंदी और राजसमंद ने जीत दर्ज की। सबसे बड़ी जीतों में जयपुर ने टोंक को 192 रन से हराया। जयपुर ने 328 रन बनाए, जिसमें सुनील शर्मा ने 94, कुणाल गौतम ने 91 और ऋतिक सारण ने 74 रन बनाए। जवाब में टोंक 136 रन पर सिमट गया। जयपुर के आयुष अमेरिया ने पांच विकेट लिए। कोटा ने डूंगरपुर को 228 रन से हराया, जबकि कोटा के असद उमर 99 रन पर आउट हुए। जालोर ने धौलपुर को 152 रन से मात दी, जिसमें मुकेश कुमार ने शतकीय पारी खेली। भीलवाड़ा ने भरतपुर को 94 रन से, झुंझुनूं ने जैसलमेर को 108 रन से और झालावाड़ ने सिरोही को 98 रन से हराया।

अन्य मुकाबलों में सीकर ने श्रीगंगानगर को छह विकेट से हराया। श्रीगंगानगर के 324/5 के जवाब में सीकर ने 327/4 बनाकर लक्ष्य हासिल किया। पार्थ यादव, सोहन सैफ, सचिन काकोड़िया और अंकित कुमार ने शानदार पारियां खेलीं।उदयपुर ने हनुमानगढ़ को पांच विकेट से हराया, जिसमें करण दवे ने नाबाद 131 रन की शानदार पारी खेली। बाड़मेर ने करौली को सात रन से, बारां ने बांसवाड़ा को दो रन से, जोधपुर ने अजमेर को 37 रन से, अलवर ने चूरू को 147 रन से, बूंदी ने दौसा को आठ विकेट से और राजसमंद ने प्रतापगढ़ को सात विकेट से हराया।

अंडर-23 चैंपियनशिप में दौसा टीम का अभियान समाप्त

जयपुर में आयोजित अंडर-23 चैंपियनशिप में दौसा क्रिकेट टीम का अभियान तीन मुकाबलों में हार के साथ समाप्त हो गया। टीम ने प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रयास किया, लेकिन कुछ महत्वपूर्ण मौकों पर बल्लेबाजी, गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं होने के कारण टीम को जीत नहीं मिल सकी।

जिला क्रिकेट संघ के सचिव बृजकिशोर उपाध्याय ने बताया कि प्रतियोगिता के पहले मुकाबले में दौसा का सामना करौली से हुआ। दौसा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट पर 289 रन बनाए। कप्तान सचिन शर्मा ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 50 गेंदों पर 100 रन की शानदार पारी खेली, जबकि देवकृत शर्मा ने भी शतक लगाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए करौली ने 49 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मुकाबले में दौसा की ओर से क्षेत्ररक्षण में कुछ कमियां देखने को मिलीं।

जयपुर और स्टर्नहेगन टीम ने जीते मुकाबले, पहला सेमीफाइनल आज

जयपुर, 7 अक्टूबर। जयपुर पोलो सीज़न 2026 के अंतर्गत सवाई मान गार्ड कप (8 गोल) टूर्नामेंट की बुधवार से शुरुआत हुई। पहला मुकाबला पीपीसी ग्राउंड पर टीम स्टर्नहेगन और टीम नेवी पोलो के बीच खेला गया। दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर में टीम स्टर्नहेगन 6-5.5 के स्कोर से विजेता बनी। वहीं, राजस्थान पोलो क्लब ठाउंड पर दूसरा मुकाबला खेला गया। फ्लडलाइट्स की रोशनी में टीम जयपुर और टीम मेफेयर पोलो का आमना-सामना हुआ। इस मुकाबले में टीम जयपुर ने 8-6 के स्कोर से मेफेयर पोलो को शिकस्त दी।

टीम स्टर्नहेगन और टीम नेवी पोलो की टक्कर

मुकाबले में विजेता टीम स्टर्नहेगन से अशोक चांदना और डीनो धनखड़ ने 3-3 गोल हासिल किए। वहीं, टीम से एलन शॉन माइकल और डेन जोशुआ ज़ासार भी खेले। वहीं, नेवी पोलो की ओर से फ्रेड थेम ने अकेले टीम के लिए 5 गोल किए। टीम से आर्यामान सिंह, लेफ्टिनेंट कर्नल विशाल चौहान और

कैप्टन ए.पी. सिंह भी खेले। टीम नेवी पोलो को आधे गोल का एडवांटेज भी प्राप्त हुआ।

टीम जयपुर और टीम मेफेयर पोलो के बीच मुकाबला

इस मैच में विजेता टीम जयपुर की ओर से मार्टिन कार्लोस डोनोवन ने 4 गोल और एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने 3 गोल दागे। जबकि कुलदीप सिंह राठौड़ ने 1 गोल किया। टीम से विश्वराज सिंह राठौड़ भी खेले। दूसरी ओर, मेफेयर पोलो टीम के लिए शमशीर अली ने 4 गोल और हुर्र अली ने 2 गोल किए। टीम में लोकेंद्र सिंह धीरावत और प्रताप सिंह कानोता भी शामिल रहे।

पहला क्रॉस सेमीफाइनल मुकाबला आज

इस कड़ी में, गुरुवार 8 अक्टूबर को और शुक्रवार 9 अक्टूबर को क्रॉस सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। सवाई मान गार्ड कप (8 गोल्स) टूर्नामेंट का फाइनल फ्लडलाइट्स में शनिवार, 10 अक्टूबर को शाम 7 बजे से राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर खेला जाएगा।

प्रधानमंत्री का जीवन अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति में बदलाव लाने की तपस्या है- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने विकसित भारत के निर्माण की शपथ दिलाई व सेवा ज्योति यात्रा को रवाना किया

जयपुर, 7 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मानसरोवर के वी.टी. रोड स्थित मेला ग्राउण्ड में "विकसित भारत संकल्प सभा और सेवा ज्योति यात्रा" कार्यक्रम में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अविराम जनसेवा यात्रा के 25 गौरवशाली वर्ष पूर्ण हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस उपलक्ष्य में आयोजित विकसित भारत संकल्प सभा और सेवा ज्योति यात्रा के माध्यम से आज पूरा राष्ट्र एक नई ऊर्जा और संकल्प के साथ खड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का पिछले ढाई दशकों का सार्वजनिक जीवन राष्ट्र-प्रथम, कठिन परिश्रम और अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के जीवन में बदलाव लाने की एक महान तपस्या है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली-मुंबई (दिल्ली-जयपुर खंड सहित), अमृतसर-जामनगर एवं अन्य प्रमुख जयपुर-किशनगढ़-जोधपुर-पचपदरा एक्सप्रेसवे तथा बीकानेर-कोटपूतली एक्सप्रेसवे परियोजनाओं के माध्यम से प्रदेश में रोड नेटवर्क का विकास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि जयपुर में यातायात के दबाव को कम करने के लिए 11,764 करोड़ रुपये की लागत से जयपुर रिंग रोड उत्तर परियोजना का कार्य भारत सरकार के सहयोग से पूरा करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने 13 हजार करोड़ रुपये लागत की जयपुर मेट्रो रेल परियोजना फेज-2 को स्वीकृति दी है। इसके तहत, 41 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर बनेगा, जिसमें 36 स्टेशन होंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मानसरोवर के वी.टी. रोड स्थित मेला ग्राउण्ड में विकसित भारत संकल्प सभा और सेवा ज्योति यात्रा कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने मशाल जलाकर सेवा ज्योति यात्रा को रवाना किया।

कार्यक्रम स्थल पर मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनसमूह को विकसित भारत के निर्माण की शपथ दिलाई तथा मशाल जलाकर सेवा ज्योति यात्रा को रवाना किया। इस दौरान वे स्वयं भी इस यात्रा में शामिल हुए और कहा कि यह यात्रा प्रधानमंत्री के सेवा, सुशासन, विकास और जनकल्याण के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का अभियान है। मुख्यमंत्री ने यात्रा की समाप्ति पर मानसरोवर स्थित सिटी पार्क में अटल काव्य स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की।

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यह यात्रा प्रधानमंत्री के सेवा, सुशासन, विकास और जन कल्याण के संकल्प को जन-जन तक पहुँचाने का अभियान है।**

मुख्यमंत्री के साथ कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, सांसद घनश्याम तिवाड़ी, विधायक कैलाश वर्मा, गोपाल शर्मा, बालमुकुंदाचार्य, महेन्द्रपाल मीणा, गुरवीर सिंह बराड़, भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण बगड़ी, जयपुर नगर निगम महापौर सुनील कोठारी व उप महापौर सरोज कंवर सहित, जिलाध्यक्ष, पार्षदगण, पूर्व सैनिक, लोक कलाकार गुलाबो सपेरा और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं आमजन उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में सभी जिलों से स्थानीय जनप्रतिनिधिगणों, पार्टी पदाधिकारियों एवं जन समूह ने वीसी के जरिए सहभागिता की।

दो अफीम तस्करों को 15 साल की सजा

जयपुर, 7 अक्टूबर। एनडीपीएस मामलों की विशेष कोर्ट ने मणिपुर के इंफाल इलाके से प्रदेश में अफीम तस्करी करने के दो अभियुक्तों – ट्रक चालक मल्लाराम और खलासी आईदान राम को 15 साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही पीठासीन अधिकारी विनोद कुमार शर्मा ने अभियुक्तों पर 3 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

■ **ट्रक चालक मल्लाराम और खलासी आईदान राम मणिपुर से 40-45 किलो अवैध अफीम तस्करी करके लाते हुए पकड़े गए थे।**

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक शंकर लाल ने अदालत को बताया कि एनसीबी की क्षेत्रीय इकाई को 21 जनवरी, 2020 को गोपनीय सूचना मिली थी कि 22 जनवरी को दौसा से जयपुर जाने वाले एक ट्रक में 40-45 किलोग्राम अवैध अफीम की तस्करी की जा रही है।

गोपनीय सूचना पर कार्रवाई करते हुए जोधपुर की टीम ने आगरा रोड पर बस्सी थाना इलाके में राजाधोक टोल प्लाजा पर ट्रक को रोककर उसकी जांच की। ट्रक में केबिन के ऊपर छत पर 42 पैकेटों में 42 किलो 380 ग्राम अवैध अफीम मिली।

इस ट्रक में 505 बोरी बाजरा भरा हुआ था। पूछताछ में ट्रक चालक ने यह मादक पदार्थ सांचौर निवासी दिनेश बिश्नोई का होना बताया। अनुसंधान के बाद दोनों आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया। अभियोजन ने 13 गवाहों के बयान दर्ज कराए।

वृंदावन : पानी के टैंक की सफाई में जहरीली गैस से चार छात्रों की मौत

गुरुकुल के संचालक ने रात 10 बजे छात्रों को 12 फिट गहरे पानी के टैंक को साफ करने के लिये कहा था

मथुरा, 07 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश में जनपद मथुरा के वृंदावन के चैतन्य विहार सेक्टर- दो स्थित "पाणिनि संस्कृत गुरुकुलम" में मंगलवार रात पानी के टैंक की सफाई के दौरान जहरीली गैस की चपेट में आने से चार छात्रों की मौत हो गई, जबकि एक अन्य छात्र का अस्पताल में इलाज चल रहा है। घटना के बाद से गुरुकुलम का संचालक फरार है।

पुलिस के अनुसार, जिस जगह गुरुकुलम संचालित हो रहा है, वहां एक साल पहले तक उमा कमला नाम से गेस्ट हाउस चलता था। वर्तमान में आशीष शर्मा ने इसे किराये पर लेकर गुरुकुलम शुरू किया, जहां लगभग 100 छात्र रहकर संस्कृत की पढ़ाई कर रहे हैं। मंगलवार रात करीब 10 बजे गुरुकुल संचालक आचार्य आशीष ने छात्रों को पीछे बने लगभग 12 फीट गहरे बंद पानी के टैंक को साफ करने के लिए कहा।

पुलिस ने बताया कि निर्देश मिलने पर पांच छात्र सफाई के लिए उतरे। सबसे पहले मनु कटारे टैंक का ढक्कन खोलकर अंदर उतरे, जहां जहरीली गैस के कारण उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। उन्हें बचाने के चक्कर में एक-एक करके बाकी, विशू शर्मा (19, मेरठ), आर्यन पांडेय (16, प्रयागराज) और देवांश शर्मा (17) भी टैंक में उतर गए और उसकी चपेट में आ गए। छात्रों की चीख-पुकार सुनकर पड़ोस में रहने वाले कृष्णा तिवारी पहुंचे और अन्य आचार्यों व छात्रों की मदद से सभी को बाहर निकाला।

■ **पाणिनी संस्कृत गुरुकुलम में 100 छात्र रह कर संस्कृत की पढ़ाई करते हैं। जहां गुरुकुलम है वहां एक साल पहले तक उमा कमल के नाम से गैस्ट हाउस चलता था।**

सूचना पाकर पर पहुंची पुलिस छात्रों को रामकृष्ण मिशन सेवा आश्रम तथा सौ शैया अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने मनु कटारे (22, जबलपुर), विशू शर्मा (19, मेरठ), आर्यन पांडेय (16, प्रयागराज) और देवांश शर्मा (17) को मृत घोषित कर दिया। रुद्राक्ष अस्पताल में भर्ती है।

आरबीआई ने 25 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है। ऊंची ब्याज दरों से महंगाई को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती हैं, लेकिन इससे खपत, घरों की मांग, कंपनियों के निवेश और क्रैडिट ग्रोथ पर भी असर पड़ सकता है।

इसी वजह से 25 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी को बहुत ज्यादा सख्ती के बजाय, एक नपा-तुला कदम माना जा रहा है। इसका सीधा संदेश यह है कि आरबीआई महंगाई को बढ़ने से रोकना चाहता है, लेकिन इसके लिए आर्थिक गतिविधियों को जरूरत से ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचाना चाहता।

अब सबसे अहम सवाल यह है कि क्या यह ब्याज दर बढ़ाने के एक नए दौर की शुरुआत है या सिर्फ एहतियात के तौर पर की गई एक बार की बढ़ोतरी है।

यह काफी हद तक अगले कुछ महीनों में महंगाई की दिशा पर निर्भर करेगा, खासकर खाने-पीने की चीज़ों और ईंधन की कीमतों, साथ ही वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों, रूपए की चाल और घरेलू आर्थिक विकास पर।

अगर महंगाई लगातार बढ़ती रहती है, तो आरबीआई पर ब्याज दरों को लंबे समय तक ऊंचा बनाए रखने का दबाव पड़ सकता है। अगर बाद में महंगाई कम होने लगती है, तो केन्द्रीय बैंक कुछ समय के लिए रूककर इस बढ़ोतरी के असर का आकलन कर सकता है।

संक्षेप में, रैपो रेट को 25 बेसिस पॉइंट बढ़ाकर 5.50 प्रतिशत करने का मकसद लोन को बहुत ज्यादा मंहगा करना नहीं, बल्कि एक साफ संकेत देना है कि अगर महंगाई को काबू में रखने के लिए जरूरी हुआ, तो आरबीआई विकास के लिए मिलने वाले कुछ मॉनिटरी सपोर्ट (मौद्रिक मदद) कम करने के लिए तैयार है।

इमारतों की सुरक्षा की समय-समय पर ऑडिट करें

नई दिल्ली, 07 अक्टूबर। दिल्ली उच्च न्यायालय ने राजधानी में इमारतों की संरचनात्मक सुरक्षा और समय-समय पर होने वाले ऑडिट से जुड़े कानूनी ढ ांचे के बारे में स्पष्टता मांगी है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश नितिन वासुदेव सांब्रे की अध्यक्षता वाली बेंच ने सत्य निकेतन जैसी घटनाओं पर गौर करते हुए प्राधिकारों से 28 अक्टूबर तक जवाब तलब किया है। इंद्रप्रस्थ रेनेसां ट्रस्ट की याचिका में दिल्ली में इमारतों के लगातार गिरने पर चिंता जताते हुए संरचनात्मक एवं आग से सुरक्षा के समयबद्ध एवं समग्र उपायों पर दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की गई है। सत्य निकेतन इमारत गिरने का हादसा 6 सितंबर को हुआ था, जिसमें मलबे में कई छात्र दब गए थे।

■ **हाई कोर्ट ने ऑडिट से जुड़े कानूनी ढांचे पर स्पष्टता मांगी।**

वैज्ञानिक हेनरी कागन व केंसो सोई को रसायन का नोबल मिला

दोनों वैज्ञानिकों को असममित कार्बनिक संश्लेषण में गैर- रैखिक प्रभावों की खोज के लिये यह पुरस्कार दिया जायेगा

स्टॉकहोम, 07 अक्टूबर। फ्रांस के वैज्ञानिक हेनरी बी. कागन और जापान के केंसो सोई को वर्ष 2026 के लिए संयुक्त रूप से रसायन विज्ञान का नोबेल पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। नोबेल समिति ने बुधवार को स्टॉकहोम में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा की।

नोबेल समिति के मुताबिक, दोनों वैज्ञानिकों को असममित कार्बनिक संश्लेषण में गैर-रैखिक प्रभावों और स्व-उत्प्रेरण की खोज के लिए यह प्रतिष्ठित सम्मान दिया जाएगा। उनको दिसंबर में स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में सम्मानित किया जाएगा।

इस वर्ष नोबेल पुरस्कार की राशि 1.2 करोड़ स्वीडिश क्रोना (लगभग 11.51 करोड़ रुपये) है। यह राशि दोनों विजेताओं के बीच समान रूप से बांटी जाएगी। नोबेल पुरस्कार विजेताओं को एक प्रशस्ति-पत्र और पदक भी प्रदान किया जाएगा।

■ **कागन और सोई के शोध ने रसायन विज्ञान की एक महत्वपूर्ण पहेली को सुलझाने में मदद की है, कि रासायनिक अभिक्रियाओं को कैसे नियंत्रित किया जाये।**

कागन और सोई के शोध ने रसायन विज्ञान की एक महत्वपूर्ण पहेली को सुलझाने में मदद की है कि ऐसी रासायनिक अभिक्रियाओं को कैसे नियंत्रित किया जाए, जिनमें एक-दूसरे की दर्पण छवियों वाले दो अलग-अलग अणु बन सकते हैं। इन अणुओं को एनैन्टियोमर कहा जाता है।

जीवन के लिए आवश्यक कई अणु केवल इन दोनों दर्पण-रूपों में से किसी एक रूप में पाए जाते हैं। इस विशेषता को समजातीय चिरैलिटी (होमोचिरैलिटी) कहा जाता है। उदाहरण के लिए, जीवित कोशिकाओं में पाए जाने वाले अमीनो अम्लों में सामान्यत: एक ही चिरल रूप का उपयोग होता है। वैज्ञानिक लंबे समय से यह समझने का प्रयास कर रहे थे कि प्रकृति में यह एकतरफा रासायनिक व्यवस्था कैसे विकसित हुई।

बाँग्लादेश के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा है कि वे दिसंबर 2026 तक स्वेच्छा से बांग्लादेश लौटना चाहती हैं। उनका कहना है कि वे अवामी लीग के वरिष्ठ नेताओं के साथ, अदालत में आत्मसमर्पण करने की योजना बना रही हैं, भले ही उन्हें उनकी गिरफ्तारी या उससे भी ज्यादा गंभीर परिणामों का खतरा हो। उन्होंने उन पर लगाये गये आरोपों को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है और इस बात पर सवाल उठाया है कि उनके मामले को तारिक रहमान की भारत यात्रा से क्यों जोड़ा जा रहा है।

भारत ने कहा है कि प्रत्यर्पण का अनुरोध तय कानूनी प्रक्रिया के तहत विचाराधीन है और इसमें अदालतों की ही मुख्य भूमिका है। भारत ने यह भी कहा है कि इसकी कोई निश्चित समयसीमा बताना संभव नहीं है। भारत ने शेख हसीना के 2024 में भारत आने को एक ऐसे मौजूदा प्रधानमंत्री के भारत आने के रूप में बताया है, जिनके साथ पड़ोसी देश के नाते कर्तव्यों का पालन किया गया।

बीएनपी अपने रुख पर अड़ी हुई है, क्योंकि शेख हसीना का भारत में रहना और वहां से उनके सार्वजनिक बयान बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप के रूप में देखे जाते हैं। बीएनपी के अनुसार, इससे आंदोलन के बाद बनी नई राजनीतिक व्यवस्था को मजबूत करने में भी बाधा आ रही है।

2024 के आंदोलन के आधार पर सत्ता में आने वाली और अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने वाली सरकार के लिए शेख हसीना की वापसी केवल घरेलू राजनीतिक विश्वसनीयता का मुद्दा नहीं है। यह इस बात की भी परीक्षा है कि क्या भारत बांग्लादेश के नए लोकतांत्रिक जनादेश का सम्मान करता है।

बर्धमान का फर्जी डॉक्टर दुबई भागते हुए गिरफ्तार

डॉक्टर बिना वैध डिग्री के प्रैक्टिस कर रहा था व फाइमोसिस की सर्जरी में लापरवाही से बच्चे की मौत का आरोपी है

कोलकाता, 07 अक्टूबर। दुबई भागकर पत्नी के साथ खाड़ी देश में बसने का सपना देख रहे पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्धमान जिले के फर्जी डॉक्टर शेख साइदुल की योजना पर पानी फिर गया। पत्नी को साथ ले जाने के इरादे से मंगलवार को दिल्ली पहुंचे साइदुल को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते ही पुलिस ने धर दबोचा। बुधवार को बर्धमान थाने की एक विशेष टीम उसे ट्रांजिट रिमांड पर पश्चिम बंगाल लाने के लिए दिल्ली रवाना हो चुकी है।

शेख साइदुल की फर्जी गतिविधियों का खुलासा सितंबर के पहले हफ्ते में हुआ था। पूर्व बर्धमान के नवाबहाट स्थित लाइफ केयर नामक एक निजी नर्सिंग होम में फाइमोसिस की सर्जरी के दौरान एक बच्चे की मौत हो गई थी। बच्चे के परिवार ने इलाज में गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया था। मृतक बच्चे की मां शिल्पा राय ने यह भी आरोप लगाया था कि उन्हें फोन पर धमकियां दी जा रही थीं।

■ **शेख साइदुल अपनी पत्नी के साथ दुबई भागने की फिराक में था, जब पुलिस ने इंदिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उसे गिरफ्तार किया।**

बर्धमान थाना पुलिस और राज्य स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त जांच में सामने आया कि सर्जरी करने वाले शेख साइदुल के पास कोई वैध मेडिकल डिग्री नहीं थी और वह फर्जी डिग्री के सहारे प्रैक्टिस कर रहा था। उसकी निशानदेही पर स्वास्थ्य विभाग को कई अन्य संदिग्ध फर्जी डॉक्टरों की जानकारी भी मिली। घटना के बाद प्रशासन ने उक्त नर्सिंग होम को सील कर दिया और पुलिस ने उसके दो संचालकों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि साइदुल फरार हो गया था।

चुनाव आयुक्त ने सांसदों से नहीं ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव आयोग ने कहा कि राजनीतिक दलों के साथ बैठक के लिए, उसने 2025 में एक प्रक्रिया तय की थी। इसके तहत, किसी राजनीतिक दल का प्रतिनिधिमंडल या कई दलों का संयुक्त प्रतिनिधिमंडल अपने अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से बैठक के लिए समय मांगता है।

आयोग ने कहा, "इसके बाद दोनों पक्षों की सहमति से बैठक का समय तय किया जाता है।"

जब आयोग सांसदों के साथ बैठक के प्रस्ताव पर विचार कर रहा था, तब दिल्ली पुलिस ने उसे बताया कि प्रतिनिधिमंडल में 240 सांसद शामिल हैं और बैठक का प्रस्तावित स्थान संसद भवन एनेक्सी है।

आयोग ने कहा, "चुनाव आयोग ने इस अनुरोध को असामान्य माना और इसलिए इसे स्वीकार नहीं किया जा सका, क्योंकि चुनाव आयोग की तय प्रक्रिया के अनुसार, ऐसी बैठकें केवल भारतीय निर्वाचन आयोग के परिसर में ही होती हैं।"

आयोग ने कहा कि उसने ज्ञापन प्राप्त करने के लिये प्रस्तावित बैठक स्थल पर अपने वरिष्ठतम ऑफिसर-ऑन -ड्यूटी को भेजने का प्रस्ताव दिया था। आयोग के अनुसार, यह अपने आप में एक अभूतपूर्व कदम होता, लेकिन सांसदों ने यह प्रस्ताव भी ठुकरा दिया।

आयोग ने कहा कि वह संसदीय और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के साथ-साथ, अपने प्रोटोकॉल और परंपराओं का सम्मान करता है, जो उसके लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

आयोग ने कहा, "कोई भी राजनीतिक दल किसी भी समय चुनाव आयोग से बैठक का अनुरोध कर सकता है। आयोग समय की उपयुक्तता को ध्यान में रखते हुए, बैठक के लिए तारीख और समय तय करता है। यह एक सामान्य प्रक्रिया है।"

दिन में इससे पहले संसद मार्ग से चुनाव आयोग मुख्यालय तक इंडिया गठबंधन के विरोध मार्च के दौरान काफी राजनीतिक हलचल देखने को मिली। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा समेत, कुछ अन्य नेता चुनाव आयोग के कार्यालय तक पहुंचने की कोशिश में आकाशवाणी भवन परिसर में दाखिल हो गए।

राहुल गांधी विपक्ष के सड़क पर हुए विरोध प्रदर्शन के केन्द्र में रहे। प्रदर्शन के कारण संसद मार्ग पूरी तरह बंद हो गया। एक समय वहां मौजूद लोगों की तालियों और नारों के बीच, राहुल गांधी कई परतों वाली लोहे की बैरिकेडिंग पर चढ़ गए। वे कुछ देर उस पर खड़े रहे और तिरंगा लहराते रहे। इसके बाद वे पुलिस के घेरे से निकलकर ऑल इंडिया रेडियो के परिसर में पहुंच गए।

सूरज डूबने तक, राहुल गांधी ऑल इंडिया रेडियो के परिसर के अंदर ही डटे रहे और पुलिस के साथ उनका टकराव जारी रहा। पुलिस प्रदर्शनकारियों को चुनाव आयोग के कार्यालय तक पहुंचने से रोकने पर अड़ी रही, हालांकि पुलिस का रवैया काफी हद तक शांत और संयमित रहा।

पुलिस ने मार्च रोकने के बाद, समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव और तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी और डैरेक ओ'ब्रायन सहित कई विपक्षी नेताओं को हिरासत में ले लिया।

यह मार्च उन विरोध प्रदर्शनों की कड़ी में नवीनतम प्रदर्शन था, जिनके जरिए नेता और सिविल ऐक्टिविस्ट्स मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। यह मांग 25 सितंबर की "इंडियन एक्सप्रेस" की एक रिपोर्ट के बाद और तेज हुई है। इस रिपोर्ट में एसआईआर प्रक्रिया में हुईं अनियमितताओं और चुनाव आयुक्तों के बीच मतभेदों का संकेत दिया गया था।

मोदी आडवाणी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सार्वजनिक जीवन और राष्ट्र के लिए उनके योगदान ने देश के जीवन पर स्थायी छाप छोड़ी है। मोदी ने कहा, "उन्होंने भारत की प्रगति को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।" 98 वर्षीय आडवाणी भाजपा के संस्थापक सदस्यों में शामिल हैं और देश के पूर्व उपप्रधानमंत्री रह चुके हैं। उन्हें वर्ष 2024 में देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' से सम्मानित किया गया था।

सीजेपी का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राष्ट्रीय अध्यक्ष नेहा बोरा ने बुधवार को प्रेस क्लब में संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। सौरव दास ने कहा कि सीजेपी, सभी छात्र संगठनों और सिविल सोसाइटी संगठनों के साथ मिलकर 10 अक्टूबर को सड़कों पर उतरेगी और चुनावी व्यवस्था में सुधार होने के बाद ही वापस लौटेगी। उन्होंने कहा कि सरकार 10 अक्टूबर के विरोध प्रदर्शन के आव्हान के खिलाफ साजिश रचने के बजाय, व्यवस्था में सुधार पर बातचीत के लिए युवाओं के प्रतिनिधिमंडल को क्यों नहीं बुला सकती। उन्होंने सरकार पर विरोध प्रदर्शन को पटरी से उतारने और तनावपूर्ण एवं हिंसक माहौल बनाने का आरोप लगाया है।

सौरव ने कहा कि एक लंबे आंदोलन के लिए तैयार रहें। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे हममें से कितनों को हिरासत में लेते हैं, याद रखें कि यह लड़ाई तो लड़नी ही है, चाहे हम हों या न हों। अगर वोट देने का हमारा अधिकार सुरक्षित रहेगा, तभी हम अपने भ्रष्ट तंत्र को बदल पाएंगे।

मुहाना थाने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चश्मदीद गवाहों के हवाले से बताया गया कि उनके सामने मुहाना थाना पुलिस के पुलिसकर्मियों ने युवक को पीटा था और सिर पकड़ कर दीवार पर मारा था।

गजट नोटिफिकेशन के नियमों का संशोधन कार्यालय आदेश से नहीं हो सकता- हाई कोर्ट

अदालत ने राजस्थान वॉटर सप्लायर नियमों में संशोधन कर 12 फरवरी 2025 का परिपत्र रद्द किया

जयपुर, 7 अक्टूबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा है कि गजट नोटिफिकेशन में प्रकाशित नियमों का विधिक बल होता है और ऐसे नियमों को विभाग अपने कार्यालय आदेशों और परिपत्र आदि के जरिए संशोधित नहीं कर सकता। इसके साथ ही अदालत ने राजस्थान वाटर सप्लायर नियम, 1967 के नियमों में संशोधन के लिए 12 फरवरी, 2025 को जारी परिपत्र को रद्द कर दिया है। जस्टिस शुभा मेहता की एकलपीठ ने ये आदेश पीएचईडी कॉन्ट्रेक्टर कल्याण समिति की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि ऐसा संशोधन केवल गजट नोटिफिकेशन के जरिए ही किया जा सकता है। वर्तमान मामले में जिस प्रकार के संशोधन नियमों में किए गए हैं, उससे संपूर्ण प्लंबिंग, जल मीटर, रोड कट, कनेक्शन लगाना आदि की संपूर्ण प्रक्रिया ही परिवर्तित हो रही है। प्रक्रिया का सरलीकरण करने और सुविधाएं देने के नाम पर प्रशासनिक आदेशों से नियमों में मूलभूत परिवर्तन नहीं किया जा सकता। ऐसे में 12 फरवरी को जारी परिपत्र क्षेत्राधिकार के बाहर होने के कारण रद्द किया जाता है। याचिका में अधिवक्ता बाबूलाल गुप्ता और अधिवक्ता अंकुल गुप्ता ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता समिति जल आपूर्ति, मीटर कनेक्शन और प्लंबिंग लाइसेंस आदि देने का काम करती है और वह वाटर सप्लायर नियम, 1967 से तहत काम कर रही है। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार ने 12 फरवरी, 2025 को एक परिपत्र जारी कर 1967 के नियमों में संशोधन कर दिया। वहीं संपूर्ण प्लंबिंग, जल मीटर, रोड कट और रेस्टोरेशन के लिए 8100 रुपए तय कर दिए और नियमों में परिवर्तन कर यह काम ठेकेदारों को लाइसेंसी प्लबरों के माध्यम से कराने का अधिकार दे दिया। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि सरकार ने ठेकेदार के रूप में बीच में एक व्यक्ति को जोड़ दिया, जो लाइसेंसी के लिए अतिरिक्त राशि वसूलेगा, जिससे सरकार को राजस्व का नुकसान होगा। इसके अलावा पूर्व में लाइसेंसी प्लबरों के कार्य का निरीक्षण करने वाले पीएचईडी के जेईएन को हटा दिया गया है। इससे याचिकाकर्ता समिति से जुड़े करीब पांच हजार प्लबरों का रोजगार छिन जाएगा। याचिका में कहा गया कि नियमों को परिपत्र के आधार पर संशोधित नहीं किया जा सकता। ऐसे में 12 फरवरी को जारी परिपत्र को रद्द किया जाए। इसका विरोध करते हुए राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि वाटर सप्लाई एंड सीवरेज कॉरपोरेशन एक्ट, 1979 की धारा 68 के तहत विभाग, सरकार की पूर्व अनुमति से नियमों को बनाने, संशोधित करने और रूपांतरित कर सकता है। ऐसे में नियमों में किया गया संशोधन वैध है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने नियमों में संशोधन के लिए जारी 12 फरवरी, 2025 के परिपत्र को रद्द कर दिया है।

■ **जस्टिस शुभा मेहता की एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा, प्रक्रिया का सरलीकरण करने और सुविधाएं देने के नाम पर प्रशासनिक आदेशों से नियमों में मूलभूत परिवर्तन नहीं किया जा सकता।**

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर. एन. आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908